राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 | अंक : 188 पटना (बिहार) शनिवार,10 मई 2025 | पेज - 12 | मूल्य: 1 | R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

कायर पाकिस्तान ने भारत के जवाबी हमले से बचने के लिए नागरिक विमानों को बनाया था ढाल

दिल्ली व्यूरो

दिल्लीः गुरुवार की शाम देश की पश्चिमी सीमा पर लंबे समय तक ड्रोन और मिसाइलों से पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले पर विदेश मंत्रालय ने आज प्रेस कॉन्फ्रेन्स की। इसमें सेना की तरफ से आज भी कर्नल सोफिया कुरैशी ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरुवार को पाकिस्तान ने इस कायराना हरकत के लिए नागरिक विमानों को ढाल बनाया था। ताकि जवाबी कार्रवाई करने में भारत को परेशानी हो। प्रेस कॉन्फ्रेन्स को संबोधित करते हुए कर्नल कुरैशी ने बताया कि हमले के दौरान पाकिस्तान ने अपने नागरिक विमानों का संचालन बंद नहीं किया था। कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से जब यह हमला किया गया था, उस समय कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में पैसेंजर प्लेन उड़ान भर रहे थे, जिससे आम नागरिकों की जान जानबूझकर जोखिम में डाली गई। दरअसल, नागरिक विमानों को ढाल बनाने के पीछे पाकिस्तान की ऐसी रणनीति थी कि जवाबी कार्रवाई में अगर कोई नागरिक विमान जद में आ जाता है तो अंतराष्ट्रीय मंचों पर रोना रोकर भारत को बदनाम करें कि उसने सिविल विमानों को निशाना बनाया है। 36 जगहों पर हमले की कोशिश :कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तान ने गुरुवार की देर शाम कुल 36 जगहों पर हमले की कोशिश की थी, जिसे हमारी सेना ने नाकाम कर दिया। इस दौरान 300 से 400 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि शुरूआती जांच में इन हमलों में तुर्की के ड्रोन का इस्तेमाल करने की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना ने इस हमले का तत्काल जवाब देते हुए एक ड्रोन काउंटर अटैक किया, जिसमें पाकिस्तान की सर्विलांस रडार प्रणाली को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। भारतीय वायुसेना की प्रतिक्रिया बहुत सीमित :उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना की प्रतिक्रिया बहुत सीमित थी। कुरैशी ने ये भी बताया कि पाकिस्तान की सेना को इस जवाबी कार्रवाई में भारी नुकसान हुआ है और यह उसके सैन्य अभियान के लिए एक बड़ा झटका है। सेना की तरफ से कहा गया है कि पाकिस्तान ने भले ही आम नागरिकों को निशाना बनाया था

लेकिन भारतीय सुरक्षाबलों ने इस पूरी कार्रवाई के दौरान संयम बरता और जवाबी हमले को सीमित रखा। ताकि आम नागरिकों को नुकसान न हो। उन्होंने बताया कि इस रक्षात्मक और संवेदनशील रुख की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना की जा रही है। पाक की कार्रवाई उकसावे वालीः मिसरी :विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भी संवादताताओं को संबोधित किया और बताया कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ उकसावे वाली सैन्य कार्रवाई करते हुए कंधार, उरी, पुंछ, राजौरी, अखनूर और उधमपुर जैसे एलओसी से सटे क्षेत्रों में गोलाबारी की है। उन्होंने बताया कि इस हमले में भारतीय सुरक्षाबलों को कुछ नुकसान हुआ और चोटें पहुंची हैं, हालांकि जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। मिस्त्री ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा बीती रात की गई यह भड़काऊ और तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाइयां न केवल भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर केंद्रित थीं, बल्कि भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे को भी लक्ष्य बनाया गया दूसरी ओर पाकिस्तान की ओर से भारत के खिलाफ कल रात कई भड़काऊ और आक्रामक कार्रवाइयां की गईं। इस दौरान भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे के अलावा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया, ह्यपाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर भारी कैलिबर के हथियारों से भी गोलीबारी की। 36 स्थानों पर घुसपैठ की कोशिश करने के लिए लगभग 300 से 400 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ड्रोन के मलबे की फोरेंसिक जांच की जा रही है। शुरूआती रिपोर्टों से पता चलता है कि वे तुर्की असिसगार्ड सोंगर ड्रोन हैं। पाकिस्तान की ओर से किए हमलों को नाकाम करने के लिए भारत ने एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली, बराक-8 मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइल और डीआरडीओ की ड्रोन रोधी तकनीकों का इस्तेमाल किया। सूत्रों ने बताया कि भारत की ओर से 7 मई को ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण चलाए जाने के बाद पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर मिसाइलें दागकर तनाव बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन उसे विफल कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (ढङ्कङ) में 9 आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। ऑपरेशन सिंदूर के तहत बहावलपुर को भी निशाना बनाया गया, जिसे आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ माना जाता है।

एक नजर

छेड़छाड़ का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का मामला, मनीष कश्यप पर केस दर्ज

संवाददाता द्वारा

मगध-गया :चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप पर नवादा साइबर थाना में एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत भोजपुर जिले के महेंद्र कुमार ने की है। वह नवादा रेलवे सुरक्षा बल आउट पोस्ट पर उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

महेंद्र कुमार ने बताया कि शनिवार को सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो अपलोड किया गया। वीडियो में एक व्यक्ति रेल क्षेत्र में घुसकर ट्रैक से छेड़छाड़ करता दिख रहा है। वीडियो को आतंकवाद से जुड़ी घटना बताकर अफवाह फैलाने की कोशिश की गई। इसका मकसद अधिक व्यू और लाइक पाना था। इससे रेलवे की छवि को नुकसान पहुंचा।

पत्नी-बच्चों के नाम पर 'करोड़ों' की संपत्ति अर्जित करने के आरोपी DSP फंसे,

क्राइम संवाददाता द्वारा

अकूत संपत्ति अर्जित करने के आरोप में एक डीएसपी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलेगी. पुलिस मुख्यालय की रिपोर्ट पर गृह विभाग ने विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है. आईजी राकेश राठी को संचालन पदाधिकारी बनाया गया है. गृह विभाग के संकल्प में कहा गया है कि मोतिहारी सदर के तत्कालीन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुरली मनोहर मांझी के खिलाफ 24 सितंबर 2024 को बिहार पुलिस मुख्यालय ने रिपोर्ट किया था. आरोप है कि डीएसपी मुरली मनोहर मांझी ने स्वयं, पत्नी एवं बच्चों के नाम पर करोड़ों की अवैध संपत्ति अर्जित की है. यह सरकारी सेवक के आचरण के विरूद्ध है. इन आरोपों के खिलाफ इनसे स्पष्टीकरण की मांग की गई. 29 जनवरी 2025 को इन्होंने अपना जवाब सौंपा. जवाब की समीक्षा की गई. इसके बाद निर्णय लिया गया कि इनके खिलाफ गठित आरोपों के लिए वृहद जांच की जरूरत है. इसके लिए पुलिस महानिरीक्षक राकेश राठी को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है. गृह विभाग ने कहा है कि आरोप सेवानिवृत डीएसपी दस दिनों या संचालन पदाधिकारी द्वारा दिए गए समय पर हाजिर होकर अपना पक्ष रखें. बता दें, मुरली मनोहर मांझी जो मोतिहारी सदर के एसडीपीओ थे.

नवगछिया में मृतक व्यवसायी के परिजनों से मिले तेजस्वी यादव,

व्यूरो

भागलपुरः बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव नवगछिया में किराना व्यवसायी विनय कुमार गुप्ता के परिवार से मुलाकात की. विनय गुप्ता की 4 मई की रात हत्या कर दी गई थी.तेजस्वी ने परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि इस हत्या से वे बेहद मर्माहत हैं और यह घटना राज्य में बढ़ते अपराध की गंभीर स्थिति को दशार्ती है. जांच के नाम पर बिहार पुलिस फिसड्डी साबित हो रही है. व्यवसायी परिवार से मिले तेजस्वीः तेजस्वी यादव ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि नवगछिया के मेन बाजार में दिनदहाड़े व्यवसायी विनय गुप्ता की हत्या कर दी जाती है. अपराधियों की गतिविधियां सीसीटीवी में कैद होने के बावजूद पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है. उन्होंने कहा कि अगर पुलिस तत्परता दिखाती और सीसीटीवी फुटेज का समय रहते विश्लेषण करती तो अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जा सकता था. दहशत में है व्यवसायीः तेजस्वी यादव ने कहा कि नवगछिया में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं. जिससे व्यवसायी

वर्ग खासा डरा हुआ है. उन्होंने आरोप लगाया कि यहां के वैश्य समाज के लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और कुछ तो पलायन करने को भी मजबूर हैं. उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि गृह विभाग खुद मुख्यमंत्री के अधीन है ऐसे में उन्हें पुलिस को अपराध नियंत्रण के लिए सख्त निर्देश देने चाहिए. शराबबंदी अभियान में उलझी है पुलिसः तेजस्वी यादव ने कहा कि राज्य की पुलिस को शराबबंदी अभियान में झोंक दिया गया है. जहां वह अक्सर वसूली जैसे कार्यों में लिप्त रहती है. ऐसे में संगीन अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस के पास न तो समय है और न ही इच्छाशक्ति. उन्होंने कहा कि हत्या, बलात्कार जैसे जघन्य अपराध करने वाले बेखौफ घूम रहे हैं और पुलिस उन्हें पकड़ने में नाकाम साबित हो रही है.) ₹इस गंभीर घटना के बावजूद सरकार का कोई भी मंत्री मृतक व्यवसायी के परिजनों से मिलने नहीं पहुंचा. यह सरकार की संवेदनहीनता को दशार्ता है.नवगछिया प्रशासन से मांग की है कि यहां के व्यवसायी वर्ग को सुरक्षा प्रदान करें ताकि वे भयमुक्त होकर अपना काम कर सके. पुलिस प्रशासन ऐसे बेलगाम अपराधियों पर नकेल कसने का काम करे.₹-तेजस्वी यादव, नेता प्रतिपक्ष भारतीय सेना के साथ पूरा देश खड़ाः ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिए जाने की सराहना करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि देश को अपनी सेना के शौर्य पर पूरा विश्वास है. उन्होंने कहा कि सेना का यह अभियान आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम है और पूरा देश सेना व सरकार के साथ खड़ा है. तेजस्वी ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी एवं भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ हर मोर्चे पर एकजुट हैं.

धूमधाम से मनाया गया राणा-भामा सम्मलेन, बिहार सरकार के मंत्री ने कहा- पाक को धूल चटा देंगे

व्यूरो

पटना :पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल में राणा-भामा सम्मलेन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मंत्री नीरज बबलू ने कहा कि सभी लोग हाथों में तलवार लेकर तैयार रहिए। हमें कभी भी लड़ाई के लिए जाना पड़ सकता है। बिहारियों को अगर छूट दिया जाए तो पाकिस्तान को धूल चटा देगा। नीरज बबलू ने कहा कि आप अपनी क्षमता का सही उपयोग करें। अपनी क्षमता का दुरुपयोग ना करें। हमारा देश युद्ध कर रहा है। हमें अपने सेना पर गर्व हो रहा है, जो पाकिस्तान में घुसकर वार कर रहा है। पाकिस्तान रो रहा हैं कि हमको बचाओ लेकिन पाकिस्तान को कोई पानी भी नहीं देने वाला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि देश बहुत ही नाजुक दौर से गुजर रहा है। पहलगाम में जो निर्मम लोगों की आतंकवादियों ने हत्या की, मिथिला की धरती से

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया था। उन्होंने कहा था कि जिन आतंकवादियों ने इस घटना को अंजाम दिया है, उनसे चुन-चुनकर बदला लिया जाएगा। दिलीप जायसवाल ने कहा कि आज भी हम युद्ध की स्थिति में है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को करना था, लेकिन वह लगातार सेना के साथ बैठक कर रहे हैं, इसलिए राजनाथ सिंह उपस्थित नहीं हो सके। उन्होंने मुझसे मुझे फोन से उन्होंने सबसे माफी मांगने के लिए कहा है। महाराणा प्रताप और भामा शाह की जैसी जोड़ी थी, आज नरेंद्र मोदी और राजनाथ सिंह की जोड़ी देश की अगुआई कर रही है। उन्होंने कहा कि आज हम लोगों को नरेंद्र मोदी के साथ आज कदम से कदम मिलाकर चलने की जरूरत है।

मानसून से पहले राहत की तैयारी, मई में ही मिलेगा अगस्त तक का राशन

पटना :बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने आने वाले मानसून को देखते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (ठऋअ) के तहत दिए जाने वाले खाद्यान्न की अग्रिम उठान और लाभार्थियों में वितरण की अनुमति दी है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग की ओर एक आदेश जारी किया गया है। बता दें कि इस आदेश में कहा गया है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अगस्त 2025 तक के लिए आवंटित किए जाने वाले खाद्यान्न की उठान 30 मई 2025 तक पूरी की जाय। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने यह निर्णय बरसात, बाढ़ जैसे मौसम की वजह से उत्पन्न होने वाले परिवहन और भंडारण की चुनौतियों को देखते हुए लिया है। केंद्र सरकार की कोशिश है कि लाभार्थियों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाया जा सके।

बिहार में ATM कैश वैन से 70 लाख की चोरी, पलक झपकते ही पैसे उड़ा ले गए शातिर

क्राइम संवाददाता द्वारा

छपरा : बड़ी खबर छपरा से आ रही है, जहां एटीएम कैश वैन से 70 लाख रुपए चोरी होने के बाद हड़कंप मच गया है। घटना नगर थाना क्षेत्र की है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले के छानबीन में जुट गई है। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को पंजाब नेशनल बैंक का एटीएम कैश वैन को खड़ा कर कैश वैन के कर्मी आईसीआईसी बैक से रुपए निकालने गए थे और जब लौटकर कैश वैन के पास पहुंचे तो 70 लाख रुपए गायब मिले। 70 लाख रुपए गायब होने के बाद कैश वैन के कर्मियों के पैरों तले से जमीन खीसक गई। तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुट गई है। पुलिस ने कैश वैन के सुरक्षा में तैनात कर्मी समेत चार लोगों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी को भी खंगाल रही है।

सुबह सुबह ताबड़तोड़ फायरिंग से दहला पटना, हॉस्टल में युवक की हत्या से हड़कंप

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटनाः राजधानी पटना में फिर एक बार अपराधियों ने हत्या की घटना को अंजाम दिया है. सैदपुर स्थित एक छात्रावास में आपसी विवाद के चलते गोलीबारी की वारदात हुई. इस घटना में बदमाश ने एक छात्र के सिर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गया. पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है. हॉस्टल के अंदर छात्र को मारी गोलीः घटना पटना के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के सैदपुर हॉस्टल में शुक्रवार की सुबह लगभग 3:30 बजे हुई. मिली जानकारी के अनुसार, छात्रों के बीच आपसी विवाद के चलते गोलीबारी हुई, जिसमें एक छात्र के सिर में गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान चंदन कुमार के रूप में हुई है. घटना के बाद आरोपी वहां से भाग निकला. वहीं वहां रहने वाले अन्य छात्रों में भी दहशत का माहौल है. मृतक छात्र की पहचानः इस घटना के बाद हॉस्टल और आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई है. कई छात्रों ने बताया कि रात के अंधेरे में अचानक गोली की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद हॉस्टल में

हड़कंप मच गया. कुछ लोगों ने आरोपी को भागते हुए देखने का दावा किया, लेकिन वह सभी को चकमा देकर फरार हो गया. मृतक छात्र चंदन कुमार पटना के किसी कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था और हॉस्टल में रहता था. उसके परिजनों को सूचना दे दी गई और वो पटना पहुंच रहे हैं. ₹सुबह लगभग 3:30 बजे अचानक गोली की आवाज सुनाई दी. जिसके बाद जाकर देखा तो किसी ने चंदन को गोली मार दी है. आरोपी मौके से फरार हो गया. चंदन के परिजनों को सूचना दे दी गई है और वे घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं. पुलिस उनसे पूछताछ करके मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है.- छात्र क्या था विवाद?ः बताया जा रहा है कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, मामला दो छात्रों के बीच पुराने विवाद का परिणाम हो सकता है. कुछ सूत्रों का कहना है कि दोनों के बीच पहले भी तनाव की स्थिति रही थी, जिसने कल रात हिंसक रूप ले लिया. हालांकि, पुलिस इस बात की पुष्टि नहीं कर रही है और सभी तरह से जांच कर रही है. सीसीटीवी खंगाल रही पुलिसः बता दें कि पुलिस ने हॉस्टल के सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित कर लिया है और आरोपी की पहचान करने में जुटी हुई है. एएसपी अतुलेश झा ने बताया कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले की सच्चाई सामने आएगी. साथ ही, पुलिस ने हॉस्टल प्रबंधन से भी पूछताछ शुरू कर दी है कि कैसे हॉस्टल परिसर में गोलीबारी जैसी घटना हो गई. पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की है, जो आरोपी की तलाश में जुटी हुई है. क्या कहती है पुलिसः घटना की सूचना मिलते ही बहादुरपुर थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है. पटना सिटी के एएसपी अतुलेश झा ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आरोपी की तलाश जारी है. उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी झगड़े का नजर आ रहा है, लेकिन सभी पहलुओं पर विस्तृत जांच की जा रही है. वहीं आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है. ₹मृतक के परिवार से बातचीत करके पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत का सही कारण पता चल सके. जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और पूरे मामले की गहन जांच की जाएगी.-अतुलेश झा, एएसपी पटना सिटी

12 चक्का वाले हाइवा ट्रक से तेज रफ्तार में आ रही थी 'खुशी

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार पुलिस को अवैध शराब बरामदगी मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने विशेष अभियान के जरिए कार्रवाई करते हुए 12 चक्का हाइवा ट्रक से भारी मात्रा में शराब बरामद किया है। पुलिस ने हाइवा ट्रक में लदे हुए 2953.58 लीटर विदेशी शराब को बरामद किया है। इसकी कीमत बाजार में लाखों में बताई जा रही है। पुलिस इस मामले की छानबीन में जुट गई है। पुलिस को इसकी सूचना मुखबिरों से मिली थी। उसके बाद पुलिस ने इस पर एक्शन लिया और पुलिस को सफलता हासिल हुई। जानकारी के मुताबिक मद्य निषेध इकाई के विशेष अभियान दल को अपने सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि बाहरी राज्य के शराब माफियाओं द्वारा एक 12 चक्का हाइवा ट्रक के माध्यम से बिहार राज्य में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। तत्पश्चात पटना जिला के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में अवैध शराब के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए पुलिस तैयार हुई। उसके बाद पुलिस ने बख्तियारपुर थाने को सूचित किया। उक्त थाने के सहयोग से हाइवा को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पुलिस को हाइवा ट्रक से 2953.58 लीटर विदेशी मदिरा (IMFL) मिली।

भारत ने आठ हजार से ज्यादा एक्स अकाउंट्स को ब्लॉक करने का दिया आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान में जंग जैसे हालात के बीच भारत सरकार ने देश को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक सूचना पर सख्त कदम उठाया है। बताया जा रहा है सरकार ने कई एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट्स को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है। प्रारम्भिक जानकारी के मुताबिक, भारत के बारे में भ्रामक सूचनाएं फैलाने वाले एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट्स के खिलाफ सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। भारत सरकार ने आठ हजार से ज्यादा एक्स अकाउंट्स को बंद करने का आदेश दिया है। अभी विस्तृत विवरण का इंतजार है और इसकी पुष्टि होना बाकी है।

अगले 5 दिनों तक कई राज्यों में बारिश और गरज के साथ बौछारें, एनसीआर में ओलावृष्टि और बिजली गिरने की चेतावनी

नई दिल्ली । भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जानकारी दी है कि देश के उत्तर-पश्चिमी और मध्य हिस्सों में आने वाले पांच दिनों तक गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना बनी हुई है। इसके तहत कई राज्यों के लिए मौसम से जुड़ी चेतावनियां जारी की गई हैं, जिनमें दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। 9 मई को दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस दिन तेज गरज के साथ बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही बिजली गिरने का भी खतरा जताया गया था। 10 मई को मौसम आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा और हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने की संभावना है। 11 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और तापमान 37 डिग्री अधिकतम और 27 डिग्री न्यूनतम रहने की संभावना है। इसके बाद 12 से 15 मई तक मौसम साफ और आंशिक रूप से बादलों से युक्त रहेगा। तापमान इस दौरान अधिकतम 37-38 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री के आसपास रहेगा। मौसम विभाग ने 11 मई तक असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मणिपुर जैसे पूर्वोत्तर राज्यों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में भारी बारिश, गरज और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। स्थानीय प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और जब तक आवश्यक न हो, घर से बाहर न निकलें।

राहुल गांधी ने अमेरिकी रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को नए पोप चुने जाने पर दी बधाई

नई दिल्ली । अमेरिकी धर्मगुरु रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्त को गुरुवार को नया पोप चुन लिया गया है। वो अमेरिका से पोप बनने वाले पहले कार्डिनल हैं। दो दिनों तक चली गहन चयन प्रक्रिया के बाद प्रीवोस्ट को पोप लियो XIV के रूप में चुना गया। नए पोप के चयन की घोषणा के साथ ही वेटिकन में सेंट पीटर्स स्क्वायर पर हजारों की भीड़ ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कई वैश्विक नेताओं ने भी प्रीवोस्त के नेतृत्व में चर्च के प्रगतिशील भविष्य की उम्मीद जताई है। वहीं कांग्रेस नेता ने उन्हें बधाई दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्त को पोप लियो XIV के रूप में चुने जाने पर हार्दिक बधाई। उनके नेतृत्व में शांति, करुणा और मानवता की सेवा को बढ़ावा मिलेगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर वैश्विक कैथोलिक समुदाय को मेरी शुभकामनाएं। शिकागो में जन्मे 69 वर्षीय प्रीवोस्ट, ऑगस्टिनियन ऑर्डर के सदस्य थे और इन्होंने पेरू में बड़े पैमाने पर सेवा की थी। वह साल 2023 से बिशप के लिए डिकास्टरी के प्रीफेक्ट और लैटिन अमेरिका के लिए पोंटिफिकल कमीशन के अध्यक्ष थे। उन्हें पोप फ्रांसिस द्वारा पदों पर नियुक्त किया गया था, जिन्होंने उन्हें कार्डिनल के रूप में पदोन्नत किया था। वह लियो XIV का पोंटिफिकल नाम लेंगे।

पाकिस्तान नहीं संभला तो कांच की तरह टूट कर बिखर जाएगा : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली । पाकिस्तान की ओर से भारत पर हो रहे हमले पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास मौका है कि वह संभल जाए नहीं तो वह कांच के गिलास की तरह टूट कर बिखर जाएगा। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि पाकिस्तान इतने प्रहार सहने के बाद भी जिद्दी बना हुआ है, लेकिन मुझे लगता है कि यह उनका आखिरी प्रयास है। पाकिस्तान ने आतंकवाद को समर्थन देने के लिए लापरवाह कदम उठाया। पहलगाम में इसकी शुरुआत हुई। इसकी जवाबी कार्रवाई भारत की ओर से दी गई। लेकिन उसके बाद भी पाकिस्तान को लगा कि वे अपने लोगों को दिखाने के लिए कुछ बातें कर सकते हैं। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि हम उनकी हर कोशिश को बार-बार विफल कर देंगे। पाकिस्तान पर भारत की जवाबी कार्रवाई पर संदीप दीक्षित ने कहा कि एक बात मैं कहूंगा कि पाकिस्तान हमें बार-बार उकसाता है, लेकिन यह सराहनीय है कि हमारी प्रतिक्रिया हमेशा संतुलित और नियंत्रित होती है। हम केवल उनकी बातों का जवाब देते हैं, जैसा कि वे कहते हैं, नहले पे दहला। लेकिन सच्चाई यह है कि हम उन्हें दहले पे दहला दे रहे हैं, क्योंकि अगर हम अपनी सैन्य ताकत, अपनी आर्थिक ताकत, अपने राष्ट्र के निर्माण और अपनी एकता पर विचार करे।

पहलगाम हमला ही था असल उकसावा, झूठ और भ्रामक दावे कर रहा पाकिस्तान : भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने कहा कि पाकिस्तान लगातार पहलगाम हमले और उसके बाद के घटनाक्रम पर झूठ बोल रहा है। भारत स्पष्ट करना चाहता है कि पहलगाम ही पहले उकसावे की घटना थी। इसी के जवाब में भारत ने आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए सटीक और संयमित कार्रवाई की है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंत्रालय में एक स्पेशल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने केवल आतंकी ढांचे को निशाना बनाया है। अगर पाकिस्तान आगे कोई हमला करता है तो जवाबी कार्रवाई के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।÷ उन्होंने स्पष्ट किया कि पहलगाम हमला एक सोची-समझी उकसावे की कार्रवाई थी, जिसमें लश्कर ए तैयबा आतंकी संगठन से जुड़े 'द रजिस्टेंस फ्रंट' की भूमिका सामने आई है। हालांकि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के पहलगाम हमले पर जारी होने वाले बयान से इस संगठन का नाम हटवाया, जबकि संगठन ने शुरुआत में अपनी भूमिका स्वीकार की थी।

विदेश सचिव मिस्री ने पाकिस्तान की ओर से पूरे घटनाक्रम पर फैलाए जा रहे झूठ और भ्रम से जुड़े दावों को बेनकाब किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हमले के बाद से ही निष्पक्ष जांच कराए जाने की बात करता आ रहा है, लेकिन मुंबई और पठानकोट जैसे आतंकी हमलों पर ठोस सबूत देने के बावजूद भी आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। पाकिस्तान के भारत के हमले में निर्दोष नागरिकों के मारे जाने के दावे का उन्होंने खंडन किया। उन्होंने कहा कि ऐसी तस्वीरें सामने आ रही है जहां आतंकियों को 'शहीद' बताकर महिमामंडित किया जा रहा है। वहीं कल पाकिस्तान ने भारत के निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया। कल के सीमापार से किए गए हमले में 16 भारतीय नागरिकों की जान गई है जिसमें 5 महिलाएं और 3 बच्चे हैं। विदेश सचिव ने स्पष्ट किया कि भारत ने किसी धार्मिक स्थल पर नहीं, बल्कि आतंकवाद की पनाहगाह पर कार्रवाई की थी। पाकिस्तान द्वारा जिस मस्जिद को निशाना बनाने की बात कही जा रही है, वह एक आतंकी प्रशिक्षण केंद्र था। दूसरी ओर कल पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में गुरुद्वारे पर हमला किया। इससे उसकी नीयत पर सवाल खड़े हो रहे हैं।उन्होंने सिंधु जल संधि का भी उल्लेख किया और इसपर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे झूठ का खंडन किया। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि का मुद्दा हमले के बाद नहीं उपजा है। भारत ने बीते दो वर्षों से संधि के नियम और शर्तों के अनुरुप पुनःवार्ता (री-नेगोसिएशन) के लिए नोटिस दिया है। छह दशकों यहां तक कि युद्धकाल में भी भारत ने इस संधि का सम्मान किया। बावजूद इसके पाकिस्तान कानूनी प्रक्रिया में उलझाकर भारत के अधिकार की नदियों पर भी परियोजनाओं का विरोध करता रहा है। मिस्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जलवायु परिवर्तन, तकनीकी और जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण संधि में बदलाव समय के अनुसार जरूरी हो गया है, लेकिन पाकिस्तान इससे भाग रहा है– जो कि सीधे तौर पर संधि के प्रस्तावना का उल्लंघन है।

ओटीटी प्लेटफार्म से सभी पाकिस्तानी कंटेंट हटाने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत ने पाकिस्तान पर डिजिटल स्ट्राइक करते हुए ओटीटी प्लेटफार्म पर चल रहे उनके वेबसीरीज, डिजिटल सामग्री को तुरंत बंद करने करने के निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रहित में ओटीटी प्लेटफार्म से सभी तरह के पाकिस्तानी कंटेंट हटा दिया जाए। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर किया गया है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी निर्देश में कहा कि भारत में हुए कई आतंकी हमलों में पाकिस्तान स्थित सरकारी और गैर-सरकारी तत्वों हाथ रहा है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में भारत में संचालित सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म, मीडिया स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को सलाह दी जाती है कि वे पाकिस्तान से आने वाली वेब-सीरीज, फिल्में, गाने, पॉडकास्ट और अन्य स्ट्रीमिंग मीडिया सामग्री को तत्काल प्रभाव से बंद कर दें, चाहे वे सदस्यता आधारित मॉडल पर ही क्यों न उपलब्ध हों ।मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के तहत

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING सत्यमेव जयते

आचार संहिता का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी सामग्री को प्रदर्शित करने से पहले विवेक और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। ऐसी सामग्री जो भारत की संप्रभुता और अखंडता को प्रभावित करती हो और जो राज्य की सुरक्षा को खतरे में डालती हो उसे सोशल मीडिया पर दिखाने से बचना चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने की भाजपा प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने निर्वाचन सदन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के साथ बातचीत की। भाजपा प्रतिनिधिमंडल में नड्डा के साथ केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह, भाजपा केन्द्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक शामिल थे। यह बातचीत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों के साथ की जा रही बातचीत का एक हिस्सा है।

चुनाव आयोग ने इस मुलाकात की पृष्ठभूमि

बताते हुए कहा कि यह संवाद लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को पूरा करते हैं, जिससे राष्ट्रीय और राज्य पार्टी अध्यक्ष अपने

सुझाव और चिंताओं को सीधे आयोग के साथ साझा कर सकते हैं। यह पहल सभी हितधारकों के साथ मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुसार चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत बनाने के आयोग के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की गई हैं, जिनमें सीईओ द्वारा 40 बैठकें, डीईओ द्वारा 800 बैठकें और ईआरओ द्वारा 3879 बैठकें शामिल हैं। इन बैठकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

ईरान के विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। इस्लामिक गणराज्य ईरान के विदेश मंत्री डॉ. अब्बास अराघची ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद एकजुटता और करुणा के संदेश के लिए ईरान को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा से भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

राष्ट्रपति भवन के अनुसार, राष्ट्रपति भवन में डॉ. अराघची का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के विशेष अवसर पर हो रही है। भारत और ईरान के बीच संबंध हजारों साल पुराने हैं। कला और संस्कृति के हर पहलू में, चाहे वह भाषा और साहित्य हो या संगीत और भोजन, हम एक-दूसरे की विरासत की झलक देख सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंध नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की मजबूत नींव पर बने हैं। इन 75

वर्षों में भारत और ईरान के बीच संबंध विविध क्षेत्रों में बढ़े हैं चाहे वह सांस्कृतिक सहयोग हो, व्यापार और ऊर्जा साझेदारी हो या क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर रणनीतिक समन्वय हो। दोनों देशों ने न केवल दीर्घकालिक मित्रता बनाए रखी है, बल्कि क्षेत्रीय शांति और समृद्धि के लिए मिलकर काम भी किया है। उन्होंने चाबहार बंदरगाह की पूरी क्षमता का उपयोग करने में दोनों पक्षों के बीच चल रहे सहयोग का स्वागत किया। राष्ट्रपति ने पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद एकजुटता और करुणा के संदेश के लिए ईरान को धन्यवाद भी दिया। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा से भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा कड़ी, सभी यात्रियों की बोर्डिंग से पहले होगी अतिरिक्त जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की वर्तमान सुरक्षा स्थिति को देखते हुए नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारत के सभी हवाई अड्डों और एयरलाइनों को सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश जारी किए हैं। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, अब हर यात्री को उड़ान में सवार होने से पहले सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेक (एसएलपीसी) से गुजरना अनिवार्य होगा। यह प्रक्रिया बोर्डिंग गेट पर अंतिम जांच सुनिश्चित करती है ताकि किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके। साथ ही, हवाई अड्डों के टर्मिनल भवनों में विजिटर्स के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एयर मार्शलों की तैनाती भी की जाएगी ताकि किसी भी अप्रत्याशित गतिविधि पर

तुरंत कार्रवाई की जा सके। इस आदेश के बाद देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पूर्व अतिरिक्त समय लेकर एयरपोर्ट पहुंचे और आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें। वहीं, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के निर्देश के तहत एयर इंडिया, आकासा एयर समेत कई एयरलाइनों ने यात्रियों के लिए नई यात्रा सलाह (ट्रैवल एडवाइजरी) जारी की है। एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक ट्वीट में कहा, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपायों को सख्त करने के आदेश के मद्देनज़र, सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी निर्धारित उड़ान के कम से कम 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें, ताकि चेक-इन और बोर्डिंग की प्रक्रिया सुगम बनी रहे। उड़ान से 75 मिनट पहले चेक-इन काउंटर बंद कर दिया जाएगा। वहीं, आकासा एयर ने भी एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए कहा, बढ़ी हुई सुरक्षा जांच को ध्यान में रखते हुए, कृपया उड़ान से 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें। प्रवेश के लिए सरकारी मान्यता प्राप्त फोटो पहचान पत्र अपने साथ रखें। चेक-इन बैगेज के अलावा, केवल एक हैंडबैग (अधिकतम 7 किलोग्राम) की अनुमति होगी। सभी यात्रियों को बोर्डिंग से पहले द्वितीय सुरक्षा जांच से गुजरना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, इंडिगो और स्पाइटजेट ने भी यात्रा संबंधी सलाह जारी करते हुए कहा है इन असाधारण समय में यात्रियों से अनुरोध है कि वे सुरक्षा जांच और अन्य औपचारिकताओं के लिए अतिरिक्त समय दें। हम आपकी समझदारी और सहयोग की सराहना करते हैं।

ब्राजील ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बातचीत की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। दोनों नेताओं ने भारत-ब्राजील द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया और भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति लूला को उनकी संवेदनाओं के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने भारत-ब्राजील द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता

दोहराई। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष ब्रिक्स की ब्राजील की सफल अध्यक्षता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

भारत वैश्विक शांति में विश्वास रखता है : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत ने हमेशा वैश्विक शांति, बंधुत्व और कल्याण में विश्वास किया है। उन्होंने हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कौटिल्य के दर्शन को कर्म में उतारा है। कौटिल्य की विचारधारा शासन का एक ग्रंथ है, जो राज्य संचालन, सुरक्षा, और राजा की भूमिका जो विश्वास रखते हैं। शक्ति और शासन के मूलभूत सिद्धांतों पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि शक्ति को उसकी सीमाओं से परिभाषित किया जाता है। लोकतंत्र तब ही पोषित

कहा कि लोकतंत्र तब फलता-फूलता है जब अभिव्यक्ति और संवाद एक-दूसरे के पूरक होते हैं। यही लोकतंत्र को अन्य शासन प्रणालियों से अलग करता है। भारत में लोकतंत्र केवल संविधान के लागू होने या विदेशी शासन से स्वतंत्र होने के बाद शुरू नहीं हुआ। हम हज़ारों वर्षों से लोकतांत्रिक भावना के साथ जीते आ रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में अपने आवास पर इंडिया फाउंडेशन के कौटिल्य फेलोज़ से संवाद करते अब निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं हर पहलू को समाहित करता है। उन्होंने कहा कि आज के बहुध्रुवीय विश्व में, जहां गठबंधन लगातार बदलते रहते हैं, कौटिल्य ने पहले ही यह कल्पना की थी। उन्होंने कौटिल्य को उद्धृत करते हुए कहा- 'पड़ोसी राज्य शत्रु होता है और शत्रु का शत्रु मित्र होता है।' कौन-सा देश इस बात को भारत से बेहतर जानता है? हम सदैव वैश्विक शांति, वैश्विक बंधुत्व और वैश्विक कल्याण में होता है जब हम शक्ति की सीमाओं को समझते हैं। यदि आप कौटिल्य की दर्शन में गहराई से जाएं तो पाएंगे कि यह सब अंततः जनकल्याण पर केंद्रित होता है, यही सुशासन का अमृत है। धनखड़ ने कहा, कौटिल्य ने कहा, राजा की प्रसन्नता उसकी प्रजा की प्रसन्नता में है। यदि आप किसी भी लोकतांत्रिक देश का संविधान देखें, तो पाएंगे कि यही दर्शन लोकतांत्रिक शासन और मूल्यों की आत्मा है।

विदेश मंत्री की विश्व नेताओं से बातचीत की, कहा- आतंकवाद पर समझौता नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनावपूर्ण हालात के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर आज सक्रिय रूप से विश्व नेताओं के साथ संपर्क में हैं। भारत ने दोहराया है कि वह अपने कदमों में संयम बरत रहा है, लेकिन किसी भी प्रकार की उकसावे की कार्रवाई का कड़ा जवाब दिया जाएगा।यूरोपीय संघ की विदेश और सुरक्षा नीति प्रमुख काजा कैलास के साथ बातचीत में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, भारत ने अब तक संयमित और जिम्मेदार रुख अपनाया है। हालांकि, किसी भी तरह की वृद्धि का कड़ा जवाब मिलेगा। कैलास ने 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा कि 'आतंकवाद का कोई औचित्य नहीं हो सकता' और यूरोपीय संघ स्थिति को सामान्य करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करेगा।

इसके अलावा, जयशंकर ने इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी से भी बातचीत की। उन्होंने अपने समकक्ष

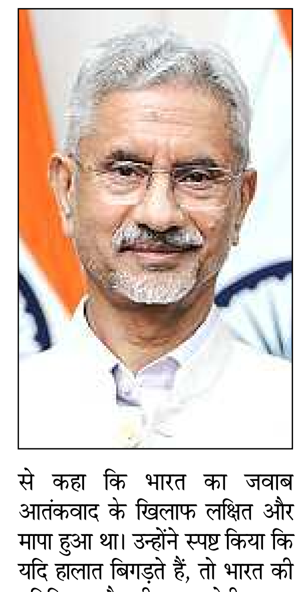

से कहा कि भारत का जवाब आतंकवाद के खिलाफ लक्षित और मापा हुआ था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि हालात बिगड़ते हैं, तो भारत की प्रतिक्रिया और भी सख्त होगी।

सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को पाकिस्तानी मिसाइलें मार गिराने की जानकारी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करके उन्हें देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान के मिसाइल हमले को विफल करने की जानकारी दी। पीएम मोदी को बताया गया कि रूस से मिली शक्तिशाली एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली का पहली बार उपयोग करके भारत पर हमला करने की कोशिश करने वाली पाकिस्तानी मिसाइलों को मार गिराया गया भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। पीएम मोदी और सेना प्रमुख की यह महत्वपूर्ण बैठक भारतीय रक्षा मंत्रालय की ओर से यह घोषणा किए जाने के कुछ घंटों बाद हुई है कि उसने देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान के मिसाइल हमले को विफल कर दिया है। सेना प्रमुख बैठक के लिए पीएम के आवास पर पहुंचे। उन्हें बताया गया कि 7-8 मई की रात पाकिस्तान ने उत्तरी और पश्चिमी भारत में स्थित कई सैन्य ठिकानों जैसे अवंतीपोरा,

श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नाल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री को जानकारी दी गई कि भारत ने मानवरहित विमान प्रणाली ग्रिड (यूएएस ग्रिड) और वायु रक्षा प्रणाली का उपयोग करके? भारत के कई शहरों पर हमला करने के प्रयास को विफल कर दिया। इन हमलों का मलबा कई स्थानों से बरामद हुआ, जो पाकिस्तानी हमलों का प्रमाण है। भारत ने शक्तिशाली एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली का उपयोग करके भारत पर हमला करने की कोशिश करने वाली पाकिस्तानी मिसाइलों को मार गिराया। आज सुबह भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को निशाना बनाया। भारत की प्रतिक्रिया भी पाकिस्तान की ही तरह उसी तीव्रता से रही है। इस दौरान लाहौर में एयर डिफेंस सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय ने आज ही एक बयान में कहा है कि पाकिस्तान ने एलओसी के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टरों में मोर्टार और भारी कैलिबर आर्टिलरी का उपयोग करते हुए नियंत्रण रेखा पर अपनी अकारण गोलीबारी की तीव्रता बढ़ा दी है। पाकिस्तानी गोलीबारी के कारण 16 निर्दोष लोगों की जान चली गई है, जिनमें 3 महिलाएं और 5 बच्चे शामिल हैं।

दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों की बढ़ाई गई सुरक्षा, लाल किला और कुतुब मीनार के बाहर अतिरिक्त बलों की तैनाती

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बाद देश भर में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा दिल्ली पुलिस ने बढ़ाई है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने लाल किला और कुतुब मीनार के पास सुरक्षा में इजाफा करते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। पुलिस के मुताबिक, एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है, और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, आमतौर पर ऐतिहासिक इमारतों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहती है, लेकिन बॉर्डर पर तनाव देखते हुए दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में भी सुरक्षा को और बढ़ाया गया है। बता दें कि दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं और इसी के चलते दिल्ली पुलिस की तरफ से एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया गया है।

भारतीय सेना के अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान सशस्त्र बलों ने 8 और 9 मई की मध्यरात्रि को पूरे पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों का उपयोग करके कई हमले किए। पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कई बार संघर्ष विराम उल्लंघन (सीएफवी) का भी सहारा लिया। भारतीय सेना ने एक बयान में कहा कि ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से खदेड़ दिया गया और सीएफवी को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। भारतीय सेना राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय सेना ने कहा कि सभी नापाक इरादों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा। भारत ने गुरुवार रात को जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कुछ अन्य स्थानों पर सैन्य स्टेशनों पर हमला करने की पाकिस्तानी सेना की कोशिश को नाकाम कर दिया। नई दिल्ली की जवाबी कार्रवाई में न केवल ड्रोन और मिसाइलें नष्ट हुईं, बल्कि इस्लामाबाद के एयरबॉर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम विमान को भी मार गिराया गया, जो पाकिस्तान की हवाई निगरानी और युद्धक्षेत्र समन्वय क्षमताओं के लिए एक बड़ा झटका है।

संक्षिप्त समाचार

मांडर, ब्राम्बे में गोली लगने से युवती के मौत के मामले के आरोपी ने किया कोर्ट में सरेंडर

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - ब्राम्बे गांव में 5 मई की रात को शादी समारोह में शामिल होने पहुंची अमिता खलखो 19 वर्ष की गोली लगने से मौत के मामले के आरोपी दीपक कुमार ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. मांडर पुलिस के अनुसार रातू के काटू लहना निवासी दीपक कुमार उर्फ दीपक गोप की गिरफ्तारी के लिए घटना के बाद से ही लगातार छापामारी की जा रही थी. जिससे दबाव में आकर उसने कोर्ट में सरेंडर किया है. अब आगे आवश्यक पूछताछ के लिए उसे शीघ्र ही रिमांड में लिया जाएगा!

चान्हो में 10 वीं की छात्रा से गैंगरेप

प्रेमी ने ही दोस्तों के साथ मिलकर दिया घटना को अंजाम

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - रांची जिले के चान्हो थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय 10वीं कक्षा की नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है. आरोप है कि छात्रा के प्रेमी ने ही अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ मिलकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है.पीड़िता ने प्राथमिकी दर्ज करायी है. इसके बाद चान्हो पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है. प्राथमिकी के अनुसार, घटना बुधवार रात की है. रात में छात्रा को उसके प्रेमी ने फोन कर मिलने के लिए अपने गांव बुलाया था. गांव जाने पर उसके प्रेमी ने सुनसान जगह पर ले जाकर पहले उसके साथ दुष्कर्म किया. उसके बाद उसने अपने तीन अन्य दोस्तों को भी वहां बुला लिया और उन्होंने भी उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया. बाद में वहां से किसी तरह पीड़िता अपने घर गयी और अपने साथ हुई घटना की जानकारी अपने परिवारवालों को दी. जिसके बाद परिजन पीड़िता को साथ लेकर गुरुवार को चान्हो थाना पहुंचे और प्राथमिकी करायी!

जागरूक रहें सुरक्षित रहें:रत्नेश सिंह सोलंकी

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज गुरुकृपा पब्लिक स्कूल,पिस्का मोड़,रांची में प्रशासन के निदेर्शानुसार मॉक ड्रिल के बारे मे विद्यार्थियों को बताया गया।इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया तथा किसी भी आपदा,संकट अथवा युद्ध की स्थिति का सामना करने की टिप्स बतलाई गई। सायरन बजने के दौरान बचाव की आवश्यक जानकारी दी गई।मौके पर विद्यालय के निदेशक रत्नेश सिंह सोलंकी ने कहा जागरूक रहें सुरक्षिक रहें।हमें खुद की सुरक्षा करते हुए हर परिस्थिति का सामना आत्मनिर्भर होकर एवं डटकर करना चाहिए वहीं विशिष्ठ अतिथि के रूप मे उपस्थित छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने कहा देश की रक्षा करना हमारा धर्म है।गलत अफवाह से बचें और प्रशासन के निदेर्शानुसार ही कोई भी कार्य करें।आज के मॉक ड्रील प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में निशा शाहदेव,पायल चक्रवर्ती,अंकिता डे सरकार,काव्या पांडे आदि आदि शिक्षिकाओं ने अहम भूमिका निभाई।

ड्राईजोन में संजीवनी बनी टैंकर पंचायतों में टैंकर से उपलब्ध कराया जा रहा पानी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ गांवों में पेयजलापूर्ति की समस्या को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर टैंकर की खरीदारी की गई है तथा पेयजल की दिक्कत ग्रामीणों में न हो इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। जिस गांव में चापानल या पानी टंकी में जलस्तर कम हो गया है वैसे जगहों पर टैंकर का पानी संजीवनी बनी हुई है। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के पुसरभीटा गांव, पतरापाड़ा गांव, उदलबनी गांव, महेशपुर प्रखंड के भेटाटोला, पाकुड़िया प्रखंड के बनियापसार पंचायत सहित अन्य ग्रामों में ग्रामीणों को टैंकर के माध्यम से जरूरतमंद को पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखी जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने बताया कि उपायुक्त के आदेशानुसार 15 वें वित्त आयोग योजना से जिला प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों में टैंकर उपलब्ध है। किसी भी पंचायत या ग्राम के ग्रामीणों को पेयजलापूर्ति के लिए ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव या मुखिया से सम्पर्क करें, पेयजल उपलब्ध कराई जायगी।

उपमुखिया के बेटे ने बढ़ाया गाँव का मान, राजमिस्त्री पिता का सपना हुआ साकार

रबीन्द्र कुमार पाण्डेय, केरेडारी (हजारीबाग)

केरेडारी प्रखंड के गरीकला पंचायत के उपमुखिया कौशल महतो के घर खुशियों की लहर दौड़ गई है। उनके पुत्र सत्यम कुमार निराला ने झारखंड औद्योगिक प्रशिक्षण इंस्ट्रक्टर परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर गाँव और परिवार का नाम रोशन किया है। उनका चयन झारखंड सरकार द्वारा संचालित आईटीआई रामगढ़ में वेल्डर विभाग के प्रशिक्षण अधिकारी (इंस्ट्रक्टर) के पद पर हुआ है। सत्यम के पिता कौशल महतो वर्षों से राजमिस्त्री का काम कर परिवार का भरण-पोषण करते रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने बेटे की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। सत्यम ने पिता के संघर्ष को प्रेरणा बनाकर कठोर परिश्रम किया और आज गाँव के युवाओं के लिए मिसाल बन गए हैं। इस उपलब्धि से पूरे गाँव में हर्ष का माहौल है। ग्रामीणों ने मिठाइयाँ बाँटी और एक-दूसरे को बधाई दी। गाँव के बुजुर्गों का कहना है कि सत्यम की सफलता यह साबित करती है कि लगन, मेहनत और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। सत्यम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को देते हुए कहा, ह्लमेरे पिता ने जीवनभर मेहनत की, उनका सपना था कि मैं कुछ बनूँ। आज जो भी हूँ, उन्हीं की बदौलत हूँ। सत्यम की यह सफलता गाँव के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। यह संदेश देती है कि अगर संकल्प मजबूत हो तो गाँव का कोई भी बेटा-बहू किसी भी ऊँचाई को छू सकता है।

रेलवेमेंस फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी ने कहा, जंग के दौरान हर परिस्थिति से निपटने के लिए रेलवेमैन हैं तैयार

संकट के समय में रेलकर्मियों को सिर्फ देश दिखता है

हर कुबार्नी के लिए तैयार हैं रेलवेमैन

नई दिल्ली: देश की जीवन रेखा रेलवे आम दिनों में यात्रियों की सुविधा के लिए काम करता है । लेकिन जरूरत पड़े तो देश की सुरक्षा और आपातकालिन स्थिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में पीछे नहीं हटता है । ऑल इंडिया रेलवेमेंस फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी शिव गोपाल मिश्रा ने कहा कि रेलवे हमारे देश में सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस है। रेलवेमैन ने हमेशा अपने आपको ऐसी परिस्थितियों में साबित किया है। 1962 में जब चीन ने आक्रमण किया और उसकी फौज काफी अंदर आ गई थी तब पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के लुमडिंग डिविजन के कर्मचारियों ने अभूतपूर्व साहस का परिचय दिया था। बॉर्डर पर जरूरी सामान लेकर गई ट्रेन वहां बॉर्डर पर फंस गई तो उस समय उसके स्टेशन मास्टर से कहा गया कि सभी लोग भाग गए हैं।दूसरे लोग चले गए हैं, फौज पीछे हट गई है, आप क्यों नहीं जा रहे हैं।

तब उन्होंने कहा था कि हमारा साथी ट्रेन लेकर बॉर्डर पर गया है। जब वापस आएगा तभी हम जा सकते हैं, नहीं तो नहीं जा सकते हैं। इसी तरह सन 1965 में जब पाकिस्तान के साथ युद्ध हुआ तो गधरा रोड में हमारे जो ट्रैकमैन थे, उनपर पाकिस्तानी सेना ने बमबारी कर दी थी। उस बमबारी में सारी पटरियां क्षतिग्रस्त हो गई थीं। लेकिन कम पर जुटे गैंगमैन पीछे नहीं हटे। उस बमबारी के बीच हमारे लोगों ने पटरियां ठीक की और गोला-बारूद बॉर्डर पर पहुंचाने का काम किया। यही हालत अमृतसर के बॉर्डर औ बाघा बॉर्डर पर हुआ। रेलवेमैन ऐसी परिस्थितियों में रात-दिन काम करने के लिए जाने जाते हैं। आज की जो परिस्थिति है उसमें रेलवेमैन अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तैयार हैं। हम काम के घंटे नहीं देखेंगे, कोई ओवरटाइम नहीं मांगेंगे। हमें ऐसे समय में सिर्फ देश दिखता है। हम बार्डर तक गोला-बारूद और रसद पहुंचाएंगे। जो भी जरूरत होगी उसे पहुंचाएंगे। आने वाले समय में जो भी कुबार्नी देनी होगी, रेलवेमैन सबसे आगे आकर कुबार्नी देंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जमाने में एक ऑपरेशन चला था। उस समय 24 घंटे के अंदर हमने सारे देश से तमाम फौजियों को, गोला-बारूद और रसद को पहुंचाने का काम किया था। रेलवे का हर कर्मचारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णय के साथ है। आतंकी और उन्हें पनाह देने वाले उनके आकाओं के खात्मे के लिए जो भी मदद की जरूरत होगी, रेलवेमैन हमेशा उसके लिए तत्पर होकर आगे खड़े रहेंगे।

डीसी ने नगर परिषद कार्यालय में नगर परिषद द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक की

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने नगर परिषद कार्यालय में नगर परिषद अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त ने नगर परिषद क्षेत्र में कार्यरत सभी कनीय अभियंता, सहायक अभियंता एवं अन्य कर्मियों से मुलाकात की एवं उनके कार्यक्षेत्र की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, शहरी क्षेत्र, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन तथा स्वच्छ भारत मिशन, 15 वे वित आयोग, शहरी जलापूर्ति, होल्डिंग टैक्स आदि की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान परिषद क्षेत्र में सफाई, स्ट्रीट लाइट,पेयजल समस्या एवं अन्य नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु उपायुक्त ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए एवं नागरिकों को उचित रिस्पॉन्स दिया जाए। नगर परिषद क्षेत्र की बंदोबस्ती एवं राजस्व संग्रहण की जानकारी ली, नगर परिषद को राजस्व बढ़ाने का निर्देश दिया।उन्होंने नगर परिषद क्षेत्र में सफाई, पेयजल आपूर्ति, बिजली एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की नियमित जांच एवं त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उपायुक्त ने नगर परिषद, प्रशासक को निर्देशित किया कि सभी कर्मियों के कार्यों की गहन समीक्षा करें एवं अधिकारियों सहित सभी कर्मी भी नियमित रूप से फील्ड विजिट करें एवं शहरी क्षेत्र के समस्याओं को स्वयं जाकर देखे एवं उन समस्याओं का निवारण करें। पुराने दुकानों का नया दर 1200 रुपया निर्धारित है। सख्त कार्रवाई करते हुए दुकान का बकाया भाड़ा वसूल करना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। शहरी जलापूर्ति योजना के तहत शहर के लोगों को निर्बाध रूप से पानी मिले इसे सुनिश्चित करें। इस दौरान मुख्य रूप से नगर परिषद, प्रशासक अमरेन्द्र कुमार चौधरी, सीटी मैनेजर मृत्युंजय पांडे, सिटी मिशन मैनेजर मनीष कुमार मिश्रा, सहायक अभियंता पीयूष कुमार, सभी कनीय अभियंता, प्रधान सहायक जय बर्मन सहित एवं कर्मी मौजूद रहें।

केंद्रीय टीम ने कालाजार प्रभावित गांवों का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ कालाजार उन्मूलन के लिए केंद्रीय टीम द्वारा पाकुड़ जिले के कालाजार प्रभावित गांव का निरीक्षण किया गया। तीन दिवसीय दौरे पर आयी टीम द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड के बड़ा कुटलो गांव और अमड़ापाड़ा प्रखंड के बदाहा गांव का निरीक्षण किया जहां से संतोषजनक परिणाम प्राप्त हुए। आईआरएस गतिविधियां प्रभावी ढ़ंग से क्रियान्वित पाई गई और रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार देखा गया जो मजबूत स्वास्थ्य सेवा समर्थन को दशार्ता है। लिट्टीपाड़ा प्रखंड में टीम ने सामुदायिक भागीदारी को भी बढ़ावा दिया। जहां कालाजार रोगियों के बीच पोषण कीट का वितरण किया गया ताकि उनकी रोक प्रतिरोधक क्षमता और स्वास्थ्य में सुधार हो सके। इसके अलावा कालाजार चैंपियन- जो समुदाय स्वास्थ्य कार्यकर्ता है और बीमारी नियंत्रण में अहम भूमिका निभा रहे हैं उनको टी शर्ट, टोपी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही कालाजार के मरीजों से मुलाकात कर आवश्यक जानकारी दी गई तथा फीडबैक लिया गया। टीम के अधिकारियों ने बताया कि यह दौरा प्रशासन की कालाजार उन्मूलन के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है और इसमें समुदाय की सक्रिय भागीदारी तथा फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों की समर्पित भूमिका को प्रमुख माना है।आगे की कार्य योजना के तहत राष्ट्रीय और राज्य स्तर की टीमों ने जिला और प्रखंड स्तर पर रोगियों की चिकित्सा देखभाल, वेक्टर निगरानी, आईआरएस की गुणवत्ता में सुधार और पोषण एवं जागरूकता कार्यक्रमों के विस्तार की सराहना की। उन्होंने कहा कि झारखंड के कुछ जिलों में अभी भी कालाजार एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है, लेकिन पाकुड़ जैसे जिलों में तेजी से हो रहे प्रयास राज्य को कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य के करीब ला रहे हैं। निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक, एनवीबीडी-सीपी, केंद्रीय टीम डॉक्टर छवि पंत जोशी, राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर राजत रंजन, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, भीबीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ कौशलेश कुमार सिंह, डब्ल्यूएचओ की राज्य और जोनल टीम, राज्य और जिला पिरामल टीम, राज्य कालाजार सलाहकार सहित अन्य मौजूद रहे.

जंतर-मंतर से निकली 'जय हिन्द यात्रा' यात्रा में शामिल हुए देवघर के सुशोभित झा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके जवाब में जारी भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में कांग्रेस द्वारा नयी दिल्ली के जंतर-मंतर से निकाली गई 'जय हिन्द यात्रा' में देवघर के कांग्रेस नेता सुशोभित झा ने हिस्सा लिया। यह यात्रा आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और सेना के साहस को सलाम करने के उद्देश्य से निकाली गई थी। दिल्ली में यह यात्रा शाम 4 बजे से जंतर-मंतर से निकाली गई। इस यात्रा में कांग्रेस के कई प्रमुख नेताओं जिनमें से सचिन पायलट, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन, पवन खेड़ा, देवेंद्र यादव, सौरभ शुक्ला अनिल चौधरी, हारून यूसुफ, संदीप दीक्षित, रागिनी नायक और काजी निजामुद्दीन सहित हजारों लोग शामिल हुए। कांग्रेस नेता सुशोभित झा ने कहा कि यह यात्रा आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्र की एकजुटता का प्रतीक है और जनता के बीच यह संदेश है कि इस कठिन घड़ी में पूरा देश सेना के साथ खड़ा है।जय हिंद यात्राह्न के जरिए कांग्रेसियों ने देश के नागरिकों से शांति, एकता और राष्ट्रहित में संयम बनाए रखने की अपील की।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में जमीन से संबंधित, भू अर्जन से संबंधित एवं रोजगार आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

देवघर पुलिस के द्वारा अभी तक का सबसे बड़ा ब्लड डोनेशन ऑन व्हील्स अभियान के तहत 208 यूनिट रक्तदान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

ब्लड डोनेशन ऑन व्हील्स अभियान के अंतर्गत देवघर जिला पुलिस द्वारा एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें देवघर अनुमंडल व सारठ अनुमंडल पुलिस बल ने ऐतिहासिक 208 यूनिट रक्तदान कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह शिविर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारठ एवं देवघर ब्लड बैंक में आयोजित हुआ। शिविर का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक एवं रेडक्रॉस उपाध्यक्ष अजीत पीटर डुंगडुंग, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह व अन्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। एसपी ने रक्तदान को मानवता का प्रतीक बताते हुए बताया कि देवघर जिले में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को नियमित रक्त की आवश्यकता होती है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह शिविर आयोजित किया गया। इस पुनीत कार्य में 208 पुलिसकर्मी एवं युवाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। रेडक्रॉस देवघर ने सफल आयोजन के लिए देवघर पुलिस परिवार व सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। आगामी 11 मई को मधुपुर अनुमंडल में भी रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में जमीन से संबंधित, भू अर्जन से संबंधित एवं रोजगार आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

चतरा के जमुनीटांढ़ में इसी एल और श्रील फाउंडेशन के सौजन्य से लगा मेगा हेल्थ कैम्प, 173 ग्रामीणों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर. आज ईस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, चितरा, झारखंड के चितरा पंचायत के उ. प्राथमिक विद्यालय, जमुनीटांढ़, दमगढ़ा में नियमित सामाजिक दायित्व सीएसआर के तहत मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन इसीएल , चितरा के सौजन्य से श्रील फाउंडेशन, देवघर के द्वारा किया गया।उल्लेखनीय है कि कैंप के अंतर्गत चार प्रकार की निःशुल्क जांच एवं दवा वितरण की व्यवस्था की गई, जिसमें स्त्री एवं प्रसूति रोग, जनरल फिजिशियन, दंत रोग एवं नेत्र जांच शामिल है। चिकित्सक क्रमशः डॉक्टर प्रियंका, डॉक्टर राजन यू खान, डॉ प्रज्ज्वल कुमार एवं निशा कुमारी के टीम के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में एकल इसीएल के अधिकारी संतोष पधान, एपीएम एवं निशांत राय सीएसआर अधिकारी, चितरा की उपस्थिति रही। कैंप में स्वास्थ्य लाभ

संक्षिप्त समाचार

दोनों पैर गंवाने के बाद युवा के जिंदगी में मसीहा बनकर आए अजहर

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः जिंदगी खत्म सी लग रही थी... लेकिन किसी ने उम्मीद बनकर साथ दिया।₹ ये शब्द हैं सीतापहाड़ी पंचायत के टुटूल खान के, जो छह साल पहले एक हादसे का शिकार हुए थे। घर पर कांग्रेस का झंडा लगाते वक्त वे बिजली के तार की चपेट में आ गए। करंट इतना जबरदस्त था कि उनके दोनों पैर काटने पड़े। परिवार टूट चुका था। न नौकरी रही, न हिम्मत बची। ऐसे वक्त में आगे आए समाजसेवी और पूर्व एनडीए प्रत्याशी अजहर इस्लाम। उन्होंने न सिर्फ टुटूल खान का साप्ताहिक खर्च उठाया, बल्कि चुनाव खत्म होने के बाद उन्हें राजस्थान भेजकर अपने निजी खर्च पर कृत्रिम पैर लगवाए। आज टुटूल फिर से चलने लगे हैं, जीवन में उम्मीद लौटी है। अब टुटूल अपने दम पर खड़े हैं और धीरे-धीरे सामान्य जीवन की ओर लौट रहे हैं। ये सिर्फ मदद नहीं, इंसानियत की एक मिसाल है। अजहर इस्लाम बोलेः₹जो भी कर सका, वो इंसान होने के नाते किया। कोई भी अकेला न महसूस करे, यही मेरी कोशिश रहती है।

सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइकः पाकिस्तान के लिए चेतावनी, भारत की एकता का प्रतीक

देवघर। भारत सरकार और भारतीय सेना की ओर से किया गया सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइक देश की सुरक्षा और रणनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस सर्जिकल स्ट्राइक को भारत की सैन्य शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और यह पाकिस्तान के लिए स्पष्ट चेतावनी भी है। इस मुद्दे पर बात करते हुए, देवघर के कांग्रेस के युवा नेता प्रियांशु सिंह ने इस सर्जिकल स्ट्राइक का पुरजोर समर्थन किया और इसे भारत की एकता और ताकत का प्रतीक बताया। प्रियांशु सिंह ने कहा, हम इसे सिर्फ एक सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि भारत सरकार और इंडियन सेना की एक मजबूत योजना के रूप में देखते हैं। इस सर्जिकल स्ट्राइक से पाकिस्तान को यह संदेश गया है कि भारत अपनी सुरक्षा से कभी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा, पूरा भारत एकजुट था, एकजुट है और हमेशा एकजुट रहेगा। इस सर्जिकल स्ट्राइक ने हमारी सामूहिक शक्ति और संकल्प को और मजबूत किया है। सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइक न केवल पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की साहसिक कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है, बल्कि यह भारत के अडिग और मजबूती से खड़े होने के प्रतीक के रूप में भी प्रतिष्ठित हो चुका है।

सीएस ने रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष से किया पत्राचार

नए सदर अस्पताल स्थित रक्त अधिकोष भवन को दो दिनों के अंदर खाली करने का निर्देश

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-सिविल सर्जन जुगल किशोर चौधरी ने रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन को एक आवेदन प्रेषित कर निर्देशित किया है कि नए सदर अस्पताल परिसर स्थित रक्त अधिकोष भवन को दो दिनों के अंदर खाली किया जाए। इस बावत कमरे के दरवाजे में एक सूचना भी चिपकाया गया है।वहीं जिला के उपायुक्त द्वारा भेजे गए पत्र के आलोक में कहा गया है कि नए अस्पताल स्थित निर्मित नई रक्त अधिकोष भवन जिसमें रेड क्रॉस सोसायटी कार्यालय संचालित है को खाली करना है।सीएस को मिले प्राप्त निर्देश के आलोक में निर्देशित है कि दो दिनों के अंदर उक्त भवन को खाली कर अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।साथ ही पूर्व में संस्था को उपलब्ध करवाये गए फर्नीचर आदि को भी हस्तानांतरण करना सुनिश्चित करेंगे।वहीं सूत्रों की मानें तो वर्तमान में पुराने सदर अस्पताल के रक्त अधिकोष को नए सदर अस्पताल में शिफ्ट करने की प्रक्रिया चल रही है।नए सदर अस्पताल स्थित रेड क्रॉस के भवन में कार्यालय के उपयोग के साथ साथ रक्तदान करवाया जाता था।प्राप्त जानकारी के अनुसार नए सदर अस्पताल में इलाजरत मरीज के परिजनों को टावर चौक स्थित पुराने सदर अस्पताल स्थित रक्त अधिकोष से दूरी के कारण रक्त लाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, खासकर रात्रि के समय समस्या ज्यादा उत्पन्न हो रही थी,इन सभी चीजों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

दूरमट्ठा गांव में विश्व कल्याण हेतु महारुद्र यज्ञ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

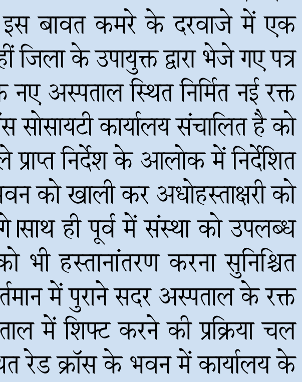

तारापुर अनुमंडल के दूरमट्ठा गांव में चल रहे श्री श्री 1008 विश्व कल्याण महारुद्र सह अखंड रामधुन में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर लोग विधिवत पूजा कर रहे हैं। वैदिक मंत्रों की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो गया है। रात्रि में प्रवचन का आयोजन हो रहा है। कथा वाचन के लिए वृंदावन से 10 वर्षीय बाल व्यास देवी अंशिका पहुंची हैं। उनके श्रीमुख से राम कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो रहे हैं। यज्ञ में पंडित सुनील झा सहित 16 पंडित आहुति दे रहे हैं। श्रद्धालु विशाल भंडारे में महाप्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। यज्ञ समिति के अध्यक्ष हीरालाल कापरी ने बताया कि यज्ञ से विश्व का कल्याण होता है। इसलिए समय-समय पर महायज्ञ जरूरी है। श्रद्धालुओं के लिए 111 देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। मनोरंजन के लिए टॉवर झूला, नौका झूला, मिक्की माउस, गन शूटिंग और मीना बाजार लगाया गया है। यज्ञ 11 मई को हवन पूजन और विशाल भंडारे के साथ संपन्न होगा।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025: ट्रैक साइक्लिंग में बिहार की बेटियों ने दिखाया दमखम, ओवरऑल चैंपियनशिप में प्राप्त किया तीसरा स्थान

समापन पर मुख्यातिथि रेजीडेंट कमिश्नर बिहार सरकार श्री कुंदन कुमार ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

नई दिल्ली,। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के अंतर्गत इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, दिल्ली में ट्रैक साइक्लिंग स्पधाओं का शानदार समापन हुआ। ट्रैक पर रफ्तार और जोश की इस जंग में झारखंड की लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने परचम लहराया। बिहार की लड़कियों ने भी कड़ी टक्कर दी और तीसरा स्थान हासिल करने में सफल रहीं। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बिहार के रेजीडेंट कमिश्नर श्री कुंदन कुमार(आईएएस) और मध्यप्रदेश सरकार के सचिव श्री जॉन किंग्सले(आईएएस) उपस्थित रहे। दोनों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया और सभी राज्यों के प्रतिभागियों को उनके समर्पण व प्रदर्शन के लिए बधाई दी। रेजीडेंट कमिश्नर श्री कुंदन कुमार ने बिहार की गर्ल्स साइक्लिस्ट से भी मुलाकात की और बिहार का नाम रोशन करने के लिए उन्हें बधाई दी। जबकि इस दौरान स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के आईजी स्टेडियम एडमिनिस्ट्रेटर श्री अतुल कुमार सिंह, ज्वाइंट एडमिनिस्ट्रेटर श्री विजय भट्ट, लेबर कमिश्नर बिहार सरकार एवं उअड बिहार भवन श्री कुमार दिग्विजय, अफ्छ बिहार भवन श्री शम्स अफरोज और उपनिदेशक सूचना एवं जनसंपर्क श्री दिनेश कुमार भी मौजूद रहे।

लड़कियों की श्रेणी में झारखंड ने 2 गोल्ड और 1 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 16 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। इस जीत में सबसे अहम योगदान टीम स्प्रिंट इवेंट में आए 1 गोल्ड मेडल का रहा, जिससे टीम को सीधे 10 अंक प्राप्त हुए। राजस्थान ने 3 गोल्ड मेडल हासिल कर 15 अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं बिहार ने 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के जरिए 10 अंक जुटाकर तीसरी पायदान पर जगह बनाई। तीसरा स्थान प्राप्त करने में अहम योगदान टीम स्प्रिंट में आए 1 सिल्वर मेडल का रहा। जिससे बिहार टीम को 6 अंक प्राप्त हुए थे ।

लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने अपना दबदबा कायम रखते हुए 3 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 19 अंक अर्जित कर पहला स्थान प्राप्त किया। झारखंड ने 1 गोल्ड और 2 सिल्वर के साथ 14 अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल किया। झारखंड की टीम स्प्रिंट में आई जीत निर्णायक रही। जिस वजह से वह महाराष्ट्र को पछाड़ने में सफल रहा। महाराष्ट्र ने 2 गोल्ड और 1 सिल्वर के बल पर 13 अंक के साथ तीसरा स्थान पाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान ट्रैक पर खिलाड़ियों की रफ्तार के साथ-साथ दर्शकों का जोश भी चरम पर रहा। हर रेस, हर मोड़ पर तालियों की गूंज ने माहौल को और जीवंत बना दिया। आयोजकों की माने तो ट्रैक साइक्लिंग में इस बार रिकॉर्ड संख्या में राज्य और खिलाड़ियों ने भाग लिया, जो खेलो इंडिया की सफलता और विस्तार का प्रमाण है।

30 वें दिन देवघर में यात्री बसों की हड़ताल खत्म

विधायक ने डीटीओ और बस एसोसिएशन के साथ वार्ता के बाद हड़ताल खत्म करवाया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। शहर के पुराना मीना बाजार स्थित बस स्टैंड को बंद कर बाघमारा आईएसबीटी में शिफ्ट करने के विरोध में बस ऑनर एसोसिएशन की हड़ताल 30 वें दिन शुक्रवार को खत्म हो गई। स्थानीय विधायक सुरेश पासवान की पहल पर डीटीओ ने बस ओनर एसोसिएशन के साथ बैठक कर हड़ताल खत्म करने की घोषणा की। अब नियमित रूप से देवघर समेत अन्य रुटों पर यात्री बसों का परिचालन हो सकेगा। बस स्टेशन के अध्यक्ष दिनेशानंद झा ने बताया कि उन लोगों ने दो स्थानों पर स्टॉपेज की मांग की है, जिस पर रविवार को डीसी से मिलकर निर्णय लिया जाएगा। वैसे बसों की हड़ताल खत्म हो गई है। विधायक सुरेश पासवान ने बताया कि जनहित को देखते हुए उन्होंने हड़ताल खत्म करने के लिए बस एसोसिएशन से वार्ता की। एसोसिएशन ने उनकी बात को माना और हड़ताल खत्म करने पर राजी हुए। 10 अप्रैल से पुराना मीना बाजार के बस स्टैंड को बंद कर बाघमारा आईएसबीटी में शिफ्ट किया गया है और उसी दिन से बस मालिक भी हड़ताल पर चले गए थे। इस कारण रोजाना करीब 20 हजार यात्री और श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही थी। बासुकीनाथ जाने के लिए श्रद्धालुओं को टेंपो और ई रिक्शा में दोगुना और तिगुना किराया देना पड़ रहा था क्योंकि हड़ताल के कारण उस रूट पर एक भी बस नहीं चल रही थी। हड़ताल के कारण प्राइवेट बस स्टैंड से खुलने और पहुंचने वाली करीब 150 बसों का परिचालन अनिश्चितकाल के लिए ठप था। दुमका, गोड्डा, भागलपुर, मधुपुर ,गिरिडीह रांची, पटना आदि शहरों से देवघर के लिए डेली बस सर्विस है, लेकिन हड़ताल के कारण बसों के पहिए थम गए थे। जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही थी। एसोसिएशन का कहना है कि बाघमारा आईएसबीटी शहर से दूर है, इसीलिए यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। अलबत्ता बस स्टैंड को यथावत रखा जाए।

तारापुर के कल्याणपुर पुरानी सकरी नदी में मिला महिला का गला सड़ा शव

परिजनों ने मृतका के कपड़ा से किया पहचान

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

हरपुर थाना क्षेत्र के अफजलनगर पंचायत अंतर्गत कल्याणपुर गांव स्थित पुरानी सकरी नदी से गुरुवार की सुबह एक महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की पहचान टेटियाबंबर थाना क्षेत्र के टेटिया गांव स्थित कुशवाहा टोला निवासी पंकज कुमार की 40 वर्षीय पत्नी अरूणा देवी के रूप में की गई है।मृतका की पहचान उसकी बेटी प्रियम कुमारी बेटा श्याम कुमार ने नदी के बांध पर पड़े कपड़ों के आधार पर की। परिजनों ने आरोप लगाया है कि अरूणा देवी की हत्या गांव के ही कुछ लोगों ने रंजिश से की है और साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को नदी में फेंक दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही हरपुर थानाध्यक्ष सोनू कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है। शव की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से महिला की मौत के करणों का पता चल पायेगा। पुलिस पीड़ित परिजनों के द्वारा आवेदन देने पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेगी। थानाध्यक्ष ने कहा कि नामजद आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य जुटाकर कानूनी

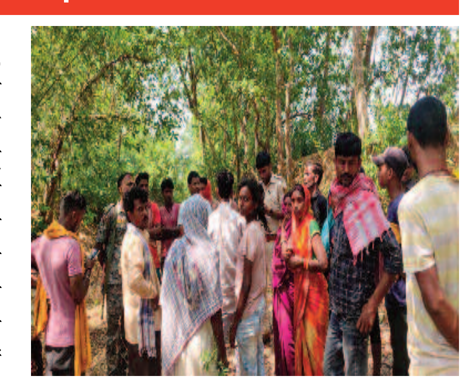

कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।मृतका तारापुर थाना क्षेत्र के धनपुरा गांव के रहने वाले स्व. बेरासी सिंह की बेटी थी। जिसकी शादी टेटिया गांव के कुशवाहा टोला निवासी पंकज कुमार के साथ की गई थी। हरपुर थाना के समीप मौजूद मायके वालों की मानें तो अरूणा देवी 04 मई की संध्या से ही अपने गांव टेटिया से लापता थी। इसके लापता होने की सूचना परिजनों ने टेटियाबंबर थाना को लिखित रूप से दिया था। मृतका अपने पिछे पति पंकज कुमार,तीन पुत्री एक पुत्र को छोड़ गई है। दो पुत्री की शादी हो चुकी है।

आसा पार्टी के नेताओं ने दिवंगत जदयू नेता को देश श्रद्धांजलि

प्रीतम सिंह ने कहा - पिता की तरह राजनीति में आगे बढ़ाने के लिए हर संभव राह दिखाते थे ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह

दिव्य दिनकर पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश सलाहकार समिति सदस्य सह जिला क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह के शोकाकुल परिवार से मुलाकात करने के लिए शुक्रवार को गुरुद्वारा रोड केशोपुर स्थित उनके आवास पर पहुंचे आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह पटेल ने ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह को अपना राजनीतिक गुरु बताते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। आसा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह पटेल सहित राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता संजय केसरी, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार राय तथा मुंगेर जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने दिवंगत जदयू नेता बटेश्वर सिंह के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। प्रीतम सिंह तथा आशा पार्टी के नेताओं ने शोकाकुल परिवार को हर संभव सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिलाया। प्रीतम सिंह ने आगे कहा कि ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह ने अपने जीवन के लगभग 60 वर्ष से अधिक समय समाज सेवा तथा राजनीति के लिए समर्पित कर दिया था। उनके राजनीतिक सूझबूझ के आगे बड़े-बड़े नेता पनाह मांगते थे। उन्होंने कहा कि एक पिता की तरह राजनीति में ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह सदर उन्हें मार्गदर्शन देते थे। तथा एक गुरु के समान सामाजिक और राजनीतिक चेतना जागृत करने की दिशा में शिक्षा भी देते थे। राष्ट्रीय महासचिव संजय केसरी, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार राय तथा मुंगेर जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाले ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह समता पार्टी के स्थापना काल में वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जॉर्ज फर्नांडिस तथा शरद यादव जैसे दिग्गज नेताओं के साथ राजनीति कर अपनी पहचान बनाई है। लेकिन वर्तमान सरकार तथा जनता दल यूनाइटेड ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह को उनके योगदानों के मुताबिक सम्मान नहीं दे रही है। यदि राज्य सरकार तथा जदयू पार्टी ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह जैसे जदयू के कद्दावर नेता रहे ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह को मरणोपरांत सम्मान नहीं देती है तो आसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह के हाथों उन्हें मरणोपरांत सम्मान दिलाया जाएगा। तथा उनके परिवार से यदि कोई उनके राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए इच्छा जाता आएगा तो उन्हें पार्टी में उचित सम्मान दिया जाएगा। यही उनकी ओर से अपने राजनीतिक गुरु ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह को उनकी ओर से सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

डीएम साहब ! मदरिया नदी की सरकारी जमीन पर भू -माफियाओं की गुंडागर्दी पर आखिर कब लगेगा लगाम

तूल पकड़ने लगा मदरिया नदी के सरकारी जमीन घेराबंदी का मामला ,कसता जा रहा 'घेराबंदी' का शिकंजा, गोलबंद होने लगे किसान और ग्रामीण

रंजीत विद्यार्थी /आशीष कश्यप

धरहरा (मुंगेर): मुंगेर जिले के नक्सल प्रभावित धरहरा प्रखंड अंतर्गत बंगलवा पंचायत के सुमेरी पथरी मौजा में मदरिया नदी को लेकर जमीन पर जंग छिड़ चुकी है। एक ओर किसान हैं, जिनकी फसलों और मवेशियों का जीवन इसी नदी पर निर्भर है,वही दूसरी ओर भू-माफिया, जो इस सरकारी नदी को घेराबंदी कर कब्जा जमाने पर आमादा हैं। जानकारी के मुताबिक, हाल ही में दर्जनों गांवों के सैकड़ों किसानों ने डीएम को आवेदन देकर गुहार लगाई है कि पहाड़ी जलस्रोत से बहने वाली मदरिया नदी की घेराबंदी पर तत्काल रोक लगाई जाए। लेकिन विरोध के बावजूद भू-माफिया ने अपने काम की रफ्तार और तेज कर दी है. जिला प्रशासन ने बाउंड्री वॉल काम पर रोक लगा दिया था, जो फिर से चालू हो गया है. यूं कहें कि भू - माफिया जिला प्रशासन द्वारा कार्य बंद कराए जाने के बाद भी कार्य को तेजी से करा जिला प्रशासन को खुलेआम चुनौती दे रहे है. किसानो की पुकारः मदरिया नदी नहीं, जीवन की धारा है. किसानों का साफ कहना है कि मदरिया नदी उनके खेतों की सिंचाई का एक मात्र सहारा है। यदि इसे बंद कर दिया गया, तो दर्जनो गांवों के सैकड़ों किसान जल संकट में डूब जाएंगे। फसलें सूख जाएंगी, मवेशी प्यासे मरेंगे और गांवों में हाहाकार मच जाएगा।

बोले, धरहरा के जनप्रतिनिधि

नक्सल प्रभावित धरहरा प्रखंड के बंगलवा पंचायत की मुखिया करमी देवी , समाजसेवी परमानंद माझी , पूर्व प्रखंड प्रमुख सह बंगलवा की पंचायत समिति सदस्य फुला देवी ने कहा कि लकड़कोला स्थित सुमेरी पथरी मौजा मे मदरिया नदी को भी भू मालिको द्वारा घेरा जाना निंदनीय है , इस धरोहर को बचाने के लिए जिला प्रशासन को आगे आने की आवश्यकता है, ताकि सरकारी गैर मजरूआ जमीन के साथ ही मदरिया नदी सुरक्षित रह सके ।

वन विभाग और प्रशासन भी हरकत में

मामला जब तूल पकड़ने लगा, तो वन विभाग भी सक्रिय हुआ। विभाग ने संबंधित भूमि मालिक को पहाड़ी किनारे की जा रही घेराबंदी पर रोक लगाने का आदेश दे दिया है। वहीं, अंचल कार्यालय से राजस्व कर्मचारी सीताराम मधुर ने स्थल निरीक्षण कर घोषणा की है कि जल्द ही नदी की पैमाइश कर वस्तुस्थिति स्पष्ट की जाएगी। डीसीएलआर मुंगेर, अन्नु कुमार ने भी भरोसा दिलाया है कि जमीन की जांच करवाई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई होगी। अंचलाधिकारी बीरेन्द्र कुमार ने भी छुट्टी के बाद जब ग्रामीणो द्वारा दिए गऐ आवेदन के आधार पर जमीन की पैमाईश कराकर वस्तु स्थिति से अवगत होने की बात कही । क्या प्रशासन वाकई नींद से जागा है, या यह महज औपचारिकता है? अब देखना यह है कि प्रशासनिक जांच कितनी निष्पक्ष और तेज होती है। क्या भू-माफिया की पकड़ टूटेगी? या फिर मदरिया नदी भी धीरे-धीरे सूखती सरकारी संपत्ति की एक और मिसाल बन जाएगी ।

कुशल युवा कार्यक्रम का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

संग्रामपुर प्रखंड क्षेत्र के बढ़ौनियाँ गांव में राजकुमार एवं लाल जी उच्च विद्यालय, बढ़ौनियाँ में DRCC मुंगेर की टीम द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जागरूकता एवं काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना एवं कुशल युवा कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी छात्रों को दी गई। इन योजनाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त करने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं डिजिटल दक्षता को मजबूत करने पर बल दिया गया।कार्यक्रम में उपस्थित उफ्छउ मैनेजर सुनीरा प्रसाद ने छात्रों को इन योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार की इन महत्वाकांक्षी योजनाओं का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है।साथ ही इस अवसर पर निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे SVEEP (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम) के अंतर्गत लोकतंत्र की महत्ता, मतदान की प्रक्रिया एवं मतदाता सूची में नाम जोड़ने की जानकारी दी गई।नवीन मतदाताओं को शपथ दिलाई गई कि वे किसी भी दबाव या प्रलोभन में आए बिना निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे और लोकतंत्र को मजबूत बनाएंगे। कार्यक्रम में BDO, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, BLO, स्थानीय मतदाता तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम ने जहां छात्रों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, वहीं उन्हें जागरूक मतदाता बनने की प्रेरणा भी दी।

संक्षिप्त समाचार

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में प्रधान सहायकों की मासिक बैठक आयोजित की गई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में प्रधान सहायकों की मासिक बैठक आयोजित की गई। जिसमें उनके कार्यो की समीक्षा की गई तथा दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक में जिला पदाधिकारी महोदय ने सभी प्रधान सहायक को कार्य करने की शैली को बेहद सरलता पूर्वक समझाया तथा अपने कार्यालय के कर्मचारियों के द्वारा किए गए कार्यों को समीक्षा करने का निर्देश दिए। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा सी.डब्ल्यू. जे.सी. / एम.जे.सी., डी.सी. विपत्र उपयोगिता प्रमाण पत्र, लोकायुक्त से संबंधित मामला, जिला आपदा प्रबंधन से संबंधित मामला,लोक शिकायत, लोकसभा एवं विधान सभा से संबंधित प्रश्न, पेंशन एवं सेवांत लाभ, सामाजिक सुरक्षा एवं आर.टी.पी. एस. सहित अन्य मामलों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में जिस कार्यालय में सी.डब्ल्यू. जे.सी. /एम.जे.सी. संबंधित लंबित मामले की संख्या अधिक पाई संबंधित प्रधान सहायक को फटकार लगाते हुए इसका निष्पादन हेतु एस.ओ.एफ तैयार कर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त कार्यालय के सभी पंजी यथा क्रम पुस्तिका, इंडेक्स रजिस्टर, लॉग बुक, प्राप्त पत्र पंजी आदि को संघारीत करने एवं लंबित पत्रों को यथाशीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया।

उक्त बैठक में जिला स्थापना उपसमाहर्ता इफ्तेखार अहमद एवं सभी विभाग के प्रधान सहायक मौजूद रहे।

शहर के पठान टोली मस्जिद में जुमे की नमाज में मांगी गई भारत की जीत और पाकिस्तान की हार की दुआ

ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मस्जिद में गूंजीं दुआएं... जुम्मे की नमाज में नमाजियों ने सेना की सलामती की मांगी दुआ।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- शुक्रवार को जुम्मे की नमाज में शहर के पठान टोली मस्जिद में भारत की जीत और पाकिस्तान की हार के लिए दुआ किया गया , जिसमें मुस्लिम समुदाय के पैगाम ए इंसानियत के अध्यक्ष मो शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान ,पठनटोली मस्जिद के इमाम गुलाम रसूल कादरी ,अप इमाम सलीम अख्तर ,मस्जिद के सेक्रेटरी सैयद जुबेर उर्फ सोनू ,वफ्फ कमेटी के अध्यक्ष शरीफ उर्फ गुलफाम खान, रहमत अंसारी, मो अजीम खान, मो शाहनवाज आलम ,चांद खान ,नईम नियाजी ,मोहम्मद मिनहाज खान, मो कमाल ,मोहम्मद जैनुल अंसारी, यासिर खान, अल्तमश खान, अमन खान, शमशाद हुसैन, पप्पू खान ने संयुक्त रूप से कहा की पाक के कायराना हरकत के खिलाफ खड़ा है पूरा हिंदुस्तान। पैगाम ए इंसानियत के अध्यक्ष सल्लू खान ने कहा अल्लाह हमारे फौजियों को ताकत दे, उनके हौसले और मजबूत करें। उन्होंने भारत सरकार की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने जो कायराना हरकत की है, उसके जवाब में हिंदुस्तान पूरी मजबूती से खड़ा हैं। मुझे यकीन हैं कि पाकिस्तान इस बार भी नाकाम रहेगा। भारत की जीत के लिए मांगी दुआ भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर शहर की पठान टोली मस्जिद , पठान टोली में जुम्मे की नमाज पड़ी गई. साथ ही भारत की सफलता पर हजारों मुस्लिम लोगों ने दुआ मांगी है। दुआ के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भारत का तिरंगा लेकर पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए पाकिस्तान की हार की दुआ, हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में पहुंचे लोग ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मस्जिद में गूंजीं दुआएं... जुम्मे की नमाज में नमाजियों ने सेना की सलामती की मांगी दुआ।

छपरा में बड़ा हादसा, सरयू नदी में नहाने गई किशोरी की डूबकर मौत...परिजनों में मची चीख-पुकार

Chhapra: बिहार में सारण जिले के मांझी थाना क्षेत्र में सरयू नदी में स्नान के दौरान एक किशोरी की डूबने से मौत हो गई है। वहीं, इस घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि गैरतपुर गांव की छह किशोरी सरयू नदी में स्नान करने गयी थी। जहां गहरे पानी में जाकर सभी किशोरी डूबने लगी। जिसके बाद वहां मौजूद ग्रामीणों ने पांच किशोरी को नदी के पानी से बाहर निकाल लिया। हादसे में गैरतपुर गांव निवासी लालबाबू महतो की पुत्री रिशु कुमारी (15) की मौत नदी में डूबकर हो गई है। इधर, घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय तैराकों की मदद से शव को नदी से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

औरंगाबाद जिला विधिज्ञ संघ के कार्यसमिति की एक बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिज्ञ संघ के कार्यसमिति की एक अहम बैठक जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के पुस्तकालय में आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय और संचालन संयुक्त सचिव प्रमोद कुमार सिंह ने किया, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि सर्वप्रथम भारतीय सेना द्वारा आंतकीयो के खात्मे के लिए शुरू किया गया आपरेशन सिंन्दूर की प्रशंसा करते हुए उसपर गर्व महसूस करते हुए बड़ाई किया गया है , अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय ने आगे बताया कि कल 10 बजे से व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिवक्ता समाज भरपूर सहयोग करेंगे, उन्होंने यह भी बताया कि पन्द्रह दिन के अंदर जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद में एक बार मैनेजर पद पर कम्प्यूटर जानकर कि नियुक्ति किया जाएगा, उन्होंने ने आगे कहा कि जो अधिवक्ता सर्टिफिकेट ऑफ प्रेक्टिस जामा नहीं किये है वे एक सप्ताह में जामा करें, निर्माण कार्य का जायजा लिया गया,अंत में यह सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि जो पदाधिकारी अधिवक्ता समाज के सम्मान करेंगे अधिवक्ता समाज भी उनका सम्मान करेगा,इस अवसर पर उपस्थित थे कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, उदय कुमार सिन्हा, सुदर्शन यादव, दिलीप कुमार सिंह, सियाराम पांडे, अनील आशुतोष, विनय मिश्रा, सतीश कुमार स्नेही,पवन कुमार सिंह, विनय द्विवेदी, चन्द्रकान्ता कुमारी, योगेश कुमार मिश्रा, अनील कुमार सिन्हा, इम्तियाज अंसारी, संजय कुमार, धनश्याम ठाकुर सहित अन्य उपस्थित थे।

गया से नागपुर एवं रक्सौल से उधना के लिए स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुरः ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है ।इसी कड़ी में और 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 01203/01204 नागपुर-गया-नागपुर स्पेशल (सासाराम-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-इटारसी के रास्ते): गाड़ी संख्या 01203 नागपुर-गया स्पेशल 10 मई, 2025 को नागपुर से 15.40 बजे खुलकर अगले दिन 15.15 बजे डीडीयू, 16.02 बजे भभुआ रोड, 16.40 बजे सासाराम, 18.10 बजे डेहरी ऑन सोन रूकते हए 20.30 गया पहुंचेगी ।वापसी में, गाड़ी संख्या 01204 गया-नागपुर स्पेशल 13 मई, 2025 मंगलवार को गया से 23.45 बजे खुलकर बुधवार को 01.15 बजे डेहरी ऑन सोन, 01.33 बजे सासाराम, 02.10 बजे भभुआ रोड एवं 03.30 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए गुरूवार को 00.45 बजे नागपुर पहुंचेगी ।2. गाड़ी संख्या 05559/05560 रक्सौल-उधना-रक्सौल स्पेशल (नरकटियागंज-गोरखपुर-लखनऊ के रास्ते): गाड़ी संख्या 05559 रक्सौल-उधना स्पेशल 17 मई से 26 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को रक्सौल से 05.30 बजे खुलकर 05.53 बजे सिकटा, 06.20 बजे नरकटियागंज, 07.00 बजे बगहा सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन रविवार को 12.35 बजे उधना पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 05560 उधना-रक्सौल स्पेशल 18 मई, से 27 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक रविवार को उधना से 15.35 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए सोमवार को 22.20 बजे बगहा, 22.55 बजे नरकटियागंज एवं 23.20 बजे सिकटा तथा मंगलवार को 00.15 बजे रक्सौल पहुंचेगी ।

आनंद मार्ग के संस्थापक आनंदमूर्ति जी के जन्मोत्सव पर 72 घंटे का अखंड कीर्तन आरंभ

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत बच्चों के बीच ज्ञान, विज्ञान, योग तथा आध्यात्म पर की गई चर्चा

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। अध्यात्म का केंद्र जमालपुर शहर के वलीपुर स्थित जागृति मधु मंजुल में शुक्रवार को श्री श्री आनंदमूर्ति जी के जन्मोत्सव (आनंद पूर्णिमा) के अवसर पर 72 घंटे का अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया। 72 घंटे तक चलने वाले इस अखंड कीर्तन का समापन सोमवार 12 मई को सुबह 5:45 बजे तक संपन्न होगा। बिहार के कोने-कोने से आए श्रद्धालु भक्तों ने आनंदमार्ग के अखंड कीर्तन में हिस्सा लिया। आनंद मार्ग प्रचारक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को पूर्व रेलवे इंटर महाविद्यालय में योग प्रशिक्षक आचार्य कल्याणमित्रानंद अवधूत दादाजी के नेतृत्व में व्यक्तित्व के विकास पर आधारित पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम चलाया गया। जिसके तहत विद्यालय में अध्यनरत करीब 500

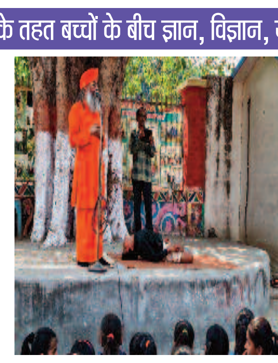

बच्चों के बीच ज्ञान, विज्ञान, योग तथा आध्यात्म के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। बच्चों के व्यक्तित्व का सही तरीके से कैसे चरित्र निर्माण हो उनका प्रैक्टिकल पक्ष भी रखा गया। कई आसनों को सिखाया गया और बच्चों को बहुत ही वैज्ञानिक ढंग से बायोलॉजिकल ढंग से बच्चों को बताया गया कि कैसे उनके मस्तिष्क का अधिकतम उपयोग किया जा सके, कैसे ग्लैड्यूलर एक्सरसाइज कौन सा आसन करने से मस्तिष्क का अधिकतम उपयोग हो। श्री श्री आनंदमूर्ति जी के द्वारा दिया गया कौशिकी नृत्य से 22 रोगों का निदान हो सकता है, जो पुरुष और महिला दोनों कर सकते हैं और भगवान शिव के द्वारा दिया गया तांडव नृत्य का भी प्रदर्शन बच्चों को दिया गया। तांडव नृत्य से 42 रोगों का निदान हो सकता है। यह एकमात्र फिजिको साइको स्पिरिचुअल व्यायाम है, जिससे मस्तिष्क के सारे कोशिकाएं क्रियाशील हो जाती है तथा जिससे मनुष्य का याद आ सकती बढ़ जाता है और इच्छा शक्ति मजबूत हो जाता है। तांडव महिलाओं को करना वर्जित है। इस अवसर पर आचार्य जी के अलावा राजेश कुमार गौरव कुमार और पीयूष आनंद ने आसान का व्यवहारिक प्रदर्शन किया जो सभी बच्चों को बहुत प्रभावित किया। इस दौरान भूक्ति प्रधान रंजीत कुमार, विद्यालय के सभी शिक्षकगण मौजूद थे।

यूडब्लूआईएन पोर्टल पर लापरवाही के आरोप मे सात स्वास्थ्यकर्मियों पर गिरी कार्रवाई की गाज

मामला धरहरा प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का

आशीष कश्यप

धरहरा (मुंगेर): मुंगेर जिला अंतर्गत धरहरा प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत सात एएनएम और जीएनएम का यूडब्लूआईएन पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीकरण नहीं करने के कारण मई महीने के 5 दिन का वेतन रोक दिया गया है। जिन कर्मियों पर कार्रवाई हुई है, उनमें फूलन कुमारी, पूजा कुमारी, सबिता कुमारी, नूतन कुमारी, प्रेमलता कुमारी, नीलम कुमारी और निक्की कुमारी शामिल हैं। इन सभी पर अप्रैल 2025 में संस्थागत प्रसव के बाद नवजात शिशुओं के *बर्थ डोज मॉनिटरिंग* के लिए यूडब्लूआईएन पोर्टल पर पंजीकरण समय पर न करने का आरोप है।

क्या है मामला

जिला स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल माह में धरहरा प्रखंड के विभिन्न केंद्रों पर कम-से-कम 10 नवजात शिशुओं का प्रसव हुआ, लेकिन उनका पंजीकरण पोर्टल पर तय समयसीमा के भीतर नहीं किया गया। यह

लापरवाही न सिर्फ सरकारी निदेर्शों की अनदेखी है, बल्कि नवजातों के टीकाकरण कार्यक्रम की निगरानी में भी बाधा उत्पन्न करती है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डां अविनाश कुमार ने कहा कि संबंधित एएनएम जीएनएम ने यूडब्लूआईएन पोर्टल पर पंजीकरण में लापरवाही बरती है जिससे कार्य के प्रति स्वेच्छाचारिता को दशार्ती है। यह उच्चाधिकारियों के कोप का कारण बन सकता है। जिसके कारण संबंधित स्वास्थ्य कमीयों का वेतन रोकते हुए गया, स्पष्टीकरण मांगा गया है । स्वास्थ्य समिति ने सभी संबंधित कर्मियों को आदेश दिया है कि वे दो दिन के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें कि आखिर अप्रैल 2025 के अंत तक बर्थ डोज का पंजीकरण क्यों नहीं हुआ। यदि स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया, तो अग्रिम अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की जाने की बात कही है.

स्वास्थ्य प्रणाली में दोहरा मापदंड

इस कार्रवाई ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जब *ई-संजीवनी* जैसी डिजिटल योजना पूरी तरह सीएचओ के कंधों पर डाली जाती है, तब बाकी स्टाफ मुक्त रहता है, लेकिन यूडब्लूआ-ईएन जैसे मामलों में सामूहिक जिम्मेदारी के नाम पर सीधी वेतन कटौती कर दी जाती है। स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण का उद्देश्य पारदर्शिता और सशक्तिकरण था, लेकिन धरहरा में यह तकनीकी अनुपलब्धता, प्रशिक्षण की कमी और प्रशासनिक सख्ती के बीच पिसते हुए कर्मियों की हकीकत सामने आ रही है। जरूरत है स्पष्ट जिम्मेदारी, उचित ट्रेनिंग और इंसाफपूर्ण प्रक्रिया की ताकि तकनीक एक औजार बने, सजा नहीं।

गोह में 8 जून को होगा पुस्तक विमोचन सह सम्मान समारोह, आयोजन समिति का गठन

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)। गोह प्रखंड मुख्यालय स्थित बिहार राज्य पेंशनर भवन में समाजसेवी, शिक्षाविद एवं बुद्धिजीवी मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक कपिलदेव सिंह ने की। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 8 जून को गोह गौतम बुद्ध नगर भवन में एक भव्य पुस्तक विमोचन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में साहित्यकार रविनंदन की चर्चित पुस्तक ह्यभ्रमजालह्न का विमोचन किया जाएगा। साथ ही समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु 17 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया, जिसमें दिलीप कुमार को (अध्यक्ष), प्रो. शक्ति पासवान (उपाध्यक्ष), लखन पासवान (सचिव), कामदेव चंद्रवंशी (उपसचिव), सुरेन्द्र चंद्रवंशी (कोषाध्यक्ष), अमरेंद्र कुमार (व्यवस्थापक), नागेश्वर प्रसाद सिंह (संयोजक), विन्देश्वरी शर्मा (सह-संयोजक), कपिलदेव सिंह (संरक्षक)। इसके अतिरिक्त अन्य कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन किया गया, जिनकी जिम्मेदारियाँ शीघ्र तय की जाएंगी। बैठक में रविनंदन, संजय कुमार, बृजमोहन राम, नागेंद्र प्रसाद, गिरवर भारती, पूर्व मुखिया रामचंद्र साव, रणधीर पासवान, रामजी पासवान, उमा पासवान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में साहित्यिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक चेतना का विकास होता है। आयोजन समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की है।

बिहार में 13 साल की किशोरी से हैवानियत, शादी का झांसा देकर 6 महीने तक किया दुष्कर्म, तंग आ कर

पूर्णिया।: बिहार के पूर्णिया जिले से मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक युवक ने शादी का झांसा देकर 13 साल की किशोरी के साथ लगातार छह महीने तक दुष्कर्म किया है। वहीं, पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के अमौर थाना क्षेत्र का है। इस मामले में पीड़िता के परिजनों ने थाना में आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया है कि मोहम्मद गुफरान नामक युवक ने शादी का झांसा देकर छह महीने तक उससे दुष्कर्म किया। जब शादी का दबाव बनाया तो उसने शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने परिजनों को जानकारी दी। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं, पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

वित्त रहित शिक्षकों के अधिकार की लड़ाई लड़ेगी आसा पार्टी : प्रीतम सिंह

2008 में आरसीपी सिंह ने बिहार के प्रधान सचिव के रूप में वित्तरहित शिक्षकों को अनुदान की प्रक्रिया को बढ़ाया था आगे

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। बिहार के वित्तरहित अनुदानित डिग्री महाविद्यालय के समर्थन में विगत सप्ताह माननीय पटना उच्च न्यायालय के आदेश को अक्षरशः पालन करने के साथ-साथ सभी वित्तरहित इंटर महाविद्यालय तथा माध्यमिक विद्यालयों के सेवा को भी नियमितीकरण कर वित्तरहित विद्यालय तथा महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को वेतनमान पेंशन और अन्य सभी सरकारी सुविधाएं यथाशीघ्र लागू किया जाना चाहिए। उक्त बातें शुक्रवार को डॉ यूपी वर्मा अच्छूराम हरिलाल बालिका उच्च विद्यालय में बिहार प्रदेश माध्यमिक शिक्षक शिक्षक कर्मचारी महासंघ मुंगेर जिला इकाई के तत्वावधान में आयोजित बैठक में अपना समर्थन देने पहुंचे आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह पटेल ने कहीं। मुख्य अतिथि के रूप में बैठक को संबोधित करते हुए आसा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह पटेल ने कहा कि बिहार के सभी वित्त रहित डिग्री महाविद्यालय, इंटरमीडिएट महाविद्यालय तथा माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के समर्थन में आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में सरकार के समक्ष वित्त-रहित शिक्षकों की मांगों को रखेगी। आसा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय केसरी ने कहा कि 2005 से लेकर 2010 तक बिहार के तत्कालीन प्रधान सचिव रहे रामचंद्र प्रसाद सिंह ने वित्तरहित शिक्षकों को अनुदान दिलाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राजी किया था। उनके प्रयास से ही वर्ष 2008 से बिहार के वित्तरहित शिक्षकों के लिए अनुदान की प्रक्रिया आरंभ की गई। आसा पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार राय तथा मुंगेर जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि आरसीपी सिंह आगामी

विधानसभा चुनाव में सशक्त रूप से वितरित शिक्षकों के मुद्दे को उठाएगी। सरकार पर दबाव बनाकर वित्त रहित डिग्री कॉलेज की तर्ज पर इंटरमीडिएट कॉलेज और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन दिलाने का पुरजोर प्रयास करेगी।

वित्त रहित डिग्री कॉलेज के बाद इंटर कॉलेज तथा माध्यमिक विद्यालयों में जागी आशा की किरण

बिहार के वित्तरहित डिग्री कॉलेज को नियमितीकरण करने की दिशा में पटना उच्च न्यायालय के आदेश के बाद वित्तरहित शिक्षकों में उत्साह का माहौल है। बिहार प्रदेश माध्यमिक शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी महासंघ के मुंगेर जिला सचिव उदय चंद्र, अनिरुद्ध प्रसाद अंबेडकर, दीपक सिंह ने कहा कि वित्तरहित शिक्षक है विगत करें 40 वर्षों से अपनी मांगों को लेकर सरकार के समक्ष गुहार लगा रही थी। मगर, राज्य सरकार की ओर से वित्त रहित शिक्षकों की मांग पर ध्यान नहीं दिया जा रहा था। इसके बाद परेशान और हताश होकर वित्त रहित डिग्री कॉलेज के शिक्षक माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष न्याय के लिए गुहार लगाया। जिसके आधार पर माननीय उच्च न्यायालय ने वित्त रहित शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए निजी डिग्री कॉलेज अर्थात वित्त रहित डिग्री कॉलेज को नियमितीकरण किए जाने को लेकर आदेश जारी किया है।

वित्त रहित शिक्षकों ने सरकार से माध्यमिक विद्यालयों के नियमितीकरण को लेकर उठाई मांग

रविंद्र कुमार, पंकज कुमार, पिंकी कुमारी, विशाखा कुमारी एवं शंकर यादव ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार को आदेश दिया है कि 3 महीने के भीतर वित्त रहित डिग्री कॉलेज के शिक्षकों को नियमित वेतन तथा पेंशन आदि की सुविधा उपलब्ध कराएं। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा डिग्री कॉलेज के तर्ज पर सभी वित्त रहित इंटरमीडिएट कालेज तथा वित्त रहित माध्यमिक विद्यालयों के नियमितीकरण को लेकर भी आदेश जल्द जारी करें। संजय कुमार, श्याम साव, गोपाल यादव ने कहा कि डिग्री कॉलेज के नियमितीकरण के बाद अब इंटरमीडिएट कॉलेज और माध्यमिक विद्यालयों के लिए भी आने वाले दिनों में सकारात्मक आदेश माननीय पटना उच्च न्यायालय तथा राज्य सरकार द्वारा जारी किया जाएगा। मौके पर पंकज राय, कैलाश यादव, बबीता कुमारी, मुकेश, देवानंद, मनीषा, शिवनारायण यादव मौजूद थे।

भारत ने आर्थिक प्रगति के बल पर आतंकवादी ठिकानों को किया नेस्तनाबूद

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है।

भा भारत ने अंततः पाकिस्तान के कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर ही दिया। भारत के इस कठोर कदम से भारतीय नागरिकों को संतुष्टि मिली है, विशेष रूप से उन परिवारों को जिन्होंने हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में अपने सगे सम्बन्धियों को खोया है। विश्व के लगभग समस्त देशों ने भारत के इस कदम का समर्थन ही किया है क्योंकि आतंकवादियों से अपने देश के नागरिकों की रक्षा करना किसी भी देश की सरकार का प्रथम कर्तव्य है। भारत को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमले करने का साहस कहां से मिलता है। यह मिलता है भारतीय नागरिकों की एकजुटता से, वर्तमान केंद्र सरकार पर देश के नागरिकों का भरपूर विश्वास है एवं वह यह सोचती है सही समय पर एवं सही स्थान पर भारतीय सेना आतंकवादियों पर हमला करके अपने नागरिकों के मारे जाने का बदला जरूर लेगी। दूसरे, संभवतः भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति से भी केंद्र सरकार को कठोर निर्णय लेने का बल मिलता है। इस संदर्भ में, हाल ही में अच्छी खबर यह आई है कि भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चोथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं संभवतः वर्ष 2026 के अंत तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था आज भी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व के लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भारत के संदर्भ में यह भविष्यवाणी करते हुए दिखाई दे रहे है कि आगे आने वाले कई दशकों तक भारत इसी प्रकार विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा।

भारत ने पिछले 10/11 वर्षों के दौरान वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रमों को लागू किया है। जिसका परिणाम स्पष्ट रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। माह अप्रेल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण नित नई ऊंचाईयां छूते हुए 2.37 लाख करोड़ रुपए के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। यह सब देश के नागरिकों द्वारा अप्रत्यक्ष करों के नियमों का अनुपालन करने के चलते सम्भव हो पा रहा है। अप्रेल 2025 माह में ही फैक्ट्री उत्पादन के मामले में पिछले 10 माह के उच्चत्तम स्तर को पार किया गया है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में तेजी से बढ़ती जा रही है और यह अपने पिहले 7 माह के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है। और तो और, सरकारी उपक्रमों एवं निजी कम्पनियों की लाभप्रदता में भी भारी सुधार देखने में आ रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक ने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसी प्रकार, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 69,621 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक ने 64,062 करोड़ रुपए, ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, टाटा कंसल्टैसी सर्विसेज लिमिटेड ने 45,908 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक ने 44,256 करोड़ रुपए, इंडियन आइल कॉर्पोरेशन ने 41,729 करोड़ रुपए, लाइफ इन्शुरन्स कॉर्पोरेशन ने 40,915 करोड़ रुपए, कोल इंडिया लिमिटेड ने 37,402 करोड़ रुपए एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड ने 31,399 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। आपको ध्यान में होगा कि आज से कुछ वर्ष पर तक केंद्र सरकार को कई सरकारी उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए लाखों करोड़ रुपए की सहायता केंद्रीय बजट के माध्यम से इन सरकारी उपक्रमों की करनी होती थी। आज स्थित एकदम बदल गई है एवं आज ये लगभग समस्त उपक्रम केंद्र सरकार के लिए कमाऊ पूत की भूमिका निभाते हुए नजर आ रहे हैं एवं करोड़ों रुपए का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध करा रहे हैं। यह सब केंद्र सरकार द्वारा इन उपक्रमों में सुधार कार्यक्रमों को लागू करने के चलते ही सम्भव हो सका है।

वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत भयावह स्थिति में पहुंच गया था तथा उस समय भारत के पास केवल 15 दिवस के आयात के बराबर ही विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था और भारत को अपने स्वर्ण भंडार को ब्रिटेन के बैंकों में गिरवी रखकर विदेशी मुद्रा भंडार की व्यवस्था करनी पड़ी थी। आज स्थिति इस ठीक विपरीत है आज भारत के पास लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर की राशि का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है और यह 68,813 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर निकल गया है जो भारत के इतिहास में आज तक के उच्च्तम स्तर के बहुत करीब है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत से विभिन्न उत्पादों एवं सेवा क्षेत्र के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर 82,490 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। जिसके चलते भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में अतुलनीय सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत से विभिन्न देशों को निर्यात में अभी और सुधार होता हुआ दिखाई देगा क्योंकि भारत ने हाल ही में ब्रिटेन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है इससे भारत के सेवा क्षेत्र को अत्यधिक प्रोत्साहन मिलने जा रहा है और ब्रिटेन में भारतीय इंजिनीयर एवं डाक्टर के साथ ही अन्य क्षेत्रों में कार्य करने के लिए भारतीयों की मांग में वृद्धि दृष्टिगोचर होगी। अमेरिका के साथ भी भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और यूरोपीयन यूनियन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता दिसम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इसके बाद भारत से विकसित देशों को निर्यात निश्चित रूप से बढ़ेंगे और इसके चलते बहुत सम्भव है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर अर्थात एक लाख करोड़ अमेरिको डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएं। यदि ऐसा होता है तो भारत में विदेशी मुद्रा भंडार भी एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकते हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी कम होती हुई अर्थात लगभग 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर होती हुई दिखाई दे रही हैं जबकि भारत अपने उपयोग का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का आयात विभिन्न देशों से करता है। साथ ही, भारत को स्वर्ण के आयात को भी नियंत्रण में रखना होगा। इससे, भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में और अधिक मजबूत होगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई कमी और वर्ष 2025 के खरीफ मौसम के दौरान मौसम विभाग द्वारा की गई सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी के कारण खुदरा कृषि क्षेत्र में मुद्रा स्फीति (महंगाई) की दर मार्च 2025 माह में कम होकर 3.73 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है। इससे देश के नागरिकों में उत्साह का माहौल जागा है तथा वे एकजुट होकर केंद्र सरकार के आतंकवाद के विरुद्ध लिए जा रहे निर्णयों का भारी समर्थन करते हुए दिखाई दे रहे है। इससे यह सिद्ध हो रहा है कि भारत की आर्थिक क्षेत्र में मजबूती के चलते केंद्र सरकार को भी आतंकवाद के विरुद्द कड़े निर्णय लेने में कोई हिचक नहीं हो रही है। साथ ही, भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति के चलते विश्व के अन्य कई देश भी आतंकवाद की लड़ाई में भारत के साथ खड़े नजर आ रहे है। आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक स्थित जितनी अधिक सुद्दढ़ होती जाएगी, वैश्विक पटल पर भारत के लिए अन्य देशों का समर्थन और अधिक मजबूत होता जाएगा। और फिर, उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी एवं भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का अधिकार भी तो है। भारत की आर्थिक स्थिति जितनी अधिक मजबूत होगी, केंद्र सरकार के सुरक्षा सम्बंधी निर्णय भी उतने ही मजबूत रहेंगे।

संपादकीय

भारत का करारा जवाब

जैसी उम्मीद थी भारत ने पहलगाम हमले का करारा जवाब पाकिस्तान की सरकार, सेना और वहां पल-बढ़ रहे आतंकवादियों को दिया। मंगलवार देर रात सेना के लड़ाकू विमानों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के नौ ठिकानों को जमींदोज कर दिया। इनमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षण शिविर और मुख्यालय शामिल हैं। खुद पाकिस्तानी सेना ने भारत के इस रणनीतिक हमले को स्वीकारते हुए कहा कि इन हमलों में कम-से-कम 31 लोग मारे गए और 57 अन्य जख्मी हैं।

दरअसल, कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 पर्यटकों की कायरतापूर्वक हत्या किए जाने के बाद से ही देश में उबाल है। सरकार पर इस बात का भारी जन दबाव था कि वह पाकिस्तान को कभी न भूलने वाला सबक सिखाए। उस घटना के बाद से ही यह कयास लगाए जाने लगे थे कि भारत पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करेगा। अच्छी बात यह है कि भारत ने पाकिस्तान के किसी रिहायशी इलाकों में बम नहीं गिराए। बेहद सटीक और गुप्त खुफिया जानकारी के आधार पर सेना ने उन अड्डों को चुना जहां आतंकवादी न केवल ट्रेनिंग लेते हैं बल्कि उनके परिवार के लोग भी शरण पाए हुए थे। स्वाभाविक है, कई दिनों की बैठकों के बाद केंद्र सरकार और सेना के आला अधिकारियों के दिलोदिमाग में था कि इस बार चुन-चुनकर आतंकवादियों को जहन्नुम पहुंचाया जाए। सरकार की हरी झंड़ी मिलते ही सेना अपने काम में जुट गई। हालांकि अभी भी दोनों देशों के बीच भारी तनाव की स्थिति है। पाकिस्तान इतने पर भी यह समझ पाने में असमर्थ है कि आतंकवाद को प्रश्रय देने या उसका इस्तेमाल पड़ोसी मुल्क में करने के नुकसान भयावह हैं, मगर वह इसे मानने को राजी नहीं है। कई सारे देशों ने भारत की कार्रवाई पर संयमित टिप्पणी की है और तनाव को कम करने का सुझाव भी दिया है, मगर लाख टके का सवाल यह है कि पाकिस्तान को समझाने-बुझाने की बजाय तनाव को और ज्यादा बढ़ाने से केवल पाकिस्तान का ही नुकसान होगा। किसी के इशारों या उसकी गोद में खेलने की बजाय पाकिस्तान के हुक्मरानों को आतंकवाद का खेल अब जमीन में गाड़.देना चाहिए। वहां की अवाम को भी अपनी सरकार से अमन और सौहार्द से रहने का दबाव बनाना चाहिए।

चिंतन-मनन

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें। दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया? हां, कर लिया।

क्या खाया?

रोटी, शाक, चावल और मिठाई।

केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की? भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया? भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई

केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है, वहां कोई सम्बन्ध स्थापित नहीं हो सकता।

जय हिंद ... जय हिंद की सेना

राधा रमण

दु निया जानती है कि मानव सभ्यता के लिए आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा है और पड़ोसी देश पाकिस्तान इसका पोषक। इसको लेकर भारत समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय फोरम पर मामला उठाते रहा है। देश की आजादी के बाद से ही पाकिस्तान के शासक और पाकिस्तान की सेना को जब भी मौका मिला उन्होंने भारत और भारतीयों के सीने में खंजर भोंकने की कोशिश की। देश ने हर बार इसका प्रतिवाद किया लेकिन दुष्ट पड़ोसी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है। आजादी के बाद पाकिस्तान ने 1965, 1971 और 1999 में भारत से आमने-सामने की युद्ध किया और हर बार बुरी तरह पराजित हुआ। उसके सैनिकों तक ने सरेंडर किया। उसकी सैकड़ों एकड़ जमीन भारत के कब्जे में आई। लेकिन हर बार माफी मांगने के बाद भारत ने उसे माफ कर दिया। कहने की जरूरत नहीं कि दुनिया को अब पता चल गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आज का भारत नया भारत है। यह न तो किसी पर अन्याय करता है न अन्याय सहता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तो वर्षों से कहते रहे हैं कि ह्यहम किसी को छेड़ेंगे नहीं और अगर किसी ने अकारण छेड़ा तो छोड़ेंगे भी नहीं ह्य

ताजा मामला पिछले माह की 22 अप्रैल का है जब परिवार के साथ पहलगाम के बायसरन घूमने गए निहत्थे पर्यटकों पर पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी और धर्म पूछ-पूछकर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी। दुखद और दर्दनाक यह कि उन्होंने महिलाओं के सामने ही उनके पतियों को मारकर उनकी मांग का सिन्दूर पोंछ दिया। यही नहीं तब से लेकर 6 मई की रात तक पाकिस्तानी सेना सीमा पर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन करती रही। आखिर भारत कब तक चुप बैठता ! हमारे प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री लगातार दुनिया के देशों को पाकिस्तान की हरकत बताते रहे, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। आखिर में सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर देश के विपक्षी दलों से उनकी राय पूछी तो सबने मुक्तकंठ से सरकार को देश रक्षा के लिए कदम उठाने की खुली छूट दे दी। नतीजतन, राष्ट्रपति की सलाह पर सरकार ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय बेटियों के सामने उनकी मांग का सिन्दूर पोंछनेवाले आतंकियों को सबक सिखाने के लिए इस मिशन का नाम ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्न रखा और कहा कि, समय, स्थान और तरीका सेना खुद तय करे।

फिर 6-7 मई की रात जो कुछ हुआ उसे दुनिया ने देखा। रात 1.05 बजे से 1.30 बजे के बीच महज 25 मिनट के सैन्य ऑपरेशन में हमारे जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तानी आतंकियों की चूल हिला दी। पाकिस्तान सीमा के भीतर 100 किलोमीटर घुसकर उसके नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें जैश-ए-मोहम्मद का प्रशिक्षण स्थल बहावलपुर में मरकज सुभानअल्लाह, तेहरां कला स्थित सरजाल, कोटली में मरकज अब्बास और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल शामिल है। इसी तरह लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ठिकाने मुरीदके में मरकज तैयबा, बरनाला में मरकज अहले हदीस और मुजफ्फराबाद में सवाई नाला पर बम बरसाये गए। इसके अलावा हमारे जाबांज हिजबुल मुजाहिद्दीन की शरणस्थली कोटली का मरकज राहिल शाहिद (गुलपुर कैंप) और सियालकोट स्थित मेहमूना जोया पर काल बनकर टूटे। लक्षित हमले में पांच गुलाम कश्मीर (पीओके) और चार पाकिस्तान के हैं। भारतीय सेना के हमले में जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के नौ परिजन और 5 शागिर्द भी मारे गए हैं। बताया तो यह भी जाता है कि इनमें मसूद अजहर का छोटा भाई अब्दुल रऊफ अजहर भी मारा गया। अब्दुल रऊफ जैश-ए-मोहम्मद का ऑपरेशन हेड होने के साथ-साथ मसूद अजहर का दाहिना हाथ माना जाता था। बताया जाता है कि अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या अब्दुल रऊफ अजहर ने ही की थी। वर्ष 1999 में हुए भारतीय विमान आईसी-814 के अपहरण में भी अब्दुल रऊफ अजहर का नाम आया था। उसे विमान अपहरण का मास्टर माइंड बताया गया था। उस मामले में तत्कालीन सरकार ने जिन तीन आतंकियों को जेल से रिहा किया था, उसमें मसूद अजहर भी शामिल था।

आजकल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पिछले 25 वर्षों से निरीहों की मौत का सौदागर मसूद अजहर अपनों की मौत पर जार-जार रोते दिखाई पड़ रहा है। रोते-रोते वह कहता है कि ह्ययह देखने से पहले काश, मैं भी मर गया होता ह्य मसूद अजहर पहले हरकत-उल-मजाहिद्दीन और हरकत-उल-अंसार का कमांडर हुआ करता था। आजकल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की पनाह में एबटाबाद के किसी गुप्त ठिकाने पर मुंह छिपाकर बैठा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर छापामार हमले के बाद सर्वदलीय बैठक में ब्यौरा देते हुए बताया कि भारतीय सैन्य हमले में सौ से अधिक आतंकी मारे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्न अभी बंद नहीं किया गया है। अभी तक हमने पाकिस्तानी नागरिकों और सैन्य ठिकानों पर आक्रमण नहीं किया है। हमने अभी केवल कुछ आतंकी ठिकाने नष्ट किये हैं। यह बानगी भर हैं। हम पाकिस्तान के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। अगर, इतने पर भी नापाक पाकिस्तान अपनी हिमाकत और हरकत से बाज नहीं आया तो भारत फिर धावा बोलेगा। हमारी सेना पाकिस्तान से सीधी लड़ाई के लिए भी कमर कसकर तैयार है। निःसंदेह ऐसा कहकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गेंद पाकिस्तान के पाले में डाल दी है। भारतीय सैनिकों की जांबाजी से पाकिस्तान के हौसले पस्त हो गए हैं। कल तक परमाणु हथियार की गीदड़भभकी देनेवाले पाकिस्तानी राजनेता अब विश्व समुदाय के पास भारत से बचाने की गुहार लगाते फिर रहे हैं। हालांकि आतंक की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान में वहां के राजनेताओं की कम ही चलती है। वहां सरकार पर सेना का नियंत्रण रहता है और आतंकियों को सेना की शह मिलती रही है। यही कारण है कि 8 मई की रात आतंकियों के समर्थन में पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, मेंढर, पुंछ, अवंतीपोरा, सांबा, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, जैसलमेर, फालोदी, भुज आदि कई स्थानों पर 50 से अधिक मिसाइल और आत्मघाती ड्रोन से हमला कर दिया जिसे भारतीय सेना ने आकाश में ही नाकाम कर दिया। यही नहीं, जवाबी कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तान का लाहौर और कराची स्थित एयर डिफेन्स सिस्टम और रावलपिंडी का स्टेडियम तबाह कर दिया। भारत ने ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्न के तहत पाकिस्तान के आतंकी शिविरों को निशाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान भारत से खुला युद्ध करने और आमादा है। दूसरी तरफ उसकी आतंरिक स्थिति भी ठीक नहीं है। आर्थिक मोर्चे पर बेहाल पाकिस्तान को बलूच विद्रोहियों से निपटना भी मुश्किल हो रहा है। समय-समय पर बलूच लिबरेशन आर्मी के लड़ाके पाकिस्तानी सैनिकों को मारते-पीटते रहते हैं। इसके अलावा पीओके का बड़ा तबका भारत में घुसने और पनाह के लिए तैयार बैठा है।

इससे पहले कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बायसरन हमले के बाद देश की जनता आशा-भरी निगाह से सरकार की ओर देख रही थी। इसलिए जो कुछ हुआ, वह होना ही था। भारत हमेशा से अहिंसा का पुजारी रहा है, आज भी है, लेकिन हम अपने नागरिकों की सुरक्षा करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। यह नया भारत है जो दुश्मन की आँख में आँख डालकर बात करता है। कोई हमारी तरफ गलत नजर रखेगा तो हम उसको उसी की भाषा में जवाब देना जानते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यवहार कुशलता के कारण अमेरिका, रूस, फ्रांस समेत दुनिया के अधिकांश देश यह मानते हैं कि भारत को अपनी सुरक्षा करने का पूरा हक है। बायसरन में पिछले माह जो हुआ उसे कत्तई सही नहीं ठहराया जा सकता। बायसरन की घटना मानवीयता को शर्मसार करनेवाली है। इस बीच, अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने पाकिस्तान आर्मी चीफ को तानाशाह बताते हुए कहा कि पाकिस्तान भारत के हमले का पलटवार करने की गलती नहीं करे, अन्यथा उसे भारी पड़ेगा।

बहरहाल, दोनों देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं। पाकिस्तानी सेना के दबाव में वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आतंकियों की मौत का बदला लेने की बात कर रहे हैं। दुनिया ने देखा कि आतंकियों के अंतिम संस्कार में वहां की सेना के बड़े अधिकारी और राजनेता कैसे मातम मना रहे थे। इधर, भारत के जांबाज सैनिक पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की बाट जोह रहे हैं। हालांकि युद्ध किसी समस्या का निदान नहीं है। लेकिन राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते। तभी तो वह ह्यकुरुक्षेत्रह्न में लिखते हैं कि -

युद्ध को तुम निन्द्य कहते हो, मगर,
जब तलक हैं उठ रहीं चिनगारियाँ
भिन्न स्वर्थों के कुलिश-संघर्ष की,
युद्ध तब तक विश्व में अनिवार्य है।

जेनेरिक दवाएं लिखने के कानूनी आदेश का उजाला

ललित गर्ग

सु प्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां लिखने एवं किसी विशेष कंपनी की दवाइयां न लिखने की नसीहत देकर न केवल गरीब मरीजों को राहत पहुंचाई है बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में व्याप्त मनमानी, मूल्यहीनता, रिश्वत एवं अनैतिकता पर अंकुश लगाने की दिशा में सराहनीय एवं प्रासंगिक पहल की है। सुप्रीम कोर्ट से पहले राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी ऐसा ही फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की पीठ संदीप मेहता, विक्रम नाथ और संजय करोल ने दवा कंपनियों से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। इस याचिका में दवा कंपनियों पर मनमानी एवं रिश्वतखोरी का आरोप लगाया गया था। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर पूरे देश में इस फैसले का पालन हो, तो इससे अहम सुधार हो सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा-डॉक्टरों पर अक्सर दवा कंपनियों से रिश्वत लेने का आरोप लगता है। ऐसे में अगर डॉक्टर जेनेरिक दवाएं लिखेंगे, तो उनपर लगने वाले इल्जाम का मुद्दा भी हल हो जाएगा। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक दवाओं का लाभ मिल सकेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेनेरिक दवाइयों को जनव्यापी बनाने की दिशा में सार्थक पहल की है। पूरी दुनिया में जेनेरिक दवाइयों को ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए व्यापक स्तर पर काम हो रहा है, लेकिन दवा माफिया इसमें बाधाएं खड़ी कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता से दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है, जो बड़ी आबादी की एक बड़ी समस्या का सटीक समाधान होगा।

निश्चित ही डॉक्टर अगर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों की रिश्वतखोरी बंद हो सकती है। शीर्ष अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें फार्मास्युटिकल मार्केटिंग की समान संहिता पर कानून बनने तक दवा कंपनियों की अनैतिक विपणन प्रथाओं को नियंत्रित करने के दिशा-निर्देश की मांग की गई थी। भारत में किफायती जेनेरिक दवाओं का उत्पादन एवं प्रचलन एक जीवन रेखा है, लेकिन इसके गुणवत्ता के आश्वासन को मजबूत करने के साथ डाक्टरों की मनमानी पर नियंत्रण करना होगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय की पहल एक रोशनी बनेगा। आज जबकि देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज एवं महंगी दवाइयां बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये जेनेरिक दवाओं पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। मोदी सरकार ने जेनेरिक दवाओं को ज्यादा स्वीकार्य बनाने एवं सर्वसुलभ कराकर एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात किया है।

जेनेरिक दवाएं, जो ब्रांडेड दवाओं का सस्ता विकल्प होती हैं, वही सक्रिय तत्व (एक्टिव इंग्रेडिएंट) रखती हैं और उतनी ही प्रभावी होती हैं। फिर भी, इनका उपयोग भारत में अपेक्षाकृत कम है, क्योंकि डॉक्टरों पर कोई बाध्यकारी कानून नहीं है। हालांकि, भारतीय मेडिकल काउंसिल ने डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन ये बाध्यकारी नहीं, एक स्वैच्छिक संहिता है, जिसका पालन डाक्टर अपनी मर्जी से करते हैं। कोर्ट ने दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर तत्काल रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया। कोर्ट की यह टिप्पणी स्वास्थ्य क्षेत्र की दिशा में एक अहम कदम हो सकता है। यहीं नहीं, आम जनता को सस्ती और सुलभ दवाओं का भी मार्ग प्रशस्त हो सकता है। भारत में दवा उद्योग एक विशाल और जटिल क्षेत्र है, जहां दवा कंपनियां अक्सर अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए अनैतिक तरीकों का सहारा लेती हैं। ये कंपनियां डॉक्टरों को मुफ्त उपहार, विदेश यात्राएं, महंगे रात्रिभोज और अन्य प्रलोभन देकर अपनी ब्रांडेड दवाओं को प्रचारित करने के लिए प्रेरित करती हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

बधार से अधेड़ का शव बरामद, गला दबाकर हत्या की आशंका, परिजनों में मचा कोहराम

रिपोर्ट- अमरेंद्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)। उपहारा थाना क्षेत्र के गोरकट्टी व महेश परासी गांव के सीमावर्ती बधार (ढोढर) से गुरुवार को एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान महेश परासी गांव निवासी 55 वर्षीय सूर्य दयाल राम के रूप में हुई है। उनकी मौत की खबर फैलते ही गांव में मातम पसर गया और परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। मृतक की पत्नी गीता देवी ने बताया कि बुधवार की शाम करीब 7 बजे सूर्य दयाल राम एक बोतल में पानी लेकर शौच के लिए बधार की ओर गए थे, लेकिन देर रात तक वे घर वापस नहीं लौटे। परिजनों ने उन्हें गांव के हर कोने में खोजा, यहां तक कि गांव में चल रहे अखंड संकीर्तन स्थल तक गए, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। गुरुवार को दोपहर लगभग 12 बजे, किसी ग्रामीण ने बधार में शव देखे जाने की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की। उपहारा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया। इधर परिजनों ने गले पर निशान के आधार पर आशंका जताई है कि उनकी हत्या कर शव को बधार में फेंका गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और हर पहलू पर बारीकी से छानबीन कर रही है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, बेटियों के भविष्य को लेकर चिंता मृतक की पत्नी गीता देवी, पुत्र जन्मजय दास (पत्नी सरिता देवी), मंजीत कुमार (पत्नी रिंकी देवी), नाती-नातिन पल्लवी कुमारी, साक्षी कुमारी, पैयूस कुमारी और पुत्री सलोनी कुमारी का रो-रोकर हाल बेहाल है। घर में मातम का माहौल है और हर आंख नम है। पुत्री सलोनी कुमारी की शादी की चिंता अब मां गीता देवी को खाए जा रही है। वह बेसुध होकर बार-बार यही कहती दिखीं, ह्लहमर बेटियां के सादिया के करतव ये रजवा...। उनकी यह पुकार पूरे गांव को भावुक कर रही है। जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर दी सांत्वना घटना की सूचना मिलते ही गांव के सरपंच प्रतिनिधि राम केवल राम तथा उपसरपंच निरंजन चंद्रवंशी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशासन से भी मांग की कि जल्द से जल्द मामले की निष्पक्षकर दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाए।

पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के पूर्ववती छात्र जय ने भेंट किया मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र जयकुमार गुप्ता जो देश के एक बड़े निजी प्रतिष्ठान में उप महाप्रबंधक हैं ने मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर एमेजॉन के माध्यम से विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह को भेजा।विद्यालय के बच्चों में काफी हर्ष का माहौल है एवं अब वो प्रोजेक्टर के माध्यम से यूट्यूब, पेनड्राइव एवं अन्य पोर्टल के पाठ्यक्रमों को बड़े स्क्रीन पर देख कर लर्न कर सकेंगें।प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह ने प्रोजेक्टर प्राप्त होने के उपरांत विद्यालय के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह पार्षद को आमंत्रित कर उन्हें पूर्ववर्ती छात्र के द्वारा प्राप्त उपहार की जानकारी दी। अध्यक्ष एवं प्राचार्य ने इसे बच्चों को भेंट कर दिए।अध्यक्ष ने स्कूल के अस्सी के दशक के छात्र रहे जय कुमार गुप्ता की काफी सराहना की एवं कहा कि हर व्यक्ति को अपने बचपन के विद्यालय से जरूर कनेक्ट रहना चाहिए एवं अपने आय का छोटा हिस्सा भी विद्यालय की बेहतरी के लिए निवेश करना चाहिए ताकि अपने परिवेश की शैक्षणिक व्यवस्थाएं समृद्ध हो सके और बेहतर समाज बन सके। हेडमास्टर उदय कुमार सिंह ने बताया कि प्रोजेक्टर काफी हाइ एंड कॉनफि गरेशन का है और इसका ऑपरेशन काफी सरल है। वाईफाई से सीधे कनेक्ट कर मल्टीमीडिया के सारे एप्लीकेशंस चलाए जा सकते हैं। विद्यालय के सभा कक्ष में मॉरल स्टोरीज या ज्ञानवर्धक डॉक्यूमेंट्री बच्चों को दिखाना अब रूटीन का हिस्सा होगा। विद्यालय क्रमशः आधुनिक सुविधाओं से मजबूत हो रहा है जिसका सीधा लाभ एवं प्रभाव बच्चों में अब प्रतिबिंबित हो रहा है।

बिहारः राजस्व कर्मियों की हड़ताल पर सख्त हुई सरकार, अपर मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

पटनाःराजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलों के डीएम के लिये पत्र जारी किया है। इसमें कहा गया है कि कई जिलों के राजस्व कर्मचारियों द्वारा हड़ताल किये जाने की सूचना प्राप्त हुई है। अपर मुख्य सचिव द्वारा सभी समाहत्ताओं को संबोधित करते हुये कहा गया है कि जिन जिलों में राजस्व कर्मचारी हड़ताल पर हैं, वहां संबंधित डीएम कर्मियों को बुलाकर उनसे वार्ता करें और हड़ताल तोड़ने के लिए कहें। अगर इसके बाद भी कर्मी नहीं मानते हैं, तो इनके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की जाए। इन कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन विभागीय मुख्यालय को भी जल्द भेजा जाए। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह के स्तर से जारी इस पत्र में स्पष्ट रूप से यह निर्देश दिया गया है कि किसी जिले में राजस्व कर्मी अकस्मात हड़ताल पर नहीं जायें, इससे सरकार के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम बाधित हो रहे हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि राजस्व कर्मियों के एक गुट ने राज्य मुख्यालय में अपनी सेवा संबंधित समस्याओं एवं मांगों के संबंध में ज्ञापन दिया था। इस पर विभाग के स्तर से गंभीरता से कार्रवाई की जा रही है। उनकी प्रमुख मांगे ऐसी हैं, जिनका निर्णय वित्त विभाग की सहमति एवं राज्य सरकार का अनुमोदन के पश्चात ही लिया जा सकता है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति औरंगाबाद के अध्यक्ष श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति औरंगाबाद, श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक में जिला पदाधिकारी औरंगाबाद द्वारा सडक दुर्घटनाओं के आँकड़े का विश्लेषण के क्रम में पाया गया कि औरंगाबाद जिला अन्तर्गत माह अप्रैल -2025 तक कुल मृतक की संख्या-129 तथा घायल की संख्या-70 है, जो अत्यंत ही चिंता का विषय है। इस संबंध में सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि ब्लैक स्पॉट वाले स्थानों के पास साईनेज/बोर्ड एवं रम्बल स्ट्रीप आदि लगाना सुनिश्चित करेंगे तथा जिला परिवहन कार्यालय, औरंगाबाद के सभी पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि लगातार दोपहिया वाहन का सघन रूप से हेलमेट का जाँच करना सुनिश्चित करेंगे। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि परिवहन विभाग, बिहार पटना से प्राप्त निदेश के आलोक में हेलमेट एवं सीट बेल्ट का विशेष अभियान चलाकर जाँच किया जाता है। वर्तमान में भी हेलमेट एवं सीट बेल्ट का विशेष जाँच अभियान इस जिला में जारी

है। इसके लिए हमारे मोटरयान निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक एवं सभी थाना औरंगाबाद जिला द्वारा नियमित रूप से हेलमेट एवं सीट बेल्ट का विशेष अभियान चलाकर जाँच किया जाता है तथा जाँच में जप्त वाहनों से जुमार्ने की राशि वसूली जाती है। यातायात नियमों के उल्लंघन के दौरान अप्रैल 2025 से अब तक जिला परिवहन पदाधिकारी,मोटरयान निरीक्षक, प्रर्वतन अवर निरीक्षक एवं सभी थाना द्वारा कुल 01 करोड़ 93 लाख रुपए की शमन की राशि वसूल की गई है। हिट एंड रन से संबंधित मामले में औरंगाबाद जिला अन्तर्गत दिनांक-01.04.2022 से प्राप्त कुल आवेदन-340 में से जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा 326 मामले को स्वीकृत कराकर ऋक्ल, ट४ं को भेजा गया है, जिसमें से 249 लाभुकों को उनके खाते में भुगतान कर दिया गया है। नन हिट एंड रन से संबंधित मामले में औरंगाबाद जिला से मामले का निष्पादन हेतु कुल-119 मूल संचिका को ट्रिब्यूनल कोर्ट, गया में भेजा गया है। पुलिस उपाधीक्षक द्वारा सभी थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक महीने सड़क दुर्घटनाओं से सबंधित डाटा (पोस्टमार्टम रिपोर्ट ऋक्रएवं अन्य दस्तावेज) की एक प्रति जिला परिवहन कार्यालय, औरंगाबाद को जमा करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक यातायात, सिविल सर्जन, परियोजना निदेशक ठळअकसासाराम के सदस्य, ठळ-139 के सदस्य, ठळ-120 के सदस्य, एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

खगड़िया : मिनी गन फैक्ट्री का उद्बेदन, चार मौत के सौदागर गिरफ्तार

खगड़िया से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है.

रंजीत विद्यार्थी

खगड़िया (मुंगेर): मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत खगड़िया जिला से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां स्टेशन से करीब दो सौ गज उत्तर मोइन धार मोहल्ले में स्थित एक घर में चल रही अवैध हथियार फैक्ट्री का पदार्फाश एसटीएफ और पुलिस ने मिलकर किया। पुलिस ने इस दौरान भारी संख्या में अर्ध निर्मित हथियार, हथियारों के पाट्र्स और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। यह सफलता एसपी के नेतृत्व में एसटीएफ, चित्रगुप्तनगर के थानाध्यक्षों समेत प्रशिक्षित जवानों द्वारा की गई सख्त कार्रवाई के दौरान हासिल हुई है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री से जुड़े चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें बेगूसराय जिले के रघुनाथपुर के विट्टू यादव, मुंगेर जिले के कासिम बाजार-मकससपुर के मु. शाहिद, तोफिर दियारा मुंगेर के सियाराम चौधरी और कासिम बाजार-मकससपुर के सोनू उर्फ सरफराज शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इन तस्करों का हथियारों के अवैध कारोबार से गहरा संबंध था, और इनकी गिरफ्तारी के बाद कई महत्वपूर्ण

जानकारियां सामने आई हैं। एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर के एक मोहल्ले में अवैध हथियार निर्माण का कार्य चल रहा है। इस सूचना के आधार पर, उन्होंने बिना समय गंवाए एसटीएफ और पुलिस बल के साथ उस स्थान पर दबिश दी। जैसे ही पुलिस ने घर की घेराबंदी की, तस्कर भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के कारण चारों तस्कर गिरफ्तार कर लिए गए। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने जो सामग्री बरामद की, उसमें एक दर्जन से अधिक अर्ध निर्मित हथियार, हथियारों के विभिन्न पाट्र्स और हथियार बनाने के उपकरण शामिल थे। इन सभी सामग्रियों का इस्तेमाल करके हथियारों का अवैध निर्माण किया जा रहा था। इसके साथ ही छापेमारी के बाद यह भी पता चला कि इस फैक्ट्री से जुड़े तस्करों का नेटवर्क बेगूसराय और मुंगेर जिलों में फैला हुआ है।

एसपी ने इस सफल छापेमारी को एक बड़ी सफलता बताया

फिलहाल, गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस अवैध कारोबार के पीछे अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने यह भी कहा है कि इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं, क्योंकि यह कारोबार एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा प्रतीत होता है। अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्रवाई से पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं, जो अन्य अवैध हथियार फैक्ट्रियों और तस्करों को पकड़ने में मदद कर सकते हैं। पुलिस और एसटीएफ की यह कार्रवाई इलाके में अपराध की रोकथाम और सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सूर्यनगरी देव में महाराणा प्रताप जयंती समारोह को हुआ आयोजन

वक्ताओं नें कहा जिस तरह महाराणा प्रताप नें घास की रोटी खाकर मुगलों से लढ़ें उसीतरह पाकिस्तान के विरुद्ध सिंदूर ऑपरेशन में भी हम भारतीय को एक होकर रहना होगा।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सूर्य नगरी देव के बगीचा रिसोर्ट में महाराणा प्रताप सिंह की जयंती समारोह का आयोजन किया गया ' सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों द्वारा महाराणा प्रताप जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर द्वीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दियें। समाजसेवीयों नें उनके वीरता को याद करते हुए कहा की महाराणा प्रताप मेवाड़ के राजा थे और वे 16वीं शताब्दी के एक महान योद्धा थे। उनका जन्म 9 मई 1540 को कुंभलगढ़ किले में हुआ था. उन्होंने मुगल बादशाह अकबर के खिलाफ मेवाड़ की स्वतंत्रता के लिए युद्ध लड़ा, और *हल्दीघाटी का युद्ध उनकी वीरता का प्रतीक माना जाता है.* महाराणा प्रताप के परम सहयोगी भामाशाह के योगदान को भी याद किया गया ' महाराणा प्रताप जी घास की रोटी खाकर जिस तरह मुगलों से लढ़े उसीतरह वर्तमान में चल रहे पाकिस्तान के प्रति सिंदूर ऑपरेशन में हर भारतीय को एकत्रित होकर रहने का देशभक्ति दिखाने का सन्देश दिया गया ' नेहरू युवा केंद्र के मनोज परमार, नगर अध्यक्ष पिंटू साहिल, बेढ़नी मुखिया मनोज सिंह, सरगाँवा मुखिया बिनोद सिंह, समाजसेवी उपेंद्र यादव,वीर कुंवर सिंह ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बीरेंद्र सिंह, निखिल सिंह, राकेश कुमार, दीपक गुप्ता, आचार्य बिनोद सिंह,पवन पांडेय, संदीप दुबे, शिवम् गुप्ता कार्यक्रम में उपस्थित थे ' उपस्थित सदस्यों नें संकल्प लिया की भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणो की आहुति देना पड़ेगा तो भी हम पीछे नहीं हटेंगे और घास की रोटी खाएंगे पराधीनता स्वीकार नहीं करेंगे का नारा लगाएं '

बिहार में फैंसी नंबर की ऑनलाइन मांग में जबरदस्त उछाल, पटना और मुजफ्फरपुर में छाई लकी नंबर की होड़

पटनाःराज्य में बड़ी संख्या में लोग ऐसे हैं, जो अपनी गाड़ियों में मनपसंद (फैंसी) नंबर लगवाने का शौक रखते हैं। इसके लिए वे अतिरिक्त पैसे भी खर्च करते हैं। कुछ लोग तो इन नंबरों को लेने के लिए बोली लगाकर मुंह मांगी कीमत चुकाने को भी अमादा रहते हैं। फैंसी नंबर लेने में राजधानी पटना के लोग सबसे आगे हैं। जबकि, शिवहर एवं अरवल में ऐसे लोगों की संख्या काफी कम है। परिवहन विभाग से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच पटना जिले में 5 हजार 709 लोगों ने अपने वाहनों के लिए फैंसी नंबर प्लेट लिया है। इसके लिए इन्होंने सरकार को 9 करोड़ 47 लाख 97 हजार रुपये शुल्क के तौर पर दिया है। प्रदेश भर में अप्रैल 2024 से मार्च 2025 यानी बीते वित्तीय वर्ष में 14 हजार 721 वाहन मालिकों ने फैंसी नंबर प्लेट लिए, जिससे 23 करोड़ 91 लाख रुपये की आय विभाग को हुई। विभाग की ओर से शुरू की गई ऑनलाइन फैंसी नंबर प्लेट लेने की व्यवस्था को आमजन की तरफ से काफी सराहा जा रहा है। लोग ऑनलाइन फैंसी नंबर ले सकते हैः मंत्री परिवहन मंत्री शीला कुमारी ने फैंसी नंबर प्लेट सुविधा पर कहा कि मौजूदा समय में आमजनों की आरामदायक परिवहन सुविधा से लेकर उनकी सुरक्षा और पसंद-नापसंद का भी ख्याल रखा जा रहा है। लोगों को अब सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के पोर्टल पर फैंसी नंबर प्लेट लेने की सुविधा दी जा रही है। पहले यह सुविधा नहीं थी, लेकिन अब लोग विभाग की तरफ से निर्धारित राशि का भुगतान कर अपनी गाड़ियों के लिए मनपसंद नंबर ले सकते हैं। कुछ लोग अपना लकी नंबर के आधार पर भी फैंसी नंबर लेते हैं। मंत्री का कहना है कि इससे वाहन मालिकों को भी खुशी मिलती है और इससे सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी हो रही है। फैंसी नंबर लेने में मुजफ्फरपुर के लोग दूसरे स्थान पर पटना के बाद सबसे ज्यादा मुजफ्फरपुर जिले से एक हजार 230 वाहन मालिकों ने फैंसी नंबर के लिए करीब एक करोड़ 88 लाख रुपये खर्च किए। इसके बाद तीसरे स्थान पर गया के 921 वाहन मालिकों ने एक करोड़ 35 लाख रुपये, पूर्णिया के 627 वाहन मालिकों ने करीब एक करोड़ 15 लाख रुपये अदा कर फैंसी नंबर प्लेट लिया है। वहीं, सबसे कम शिवहर जिले से सिर्फ 10 वाहन मालिकों ने ढाई लाख रुपये और अरवल जिले से 12 वाहनों के मालिक ने करीब 2 लाख रुपये फैंसी नंबर प्लेट पर खर्च किए है। समूह ए के नंबरों की कीमत एक लाख रुपये तक पसंदीदा नंबर प्लेट चुनने के लिए वाहन मालिकों को चुनिन्दा नम्बरों के लिए विशेष शुल्क देना पड़ता है।

सुदूरवर्ती क्षेत्रों में राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों के निस्तारण हेतु जागरुकता रथ को किया गया रवाना

यह रथ हर कसबे तक करेगा प्रचार-प्रसार और शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को मिलेगा इसका लाभ- जिला जज

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राज कुमार द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रांगन से राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु जिले के सुदरवर्ती क्षेत्रों के लोगो को जागरूक करने के लिए दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक से सम्बन्धित वैन को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, श्रीमति तान्या पटेल सहित कई न्यायिक पदाधिकारीगण उपस्थित थे। जिला जज ने इस अवसर पर बताया कि दिनांक 10.05.2025 को आयोजित होने जा रहे राष्ट्रीय लोक अदालत का फायदा न सिर्फ शहर एवं कस्बो के लोगो मिले बल्कि जिले के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के लोगो तक पहुँचे इस उद्देष्य के लिए यह जागरूकता रथ कारगार साबित होगा। जिला जज ने इस अवसर पर यह बताते हुए कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से सभी शमनीय वादों का निस्तारण एवं बैंक से सम्बन्धित वादों का निस्तारण निष्चित किया गया है। इस पर जिला जज ने औरंगाबाद जिला के वासियों से अपील किया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने से सम्बन्धित सुलहनीय वादों का निस्तारण करायें और बैंक से सम्बन्धित जो भी बकाया राशियॉ है जो भी संभव हो उनका निदान किया जायेगा और बैंक के पदाधिकारियों द्वारा पूरा सहयोग किया जायेगा। यह रथ जिले के सभी प्रखण्डों के साथ-साथ समस्त ग्रामीण क्षेत्रों तक जायेगा एवं लोगो को हर तरह के सुलहनीय

वादों के साथ-साथ बैंक ऋण से सम्बन्धित का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से करने के लिए प्रेरित करेगा। जागरूकता रथ रवाना के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्रीमति तान्या पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियॉ लगभग पूरी हो चुकी है और अधिक से अधिक लोगो को इसकी जानकारी उपलब्ध हो इसके लिए जागरूकता रथ के साथ-साथ सोसल मीडिया, समाचार-पत्र, तथा अन्य कई माध्यमों से लोगो से यह अपील किया जा रहा है कि वे अपने सुलहनीय वादों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में करायें राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर औरंगाबाद के समस्त थानाध्यक्षो के साथ बैठक का आयोजन किया गया।* जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, श्रीमति तान्या पटेल के द्वारा आज जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कॉन्फ्रेंस हॉल में औरंगाबाद जिले में पदस्थापित सभी थानाध्यक्षो की एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में कल अयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफलता हेतु थानाध्यक्षो के द्वारा उनके स्तर से मामलों के चिंहित कर अपने अपने थाना क्षेत्र में लोक अदालत के सम्बंध में जागरूक कर अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन करवाने हेतु प्रेरित किया गया। बैठक में सचिव ने थानाध्यक्षो को कहा कि प्राधिकार ने विभिन्न न्यायालयों में लंबित सुलहनीय वादों की सूची थानावार तैयार कर भेजी गयी है जिसमे आपकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उक्त मामलो में पक्षकारों से सम्पर्क स्थापित कर उन्हें प्रोत्साहित करें कि उक्त मामलों को खत्म कर भाई चारे प्रेम के वातावरण और विवाद मुक्त समाज बनाने में प्रशासन का सहयोग करें। अगर उन्हें पक्षकारों के काउंसलिंग में आवश्यकता पड़े तो वे पक्षकारों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार अथवा संबंधित न्यायालय में भेजें, बैठक में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री लाल बिहारी पासवान ने कहा कि थाना अध्यक्ष अपने अपने थाना क्षेत्र में वैसे वाद जिसमें प्रथम अपराध से जुड़े मामले जिसमें गंभीर अपराधों कारित नहीं हो उसको चिन्हित कर जल्द से जल्द उसमें आरोप पत्र समर्पित करें ताकि समय रहते उसमें करवाई किया जा सके।

तावडू में रसायन कबाडे में फिर से लगी आग

तावडू। उपमंडल के गांव खोरी कला के वन क्षेत्र और पंचायती भूमि पर अवैध रूप से जलाए जाने वाले रसायन कबाड़ में गुरूवार को फिर से आग लग गई। जिसे फायर ब्रिगेड की गाडी ने मौके पर पहुंच काबू किया। इस वन क्षेत्र में इस तरह से कई बार आग लग चुकी है। जिसको लेकर गत दिनों जिला उपायुक्त कार्यालय से पत्र जारी कर पांच सदस्य कमेटी का गठन किया गया था। मंगलवार को टीम ने वन क्षेत्र का निरीक्षण किया। वहीं टीम ने रसायन कबाड हटाने का निर्णय लिया था। लेकिन यह कबाड़ किसी कारणवश नहीं हट पाया और इसमें फिर से आग लग गई। उल्लेखनीय है कि टीम में एसडीएम तावडू, जिला वन अधिकारी, डीएसपी तावडू और क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पांच सदस्यीय टीम गठित की गई थी। वर्षो से इस क्षेत्र में औद्योगिक नगरी भिवाड़ी, खुशखेड़ा, मानेसर और धारूहेड़ा से रसायन युक्त कबाड़ जलाकर पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा था। इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा था बल्कि वन्य जीव भी लुप्त होते जा रहे थे। कबाड़ जलाने के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा था। बहुत से लोगों में दमे और त्वचा संबंधित बीमारियां भी बढ़ने लगी थी।

यातायात जागरूकता पाठशाला आयोजित करके ऑटो/टैक्सी चालकों को किया जागरूक

गुरुग्राम। पुलिस उपायुक्त यातायात डा. राजेश मोहन के निर्देशन में कार्य करते हुए सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/हाईवे सत्यपाल यादव की देखरेख में यातायात निरीक्षक नीरज कुमार, यातायात निरीक्षक करण सिंह, यातायात पुलिस कर्मचारीयो और रवि शर्मा हीरो मोटोकॉर्प द्वारा सडक़ सुरक्षा जीवन रक्षा के तहत क्राउन प्लाजा स्थित हीरो पार्क में यातायात नियमों की जागरूकता पाठशाला को दोनों दिन लगातार जागरूकता पाठशाला लगाई गई। इस ट्रैफिक पार्क में यातायात नियमों, यातायात चिन्हों के बारे जागरूकता लाने के लिए अलग-अलग स्कूलों के छात्र,ऑटो /ई रिक्शा/टैक्सी चालक लाए जाते हैं और उनको यातायात नियमों बारे निरन्तर जागरूक किया जा रहा है। 7 मई को इस ट्रैफिक पार्क में 22 ऑटो/टैक्सी चालकों और वीरवार को 25 ऑटो/ टैक्सी चालकों को यातायात नियमों और यातायात चिन्हों बारे जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस दौरान मौजूद कुल 47 ऑटो/टैक्सी चालकों को यातायात नियमों जैसे दुपहिया वाहन चालक हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें ,वाहन चलाते समय किसी भी प्रकार का नशा ना करें, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें, रॉन्ग साइड ड्राइविंग ना करें, लेन ड्राइविंग करें आदि यातायात नियमों बारे जानकारी दी गई। टैक्सी चालकों को सवारियों के साथ मधुर व सभ्यता के साथ व्यवहार करने बारे प्रेरित किया गया, ताकि सफर के दौरान यात्री और अधिक सुरक्षित महसूस करें।

स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से दिया जा रहा ऋण

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की ओर से अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को, जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, बीपीएल परिवार को अपना स्वयं रोजगार स्थापित करने हेतु बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। डीसी अजय कुमार ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि योजना का लाभ उन पात्र परिवारों को मिलेगा जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 1 लाख 80 हजार रुपये (परिवार पहचान पत्र अनुसार) से अधिक न हो, को बैंकों के माध्यम से 1 लाख 50 हजार रुपये तक का ऋण पशु पालन, किरयाना दुकान, मनियारी दुकान, ब्यूटी पार्लर, ई-रिक्शा, सूअर पालन या अन्य कोई लाभप्रद योजना इत्यादि के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। डीसी ने बताया कि निगम द्वारा कुल लागत का 50 प्रतिशत (अधिकतम 10 हजार रुपये तक का अनुदान व 10 प्रतिशत मार्जिन मनी 4 प्रतिशत वार्षिक व्याज दर पर उपलब्ध करवाया जाता है तथा बकाया ऋण बैंकों द्वारा दिया जाता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कल होगा लंबित मामलों का होगा समाधान : रमेश चंद्र

गुरुग्राम। अदालतों में सालों से लंबित पड़े मामलों को जल्दी और आपसी सहमति से निपटाने की दिशा में एक और पहल करते हुए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 10 मई को गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। गुरुग्राम के जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर के साथ ही पटोदी और सोहना के उपमंडल न्यायिक परिसरों में भी विशेष बेंच के माध्यम से 10 मई को मामलों का निपटारा किया जाएगा। इस अवसर पर वादकारी अपने मुकदमों को बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के, समझौते के ज़रिए सुलझा सकते हैं। वे खुद या अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से अदालत में पेश होकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव रमेश चंद्र ने बताया कि इस लोक अदालत का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों को आपसी समझदारी और सौहार्दपूर्ण माहौल में निपटाना है। उन्होंने बताया कि ऐसे मामले जिनमें दोनों पक्ष किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं, लोक अदालत उनके लिए एक बेहतरीन मंच है।

नूंह जिले में एक साल में बाल विवाह की मिली 32 शिकायत : मधु जैन

जिलावासियों को बाल विवाह के प्रति समय-समय पर किया जा रहा है जागरूक

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले में बाल विवाह रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सरकार और प्रशासन द्वारा लगातार अपनी हर कोशिश की जा रही, जिससे मेवात जिले में बाल विवाह रुक सके। लेकिन नूंह जिले की बात करे तो अप्रैल 2024 से अप्रैल 2025 तक एक साल के अंदर 32 बाल विवाह की शिकायते विभाग को मिली है। जिन पर कार्रवाई करते हुए बाल विवाह को रुकवाने के साथ साथ कुछ शिकायतों पर मुकदमा भी दर्ज किए गए हैं। नूंह जिले की महिला एवं बाल संरक्षण अधिकारी मधु जैन ने बताया कि उन्हें जो भी शिकायत मिली है उन लगातार कार्रवाई की गई है और समय-समय पर लोगों को जागरूक करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह पर काम कर रही एम डीडी ऑफ इंडिया शक्ति वाहिनी टीम जैसी अन्य

संस्थाएं काफी समय से नूंह जिले में काम कर रही है। अगर पहले साल 2022 व 2023 में बाल विवाह की सख्या ज्यादा थी। लेकिन अभी भी नूंह जिले में बाल विवाह कराया जा रहा है। नूंह जिले में अभी भी बाल विवाह को लेकर जागरूकता चलाया जा रहा है। मेवात के लोगों को इसके प्रति जागरुक होने की जरूरत है, अगर ऐसा नहीं हुआ तो बाल विवाह मुक्त मेवात नहीं हो सकता है। आपको बता दें कि नूंह जिले के खंड तावडू, फिरोजपुर झिरका, पुनहाना, नगीना, जैसे ब्लॉक में अभी भी बाल विवाह हो रहे हैं। कुछ हद तक बाल विवाह रुके है और पहले गांव के लोग बाल विवाह की शिकायत नहीं करते थे। लेकिन अब गांव के लोग बाल विवाह होने की जानकारी देते हैं। मेवात से बाल विवाह खत्म करने के लिए अभी कुछ समय ओर मेहनत करनी की जरूरत है। तभी जाकर बाल विवाह मुक्त भारत होगा। मेवात जैसे जिले में एम डीडी ऑफ इंडिया शक्ति वाहिनी जैसी संस्था को नूंह जिले में बाल विवाह पर अभी ओर मेहनत करने की जरूरत है। आपको बता दें कि मेवात जिला में 12 साल से लेकर 17 साल तक के बच्चो की शादी करा दी जाती है। मेवात में अभी भी लोगों में जागरूकता की कमी है। जिसमें एम डीडी ऑफ इंडिया शक्ति वाहिनी को अभी भी नूंह जिले में ओर काम करने की जरूरत है जिससे बाल विवाह मुक्त भारत हो सके।

निगमायुक्त ने नरसिंहपुर क्षेत्र का दौरा कर मानसून तैयारियों का लिया जायजा

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने वीरवार को नरसिंहपुर क्षेत्र का दौरा कर आगामी मानसून सत्र को देखते हुए जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को रोकने के लिए पूर्व तैयारियों में कोई कोताही न बरती जाए। दहिया ने कहा कि बरसात के पानी की त्वरित निकासी के लिए अतिरिक्त वाटर लाइन और पंप की व्यवस्था पर कार्य किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाए और सभी जरूरी उपाय समय से पूर्व पूर्ण कर लिए जाएं। निरीक्षण के दौरान नगर निगम गुरुग्राम के चीफ इंजीनियर विजय ढ़ाका, जीएमडीए के अधीक्षण अभियंता सुधीर, कार्यकारी अभियंता संजीव कुमार एवं सहायक अभियंता प्रेमसिंह उपस्थित रहे। निगमायुक्त ने यह भी कहा कि नगर निगम की फील्ड टीमें मानसून से पहले सक्रिय रूप से कार्य प्रारंभ करें और किसी भी आपात स्थिति के लिए आवश्यक संसाधन व उपकरण तैयार रखें।

अवैध कॉलोनियों में ना करें कोई निर्माण, विभाग द्वारा की जाएगी कार्रवाई : डीटीपी

इंद्री में 2 अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई

एजेंसी

करनाल। जिला नगर योजनाकार सतीश कुमार ने बताया कि गत दिवस इंद्री में 2 अवैध कॉलोनियों के विरूद्ध तोडफोड की कार्रवाई की गई।

उन्होंने बताया कि पहली अवैध कॉलोनी मुरादगढ रोड पर इंद्रगढ गांव पर स्थित जिसमें सभी कच्ची सड़कों एवं 2 डी.पी.सी. के के विरूद्ध तोडफोड की जो कि लगभग 4 एकड़ में स्थित। इसी प्रकार से दूसरी अवैध कॉलोनी जो कि मुरादगढ रोड पर मटक माजरी गांव में जोकि 4 एकड़ में स्थित है। जिसमें सभी कच्ची सडक़ों के विरूद्ध तोडफोड की कार्यवाही की गई। जिला नगर योजनाकार ने लोगों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति अवैध कॉलोनी में कोई निर्माण नहीं करें अन्यथा कार्यालय द्वारा तोडफोड की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा

कि अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माणों के विरुद्ध किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी व तोडफोड की कार्यवाही जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज करवाये जायेंगे।

मंत्री अनिल विज की अनुशंसा पर एसडीओ/ओपी अवनीत भारद्वाज, सब डिवीजन,डीएचबीवीएनएल,फरुखनगर को तुरंत प्रभाव से किया गया निलंबित

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक द्वारा जारी हुए आदेश

निलंबन के दौरान अवनीत भारद्वाज का मुख्यालय हिसार होगा, प्रत्येक कार्य दिवस पर लगानी होगी हाजिरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज की अनुशंसा पर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने अवनीत भारद्वाज, एसडीओ/ओपी सब डिवीजन, डीएचबीवीएनएल, फरुखनगर, गुरुग्राम को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं।

इन आदेशों के तहत बताया गया है कि अवनीत भारद्वाज को एसडीओ/ओपी सब डिवीजन, डीएचबीवीएनएल, फरुखनगर के रूप में उनके गैर-प्रदर्शन और नियंत्रण की कमी के कारण डीएचबीवीएनएल कर्मचारी (दंड और अपील) विनियम-2019 के

विनियमन -7 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही के मद्देनजर तुरंत प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलम्बन के दौरान इस अधिकारी का मुख्यालय एसई/ओपी सर्कल, डीएचबीवीएनएल, हिसार के कार्यालय में निर्धारित किया गया है, जहां वे प्रत्येक कार्य दिवस पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इसके अलावा, निलम्बन अवधि के दौरान, अवनीत भारद्वाज को हरियाणा सिविल सेवाएं (सामान्य) नियम-2016 के नियम-83 के अन्तर्गत देय निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गत दिनों ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने एक रिपोर्ट के आधार पर अवनीत भारद्वाज के निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए तुरंत प्रभाव से निलंबित करने की अनुशंसा की थी, जिस पर यह कार्रवाई की गई है।

डिजिटल युग में सुरक्षा के प्रति सचेत रहना बहुत जरूरी : इंदु सपरा

एजेंसी

रोहतक। लाखनमाजरा स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में साइबर क्राइम विषय पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साइबर विशेषज्ञ प्रवीण कुमार ने छात्रों को साइबर अपराधों के जैसे कि फिशिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर बुलीइंग, डाटा हैकिंग आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज

के डिजिटल युग में सुरक्षा के प्रति सचेत रहना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर प्राचार्य इंदु सपरा ने कहा कि ऐसी शैक्षणिक गतिविधियां छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सजग करना और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की जानकारी देना था। व्याख्यान के पश्चात प्रश्न-उत्तर सत्र में छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा से जुड़ी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। इस अवसर पर डॉ. मनीषा, पूजा, जोगेंद्र ने भी अपने विचार सांझा किये ।

विजिलेंस ब्यूरो ने रिश्वत मामले में फरार मीटर रीडर को किया गिरफ्तार

एजेंसी

फिरोजपुर। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान बुधवार को रिश्वतखोरी के मामले में फरार चल रहे पावरकॉम के मीटर रीडर प्रितपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। वह पटियाला जिले के गांव खेड़ी मन्निया का निवासी है। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए राज्य चौकसी ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपियों के विरुद्ध दिनांक 19.09.2024 को ब्यूरो के पटियाला रेंज पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 42 के अंतर्गत भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने आगे बताया कि पटियाला शहर के एक शिकायतकर्ता ने पीएसपीसीएल कार्यालय, पटियाला में तैनात उक्त आरोपी प्रितपाल सिंह के खिलाफ मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार निरोधक कार्रवाई लाइन पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, उक्त मीटर रीडर ने शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी, जिसके घर में निजी बिजली मीटर लगा हुआ था, लेकिन सौदा 25,000 रुपये में तय हुआ था। प्रवक्ता ने बताया कि यह बिजली कर्मचारी आठ महीने से गिरफ्तारी से बच रहा था ।

समाधान शिविर में एसडीएम ने सुनी जनसमस्याएं, कई मामलों का मौके पर हुआ समाधान

एजेंसी

महेंद्रगढ़। पायुक्त डा. विवेक भारती के मार्गदर्शन में वीरवार को लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीएम अनिल कुमार यादव ने आम नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। एसडीएम ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शिविर में उपमंडल के विभिन्न गांवों से आए नागरिकों ने परिवार पहचान पत्र (पीपीपी आईडी), वृद्धावस्था पेंशन, आवास योजना, पीने के पानी की समस्या व राजस्व विभाग से संबंधित अनेक समस्याएं रखीं। शिविर में कुल 41 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से अधिकतर का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति हेतु समय-सीमा तय की गई। एसडीएम ने कहा कि जन शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी समाधान हेतु ऐसे शिविर बेहद प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं।

प्रशासन का प्रयास है कि हर नागरिक को सुनवाई और समाधान का अवसर मिले ताकि जनता का भरोसा बना रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए तथा प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान की जानकारी समय पर

दी जाए। उन्होंने यह भी बताया कि उपमंडल में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रात 10 बजे से 12 बजे तक नियमित रूप से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिकों को इन शिविरों का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। समाधान शिविर में उपस्थित नागरिकों ने जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें अपनी समस्याएं सीधे उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। इससे संवाद की प्रक्रिया सशक्त हो रही है और शिकायतों का समाधान भी तेजी से हो रहा है।

समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना: नगराधीश

एजेंसी

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार सोमवार व वीरवार को जिला व उप मंडल स्तर पर लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में आज लघु सचिवालय में नगराधीश मंजीत कुमार ने आमजन की शिकायतें

सुनी। समाधान शिविर में कुल 45 शिकायतें आई। नगराधीश मंजीत कुमार ने कहा कि इन समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में जो भी शिकायतें आती हैं उनका मौके पर ही समाधान करें। इस मौके डीएसपी हरदीप के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिले में गाड़ियों के शीशों पर ब्लैक फिल्म या जाली लगाई तो होगी कार्रवाई : राजेश कुमार

एजेंसी

नूंह। नूंह पुलिस कप्तान राजेश कुमार ने वाहन चालकों को संदेश देते हुए कहा है कि गाड़ियों के काले शीशे करवाना या उस पर किसी तरह की जाली लगाना यातायात के नियमों का उल्लंघन है और साथ ही गैरकानूनी भी है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों के अनुसार कार के शीशों पर जीरो विजिबिलिटी वाली ब्लैक फिल्म लगाने पर 10 हजार रुपए के चालान करने का प्रावधान है। एसपी राजेश कुमार ने बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति अपनी गाड़ी के शीशों में काली फिल्म नहीं लगा सकता । काला शीशा लगे वाहन के अंदर कौन है, इसका पता न तो पुलिस को चल पाता है और न ही जनता को, काले शीशा लगे वाहनों का उपयोग अक्सर आपराधिक गतिविधियों के लिए होता आया है और इस प्रकार की गाड़ियों से हत्या, अपहरण जैसी अन्य वारदातों को भी अंजाम दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोग अपनी पहचान छिपाने के लिए ऐसे वाहनों का उपयोग करते हैं। इसलिये ब्लैक फिल्म या जाली वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। जिला नूंह में ट्रैफिक पुलिस के साथ-साथ संबंधित थाना पुलिस भी ऐसे वाहनों पर कार्रवाई करेगी। एसपी राजेश कुमार ने बताया कि जिला ट्रैफिक पुलिस को ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं जो इस तरह की काली फिल्म लगाकर कानून का पालन नही करते हैं। उन्होंने बताया कि अगर किसी भी वाहन पर प्रतिबंधित फिल्म पाई गई तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

आपात स्थिति में तैयारियों को लेकर सीएमओ ने की सभी निजी व सरकारी अस्पतालों संग बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए डीसी अजय कुमार के दिशा निर्देशन में जिला स्वास्थ्य विभाग ने आपात स्थिति को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी संदर्भ में सिविल सर्जन डॉ अल्का सिंह ने वीरवार को जिला के सभी सरकारी व निजी अस्पताल के पदाधिकारियों संग बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। डॉ अल्का सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को त्वरित और प्रभावी स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जाए, इसके लिए सभी संसाधनों को तैयार अवस्था में रखा जाए। उन्होंने सभी अस्पतालों को निर्देशित किया कि दवाइयों, रक्त की उपलब्धता, एम्बुलेंस, ऑक्सीजन सप्लाई, और चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आपातकालीन स्थिति के दौरान स्वास्थ्य विभाग का कोई भी अधिकारी अथवा कर्मचारी जिला मुख्यालय नहीं छोड़ेगा और आवश्यकता पडऩे पर 24×7 सेवाएं देने के लिए तत्पर रहेगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की ओर से सभी चीफ मेडिकल आफिसर को पत्र जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि आपके अधीन आने वाले अधिकारी व कर्मचारी बिना मंजूरी के जिला मुख्यालय नहीं छोड़ सकते हैं और न ही अवकाश पर जा सकते हैं। किसी भी प्रकार का आदेश आगामी आदेशों तक मंजूर नहीं किया जाएगा। अगर किसी को इमरजेंसी में अवकाश लेना है तो महानिदेशक की मंजूरी के बिना नहीं दिया जाएगा। उन्होंने निजी अस्पतालों से भी आह्वान किया कि वे इन निर्देशों की अपने संस्थान में पालना सुनिश्चित करें। सीएमओ ने बैठक में सभी अस्पतालों से किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए 20 फीसदी बेड रिजर्व रखने के निर्देश दिए हैं।

भूटान और अडानी समूह के बीच 5000 मेगावाट जलविद्युत विकास के लिए समझौता

थिम्पू/नई दिल्ली। भूटान सरकार और अडानी समूह ने देश की जलविद्युत क्षमता को प्रोत्साहन देने और क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से 5000 मेगावाट की जलविद्युत और पंप स्टोरेज परियोजनाओं के संयुक्त विकास के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी भूटान के वर्ष 2040 नवीकरणीय ऊर्जा रोडमैप के अनुरूप है और भारत-भूटान ऊर्जा सहयोग को और सुदृढ़ करती है। इस समझौते पर ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन (डीजीपीसी) के प्रबंध निदेशक दाशो छेवांग रिनजिन और अडानी ग्रीन हाइड्रो लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी (पीएसपी और हाइड्रो) नरेश तेलगु ने थिम्पू में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे, ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री ल्योनपो जेम शेरिंग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह साझेदारी पहले से प्रगति पर चल रही 570/900 मेगावाट वांगचू जलविद्युत परियोजना पर आधारित है, जिसमें डीजीपीसी की 51 प्रतिशत और अडानी की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा अब 5000 मेगावाट की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नई साइटों की पहचान, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी और चरणबद्ध कार्यान्वयन किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर ट्रेड मार्क की अर्जी भूल से थी, वापस ले ली गयी : रिलायंस

नयी दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' को समूह की किसी इकाई के ट्रेड मार्क के रूप में दर्ज करने का उसका कोई इरादा नहीं है और इस संबंध में भूल से लगायी गयी अर्जी वापस ले ली गयी है। रिलायंस की ओर से जारी एक बयान में आज कहा गया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की जनभावनना से जुड़ गया है और यह देश की बहादूरी का प्रतीक बन गया है।कंपनी ने कहा कि समूह की कंपनी जियो स्टूडियोज के एक कनिष्ट कर्मचारी ने बिना अनुमति के ट्रेड मार्क के लिए आवेदन कर दिया था, जिसे वापस ले लिया गया है। बयान में कहा गया, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इसके सभी हितधारकों को पहलगाम में पर्यटकों पर पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों के हमले के जवाब में भारतीय सैन्य बलों के अभियान (ऑपरेशन सिंदूर) पर असीम गर्व है। यह अभियान हमारे सशस्त्र बलों की गौरवपूर्ण उपलब्धि है और आतंकवाद के प्रति भारत के अडिग संघर्ष का प्रतीक है।

जिंदल स्टेनलेस का अंतिम तिमाही में शुद्ध लाभ 94.32 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी कंपनी जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 925 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 476 करोड़ रुपये की तुलना में 94.32 प्रतिशत अधिक है।कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक के बाद उसके प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा कि मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में कंपनी का राजस्व 10786 करोड़ रुपये रहा है जो मार्च 2024 में समाप्त तिमाही के 9521 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 13.28 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि मार्च 2025 में समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी का एकल शुद्ध लाभ 2711 करोड़ रुपये रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 2531 करोड़ रुपये की तुलना में 7.12 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में समाप्त वित्त वर्ष में कुल राजस्व 40182 करोड़ रुपये रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 38356 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 4.76 प्रतिशत अधिक है। श्री जिंदल ने कहा ÷पिछला वित्तीय वर्ष हमारे लिए एक अहम साल रहा, जिसने हमारे घरेलू बाज़ार में मज़बूत स्थिति बनाने और हमारी आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने के लक्ष्य को पूरा किया। इंडोनेशिया में हमारी एनपीआई सुविधा का जल्दी चालू होना, क्रोमेनी स्टील्स का पूरी तरह अधिग्रहण करना और एम1एक्सचेंज में हमारा निवेश, इन सभी ने हमारे व्यापार को मज़बूत किया है। एम1 एक्सचेंज में हिस्सेदारी ने कच्चे माल की सुरक्षा, उत्पादों में विविधता और डिजिटल नेतृत्व में एक बड़ा कदम उठाने में मदद की। जैसे-जैसे हम ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल बढ़ाते हैं।

7.85 करोड़ की जीएसटी आईटीसी धोखाधड़ी का भंडाफोड़ ; चार्टर्ड अकाउंटेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली । वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) धोखाधड़ी पर एक बड़ी कार्रवाई में सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयुक्तालय ने दक्षिण दिल्ली में लगभग 7.85 करोड़ रुपये की राशि के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों से जुड़ी धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हुये एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने यहां जारी बयान में कहा कि इस मामले में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 69(1) के तहत गिरफ्तार किया गया और 07 मई 2025 को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने उसे 21 मई 2025 तक 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच में 80 से अधिक जीएसटीआईएन (वस्तु एवं सेवा कर पहचान संख्या) का दुरुपयोग पाया गया, जो मुख्य रूप से पालम/द्वारका क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट के ईमेल आईडी और संपर्क नंबरों से जुड़े थे। सर्कुलर ट्रेडिंग में लगे 31 जीएसटीआईएन के एक मुख्य समूह की पहचान की गई, जिसमें वस्तुओं या सेवाओं की कोई वास्तविक आपूर्ति नहीं थी।

जीएसटी घोटाले में 800 करोड़ की हेराफेरी

पश्चिम बंगाल और झारखंड में ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल और झारखंड में जीएसटी इनवॉइस घोटाले की जांच के तहत एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की। रांची, जमशेदपुर और कोलकाता में कुल नौ जगहों पर हुई इस कार्रवाई में फर्जी बिलों के जरिए 800 करोड़ रुपये से अधिक के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ है।ईडी को शक है कि आरोपित शिवकुमार देवड़ा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता ने मिलकर करीब 14 हजार 325 करोड़ रुपये के फर्जी इनवॉइस जारी किए और उसका फायदा उठाकर सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया। सुमित और अमित गुप्ता के दफ्तर कोलकाता में मौजूद हैं, जहां तलाशी अभियान चलाया गया है।इस घोटाले से संबंधित जमशेदपुर के जुगसलाई निवासी व्यवसायी विक्की भालोटिया के घर पर भी ईडी की दबिश पड़ी। इससे पहले इसी प्रकरण में बबलू

जायसवाल का नाम भी सामने आ चुका है, जो पहले से ईडी के निशाने पर हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी एक संगठित रैकेट का हिस्सा थे जो सैकड़ों फर्जी कंपनियों के नाम पर कागजी लेन-देन कर रहे थे।

पैसे को रियल एस्टेट और शैल कंपनियों में लगाया गयाईडी के एक शीर्ष अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घोटाले से कमाई गई भारी रकम को रियल एस्टेट, नकद लेनदेन, शैल कंपनियों और विदेशी खातों में लगाया गया है। कई संपत्तियां भी चिन्हित की गई हैं जिन्हें मामूली मूल्य पर दिखाया गया है, जबकि उनकी वास्तविक कीमत करोड़ों में है। ईडी अब इन संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया में है। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के तहत व्यापारी अपने खरीदे गए सामान या सेवाओं पर चुकाए टैक्स को आगे बिक्री पर चुकाए टैक्स से समायोजित कर सकते हैं। लेकिन इस मामले में आरोपितों ने ऐसा दिखाया जैसे उन्होंने भारी मात्रा में सामान खरीदा और टैक्स चुकाया, जबकि कोई वास्तविक लेनदेन हुआ ही नहीं। इस तरह फर्जी बिलों के जरिए टैक्स रिफंड का दावा किया गया। ईडी ने छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में दस्तावेज, डिजिटल डेटा और बैंक विवरण जब्त किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस घोटाले में कई अन्य कारोबारी और बिचौलियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

स्टार्टअप इकाइयों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना के तहत गारंटी की सीमा दोगुनी की गयी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने स्टार्टअप इकाइयों के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसएस) में गारंटी की सीमा का विस्तार कर दोगुना करने की अधिसूचना जारी कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने योजना के तहत प्रति उधारकर्ता गारंटी कवर की सीमा को दस करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दिया है। विज्ञप्ति में कहा गया है ऋण चूक की दशा में 10 करोड़ रुपये तक की ऋण राशि के लिए गारंटी कवर की सीमा भी बढ़ाकर चूक की राशि के 85 प्रतिशत तक तथा 10 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण राशि के लिए 75 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा 27 चैंपियन क्षेत्रों में स्टार्टअप्स के लिए वार्षिक गारंटी शुल्क (एजीएफ) को दो प्रतिशत से घटा कर एक प्रतिशत कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि

विनिर्माण और सेवा क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत इन चैंपियन क्षेत्रों की पहचान की गई है। सरकार का मानना है कि चैंपियन क्षेत्रों के लिए एजीएफ में कटौती से पहचाने गए क्षेत्रों के लिए वित्तपोषण अधिक आकर्षक हो जाएगा तथा घरेलू विनिर्माण और आत्मनिर्भरता में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

मप्र सरकार का बड़ा फैसला, कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर हुआ 55 प्रतिशत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर 55 प्रतिशत कर दिया है। इसी माह से राज्य के सभी कर्मचारियों को इसी मई के माह से ही केन्द्र के कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता मिलेगा। इस संबंध में गुरुवार देर शाम राज्य शासन ने आदेश जारी किया है। इसका फायदा कर्मचारियों के साथ ही पेंशनर्स को भी मिलेगा। इसके अलावा छठवां वेतनमान पा रहे कर्मचारियों के भी महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के आदेश जारी किए गए हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इसी महीने महंगाई भत्ता बढ़ाकर 55 फीसदी करने की घोषणा की थी। पिछली कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी गई थी। कैबिनेट के फैसले के बाद वित्त विभाग ने शासकीय सेवकों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते की दर में वृद्धि का आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार, सातवें वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों को वर्तमान 50 फीसदी महंगाई भत्ते के स्थान पर दो चरणों में बढ़ा हुआ भत्ता मिलेगा। एक जुलाई 2024 से महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़कर 53 फीसदी किया गया है, जिसका

भुगतान अगस्त 2024 के वेतन में होगा। इसी तरह एक जनवरी 2025 से इसमें और दो प्रतिशत की वृद्धि कर इसे कुल 55 फीसदी कर दिया जाएगा, जिसका भुगतान फरवरी 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

मई 2025 से मिलेगा लाभ, एरियर पांच किश्तों में

राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस वृद्धि का वास्तविक लाभ 1 मई 2025 से दिया जाएगा और 1 जुलाई 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक की एरियर राशि का भुगतान जून से अक्टूबर 2025 के बीच पांच किश्तों में किया जाएगा।

सेवानिवृत्त व दिवंगत कर्मियों को एकमुश्त भुगतान

1 जुलाई 2024 से 31 मई 2025 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके शासकीय कर्मचारियों को एरियर की पूरी राशि का एकमुश्त भुगतान किया जायेगा। इसी तरह एक जुलाई 2024 से 31 मई 2025 की अवधि में मृत कर्मचारियों के परिजनों को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी। वहीं, एक अन्य निर्देश में कहा गया है कि 50 पैसे या उससे अधिक की राशि को अगले पूर्णांक रुपये में पूर्णांकित किया जाएगा। महंगाई भत्ते का कोई भी भाग वेतन के रूप में नहीं माना जाएगा। इस भुगतान का व्यय संबंधित विभाग के चालू वित्तीय वर्ष के स्वीकृत बजट प्रावधान से अधिक नहीं होना चाहिए।

भारत और चिली ने सीईपीए पर वार्ता के लिए संदर्भ शर्तों पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और चिली ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए आधिकारिक तौर पर संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। इस ऐतिहासिक कदम को इन दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर भारत में चिली के राजदूत जुआन अंगुलो और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव और भारतीय पक्ष की ओर से भारत-चिली सीईपीए के मुख्य वार्ताकार विमल आनंद ने विधिवत हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को दोहराया और 26 से 30 मई, 2025 को नई दिल्ली में होने वाली पहली वार्ता के दौरान सार्थक चर्चा के प्रति आशा व्यक्त की। सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल सेवाओं, निवेश साझा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चस्तरीय यात्राओं के आदान-प्रदान से द्विपक्षीय संबंध निरंतर रूप से मजबूत हुए हैं। जनवरी, 2005 में दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग

प्रोत्साहन एवं सहयोग, एमएसएमई, महत्वपूर्ण खनिजों आदि सहित कई क्षेत्रों को शामिल करना है, जिससे आर्थिक एकीकरण और सहयोग बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और चिली रणनीतिक साझेदार और करीबी सहयोगी हैं। दोनों देश उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध पर एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, उसके बाद मार्च, 2006 में अधिमान्य व्यापार समझौते (पीटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। तब से भारत और चिली के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध मजबूत बने हुए हैं और निरंतर प्रगति की दिशा में अग्रसर हैं।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना में बिहार का देश में तीसरा स्थान

एजेंसी

पटना। बिहार ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना (पीएमईजीपी) के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस योजना के क्रियान्वयन में देश में बिहार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। पहले स्थान पर जम्मू-कश्मीर और दूसरे स्थान पर तमिलनाडु है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेशभर से 35 हजार 406 लोन लेने के लिए आवेदन आए। इन आवेदनों को उद्योग विभाग की तरफ से बैंक को भेजे गए, जिनमें 8 हजार 77 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत किए गए इन आवेदनों के अंतर्गत 14 हजार 899 लाख रुपये की राशि स्वीकृति प्रदान की गई है।

बिहार को पीएमईजीपी आवेदनों की जांच स्वीकृति प्रदान करने में देश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि आवेदन स्वीकृति के मामले में राज्य तीसरे स्थान पर रहा। सबसे खास बात यह रही कि बिहार ने 115 प्रतिशत की सैंक्शन दर हासिल की है, जो योजना के सफल क्रियान्वयन

को दर्शाता है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत उन्हें स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए 20 लाख से 50 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना में आवेदन करने के लिए व्यक्ति की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। आवेदनकर्ता की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास होनी चाहिए। वैसे युवा इस योजना के पात्र नहीं होंगे, जिन्होंने पूर्व में किसी सरकारी ऋण सब्सिडी का लाभ प्राप्त किया हो। इस योजना का लाभ नए प्रोजेक्ट के तहत ही खासतौर से लिया जाता है। पहले से चल रही परियोजनाओं को इसमें शामिल नहीं किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत सामान्य कोटि के लाभार्थियों को शहरी क्षेत्र में 15 प्रतिशत तथा ग्रामीण क्षेत्र में 25 प्रतिशत के अनुदान लाभ मिलता है। आरक्षित वर्ग जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, महिला, अल्पसंख्यक एवं दिव्यांगजनों को शहरी क्षेत्र में 25 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 35 प्रतिशत तक का लाभ दिया जाता है।

इस बाबत प्रदेश के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि पीएमईजीपी योजना के क्रियान्वयन में बिहार का देश में तीसरा स्थान आना गर्व की बात है। साथ ही यह इस बात का भी परिचायक है कि राज्य के युवा बड़ी संख्या में इससे लाभ प्राप्त करके स्वरोजगार को अपना रहे हैं। युवाओं को स्वालंबी बनाते हुए रोजगार मुहैया कराने में यह बेहद कारगर साबित हो रहा है।

एलएंडटी का तिमाही मुनाफा 22.6 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। बुनियादी ढांचा समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 5003.54 करोड़ रुपये के मुकाबले 22.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 6133.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 6133.44 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही के 5003.54 करोड़ रुपये से 22.6 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 68120.42 करोड़ रुपये से 10.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 75527.33 करोड़ रुपये हो गई। इस दौरान उसके कुल व्यय में भी 10.2 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 61792.19 करोड़ रुपये से बढ़कर 67988.09 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में उसे 17687.39 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 15569.72 करोड़ रुपये के मुकाबले 13.6 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसकी कुल आय 225270.94 करोड़ रुपये से 15.4 प्रतिशत बढ़कर 259859.27 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह इस अवधि में उसका कुल व्यय भी 204847.44 करोड़ रुपये से 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 236755.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलएंडटी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एस. एन. सुब्रह्मण्यन ने कहा, वर्ष का समापन शानदार तरीके से हुआ, जो उत्कृष्ट प्रदर्शन की एक और अवधि को दर्शाता है।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत को लेकर अफवाहें निराधार, इंडियन ऑयल ने कहा-देशभर में ईंधन की कोई कमी नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते देशभर में सुरक्षा को लेकर चिंता गहराती जा रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर पेट्रोल, डीजल और गैस की संभावित कमी को लेकर अफवाहों ने लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया। कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी गईं। ऐसे में देश की अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने सामने आकर स्थिति स्पष्ट की है। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि घबराएं नहीं, क्योंकि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और सप्लाई पूरी तरह सामान्य है।

इंडियन ऑयल का भरोसा: 'पूरे देश में भरपूर स्टॉक मौजूद'

इंडियन ऑयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म -(पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से एक संदेश जारी कर

कहा कि, 'हमारे पास देशभर में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का स्टॉक उपलब्ध है। सप्लाई चैन पूरी तरह से सक्रिय है और सभी आउटलेट्स सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं।'कंपनी ने जनता से अपील की कि घबराकर ईंधन की खरीद न करें, क्योंकि इससे अनावश्यक भीड़ और आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव बनता है। यदि लोग संयम बरतें और जरूरत अनुसार ही ईंधन लें, तो हम सभी को बिना रुकावट सेवाएं दे सकते हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थीं लंबी कतारें

बीते 24 घंटों में सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही अफवाहों में दावा किया जा रहा था कि जल्द ही पेट्रोल और गैस की सप्लाई बाधित हो सकती है। कुछ वीडियो में लोगों को पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों में खड़े देखा गया। यह स्थिति उस वक्त उत्पन्न हुई जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। हालांकि इंडियन ऑयल की ओर से आए इस स्पष्टीकरण के बाद स्थिति काफी हद तक साफ हो गई है और अब पैनिक बाइंग की कोई वजह नहीं बचती। इंडियन ऑयल न सिर्फ एक तेल कंपनी है, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ है। इसकी क्षमता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसे भारत सरकार द्वारा 'महारत्न' का दर्जा प्राप्त है। देश में कुल 19 रिफाइनरियों में से 10 IOC के पास हैं, और इसका पेट्रोलियम मार्केट में हिस्सा करीब 47फीसदी है, जबकि तेल रिफाइनिंग में 40फीसदी। इस विशाल नेटवर्क के बल पर कंपनी पूरे देश में निर्बाध रूप से ईंधन और एलपीजी की आपूर्ति कर रही है।

देश वर्तमान में एक संवेदनशील दौर से गुजर रहा है, लेकिन ऐसे में अफवाहों से डरकर नहीं, बल्कि तथ्य पर भरोसा कर, एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की आवश्यकता है। इंडियन ऑयल जैसी संस्थाएं पूरी क्षमता से काम कर रही हैं ताकि देश को ऊर्जा संकट से दूर रखा जा सके। ऐसे में जनता का संयम ही सबसे बड़ा सहयोग है।

भारत में एआई की वृद्धि के लिए 2030 तक 45 टीडब्ल्यूएच बिजली की जरूरत : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग बढ़ने के साथ किफायती लागत , नवीकरणलीय ऊर्जा पर जोर और डेटा सेंटर के विकास के लिए एक रणनीतिक स्थान बनने के साथ ही वर्ष 2030 तक एआई की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 4 से 5 करोड़ वर्ग फुट रियल एस्टेट और 40 से 45 टेरावॉट बिजली की जरूरत होगी। डेलॉयट इंडिया द्वारा आज जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। इसमें कहा गया है कि भारत को वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने के लिए विशेष नीतिगत फैसले अहम होंगे। रिपोर्ट में विश्व में अग्रणी एआई रेडी ईकोसिस्टम के निर्माण के लिए भारत के लिए छह प्रमुख स्तंभो की पहचान की है। ये स्तंभ हैं रियल एस्टेट, बिजली, यूटिलिटीज इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, टैलेंट और पॉलिसी फ्रेमवर्क।

डेलॉयट इंडिया के पार्टनर एस अंजनी कुमार ने कहा, अगर भारत अपनी एआई क्षमताओं को बढ़ाना और इससे जुडी अपनी क्षमताओं को जानना चाहता है, तो इस क्षेत्र को समर्थन देने के लिए बेहतर नीतियों की जरूरत होगी। डेटा एनालिटिक्स और प्रोसेसिंग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत को अपना एआई-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना चाहिए।

रुपया 68 पैसे लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 68 पैसे लुढ़ककर 85.45 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 84.77 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 16 पैसे की मजबूती के साथ 84.61 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली की बदौलत 84.54 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली बढ़ने से यह 85.80 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 84.77 रुपये प्रति डॉलर के मुकाबले 68 पैसे की गिरावट के साथ 85.45 रुपये प्रति डॉलर रह गया। विश्लेषकों के अनुसार, भारत-पाकिस्तान सीमा पर हालिया तनाव के कारण रुपया विदेशी मुद्रा बाजार में भारी दबाव में आ गया है, जिससे इसमें भारी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों ने चेताया है कि यदि स्थिति और बिगड़ती है तो रुपया 86.00 रुपये प्रति डॉलर से 86.50 रुपये प्रति डॉलर के बीच के रिकॉर्ड निचले स्तरों की ओर गिर सकता है। पिछले 24 घंटों में सीमा पर ड्रोन हमलों और उनके जवाब में की गई सैन्य कार्रवाइयों की रिपोर्टों ने भू-राजनीतिक अनिश्चितता को गंभीर रूप से बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर विदेशी निवेशकों की जोखिम लेने की भावना पर पड़ा है।

वर्ष 2024 में खाद्यान्न उत्पादन में 6.81 प्रतिशत की वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में कुल खाद्यान्न क्षेत्र में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें चावल और मक्का में प्रमुख वृद्धि देखी गयी है। समान रूप से खरीफ 2024 में कुल खाद्यान्न उत्पादन में वर्ष 2023 के खरीफ उत्पादन की तुलना में 6.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें चावल, मक्का और ज्वार आदि फसलों में उच्च उत्पादन देखा गया है। नई दिल्ली के पूसा कैंपस स्थित अग्नि हॉल में पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-खरीफ 2025 अभियान में हुई चर्चा के साथ-साथ खरीफ की बुआई से पहले कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की तैयारियों व रणनीतियों के बारे में जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर सहित विभिन्न राज्यों से आए कृषि मंत्री भी उपस्थित रहे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि राज्यों के बेहतर प्रदर्शन, किसानों की मेहनत के कारण खरीफ के रकबे में

वृद्धि हुई है, वहीं खरीफ 2023-24 के दौरान चावल का क्षेत्रफल 40.73 मिलियन हेक्टेयर था, जो खरीफ 2024-25 में 43.42 मिलियन हेक्टेयर हो गया है। चावल का उत्पादन खरीफ 2023-24 में 113.26 मिलियन टन था, जो खरीफ 2024-25 में 120.68 मिलियन टन हो गया है। इसी तरह खरीफ में 2023-24 के दौरान मक्का का क्षेत्रफल 8.33 मिलियन हेक्टेयर था, जो खरीफ 2024-25 में 8.44 मिलियन हेक्टेयर हो गया और मक्के का उत्पादन खरीफ 2023-24 में 22.25 मिलियन टन था, जो खरीफ 2024-25 में 24.81 मिलियन टन हो गया है। चौहान ने कहा कि लैब टू लैंड की नीति के तहत वैज्ञानिक और किसान साथ मिलकर काम करे, इसकी बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गेहूं, चावल हमारे यहां पर्याप्त मात्रा में होता है लेकिन दलहन और तिलहन का हमें आयात करना पड़ता है। भारत सरकार ने जो दलहन मिशन शुरू किया है उसे इम्प्लीमेंट करने की बात सम्मेलन में हुई है।

उत्पादन कैसे बढ़े, इस पर भी चर्चा और ऑइल सीड के उत्पादन को बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 33 राज्यों का वार्षिक एक्शन प्लान आ गया है। 7.78 लाख हेक्टेयर में 15,560 क्लस्टर बनाए जाएंगे और 10 हजार बायो रिसोर्स सेंटर बनाए जाएंगे। 16 प्राकृतिक खेती के केंद्रों की पहचान की गई है और 3,100 वैज्ञानिकों को किसान को मास्टर ट्रेनिंग के रूप में ट्रेन किया गया है। कम से कम 18 लाख किसान प्राकृतिक खेती की शुरुआत करें।

निशानेबाजी : महाराष्ट्र ने जीता स्वर्ण, बिहार को मिला कांस्य पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में महाराष्ट्र ने 10 मी. एयर राइफल मिक्सड टीम यूथ कैटेगरी में कर्नाटक को 16-12 से हराकर स्वर्ण पदक तथा बिहार की दिव्या-रुद्र की जोड़ी ने कांटे की टक्कर वाले मुकाबले में यूपी की टीम को 16-14 अंक से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। आज डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में महाराष्ट्र ने 10 मी. एयर राइफल मिक्सड टीम यूथ कैटेगरी में कर्नाटक को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महाराष्ट्र की शंभवी श्रवण क्षीरसागर और पार्थ राकेश माने की जोड़ी ने कर्नाटक की हृदया श्री कोंडूर और नारायण प्रणव वनीथा सुरेश की टीम को 16-12 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। दोनों टीमों के बीच मुकाबला रोमांचक रहा लेकिन महाराष्ट्र की जोड़ी ने बेहतर संयम और सटीकता का परिचय देते हुए मुकाबला जीता। कर्नाटक को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।वहीं बिहार की दिव्या श्री और रुद्र प्रताप सिंह की निशानेबाज जोड़ी ने 10 मी. एयर राइफल मिक्सड टीम यूथ कैटेगरी के कांस्य पदक मुकाबले में उत्तर प्रदेश की अनन्या और अंश डबास की जोडी को 16-14 के बेहद रोमांचक मुकाबले में हराकर पदक अपने नाम किया। यह जीत न केवल बिहार के खेल इतिहास में एक सुनहरा पन्ना जोड़ती है, बल्कि राज्य के युवा खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई उड़ान भी देती है।

ट्रैक साइक्लिंग में झारखंड और राजस्थान ने जीते स्वर्ण पदक

नयी दिल्ली। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की ट्रैक साइक्लिंग स्पर्धाओं झारखंड की लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। वहीं लड़कों के वर्ग में राजस्थान चैंपियन बना। बिहार की लड़कियों ने भी कड़ी टक्कर दी और तीसरा स्थान हासिल किया। लड़कियों की श्रेणी में झारखंड ने दो स्वर्ण और एक कांस्य मेडल के साथ कुल 16 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। इस जीत में सबसे अहम योगदान टीम स्प्रिंट स्पर्धा में आए एक स्वर्ण पदक का रहा, जिससे टीम को सीधे 10 अंक प्राप्त हुए। राजस्थान ने तीन स्वर्ण पदक हासिल कर 15 अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं बिहार ने दो रजत और एक कांस्य के जरिए 10 अंक जुटाकर तीसरी पायदान पर जगह बनाई। तीसरा स्थान प्राप्त करने में अहम योगदान टीम स्प्रिंट में आए एक रजत पदक का रहा। जिससे बिहार टीम को छह अंक प्राप्त हुए थे। वहीं लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने अपना दबदबा कायम रखते हुए तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ कुल 19 अंक अर्जित कर पहला स्थान प्राप्त किया। झारखंड ने एक स्वर्ण और दो रजत के साथ 14 अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल किया। झारखंड की टीम स्प्रिंट में आई जीत निर्णायक रही। जिस वजह से वह महाराष्ट्र को पछाड़ने में सफल रहा। महाराष्ट्र ने दो स्वर्ण और एक रजत के दम पर 13 अंक के साथ तीसरा स्थान पाया।

एआईएफएफ ने पूर्व भारतीय मिडफील्डर डीएमके अफजल के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पूर्व भारतीय मिडफील्डर डीएमके अफजल के निधन पर शोक व्यक्त किया डीएमके अफजल को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी हैं। अपने समय के बेहतरीन मिडफील्डर अफजल इंडोनेशिया के जकार्ता में 1962 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। उन्होंने ने भारत की ओर से दो बार मैच खेले हैं। उन्होंने 1962 एशियाड के ग्रुप चरण में कोरिया गणराज्य के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था। अफजल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, डी.एम.के. अफजल अपने समय के बेहतरीन मिडफील्ड थे। मैं इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ।

राडुकानू और नोरी ने इटालियन ओपन के दूसरे दौर में बनाई जगह

रोम। ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू और पुरुष वर्ग में हमवतन कैमरन नोरी ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर इटालियन ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वहीं केटी बौल्टर को हार का सामना करना पड़ा। तीन साल के बाद पहली बार टूर्नामेंट में भाग लेने वाली राडुकानू ने बुधवार को खेले गये मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट के खिलाफ 7-5 6-7 (1-7) 6-3 से जीत दर्ज की। इस बीच ब्रिटेन की 28 वर्षीय केटी बौल्टर रूस की अनास्तासिया पावलुचेनकोवा से 3-6, 3-6 से हार गई। वहीं पुरुष वर्ग में नोरी ने क्रिस्टोफर ओ'कॉनेल को सीधे सेटों में 6-3 6-2 हराकर दूसरा दौर में अपना स्थान पक्का किया। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने 76 मिनट के मैच में ओ'कोनेल के खिलाफ सिर्फ पांच गेम गंवाए।

एलए ओलंपिक 2028: उद्घाटन और समापन समारोह दो ऐतिहासिक स्टेडियमों में होंगे आयोजित

एजेंसी

लॉस एंजेलिस। लॉस एंजेलिस मेमोरियल कोलिज़ियम और इंग्लवुड स्थित सोफी स्टेडियम 2028 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के उद्घाटन और समापन समारोहों की मेजबानी करेंगे। एलए28 आयोजकों ने उक्त घोषणा की।

दो स्टेडियमों में होगा ओलंपिक का उद्घाटन समारोह

14 जुलाई 2028 को होने वाला ओलंपिक उद्घाटन समारोह पहली बार दो स्थानों - ऐतिहासिक कोलिज़ियम और आधुनिक सोफी स्टेडियम - में साझा रूप से आयोजित होगा। कोलिज़ियम ओलंपिक इतिहास में तीन बार खेलों की मेजबानी करने वाला पहला स्थल बन जाएगा।

एलए की विरासत और भविष्य का होगा संगम

एलए28 के चेयरपर्सन और प्रेसिडेंट केसी वासरमैन ने एक बयान में कहा, ये दोनों स्थल लॉस एंजेलिस की खेल विरासत और तकनीकी

प्रगति का प्रतीक हैं। दुनियाभर से आने वाले दर्शकों के लिए यह अनुभव अविस्मरणीय होगा।

समापन समारोह कोलिज़ियम में, पैरालंपिक का विशेष आयोजन

30 जुलाई को ओलंपिक का समापन समारोह कोलिज़ियम में आयोजित किया जाएगा, जिसे आयोजनकर्ता %अविस्मरणीय उत्सव% बता रहे हैं। 15 अगस्त को पैरालंपिक का उद्घाटन समारोह सोफी स्टेडियम में होगा, जबकि समापन समारोह 27 अगस्त को कोलिज़ियम में सम्पन्न होगा।

एलए तीसरी बार ओलंपिक और पहली बार करेगा पैरालंपिक की मेजबानी

लॉस एंजेलिस ने इससे पहले 1932 और 1984 में ओलंपिक की मेजबानी की थी। लेकिन 2028 पहली बार होगा जब यह शहर पैरालंपिक खेलों की भी मेजबानी करेगा। आयोजकों ने कहा, पैरालंपिक समापन समारोह एलए28 खेलों की अंतिम यादगार झलक होगा, जो ओलंपिक और पैरालंपिक आंदोलन को लॉस एंजेलिस से स्थायी रूप से जोड़ देगा।

लॉन्ग बीच और हॉलीवुड में भी होंगे आयोजन

एलए28 ने पिछले महीने कुछ अन्य आयोजन स्थलों की भी घोषणा की थी। बीच वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं लॉन्ग बीच के अलामिटोस बीच पर होंगी, जबकि स्क्वैश खेल हॉलीवुड के यूनिवर्सल स्टूडियो में अपनी ओलंपिक शुरुआत करेगा।

पैरा चैंपियन निरंजन सिंह ने भारत के लिए जीता रजत

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियन पैरा-आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप में 65 किग्रा भारवर्ग (बैठकर खेलने की श्रेणी) में मध्यप्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले निरंजन सिंह ने रजत पदक हासिल किया है। यह एक ऐतिहासिक अवसर है, जब पीपल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया राजधानी में प्रतिष्ठित 23वीं एशियन आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप और 22वीं एशियन पैरा-आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप की मेजबानी कर रही है। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मध्यप्रदेश से ताल्लुक रखने वाले निरंजन ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा, आर्मरेसलिंग में आना आसान नहीं था। मैंने कई खेल खेले हैं, क्रिकेट भी खेला और कुछ अन्य खेलों में भी भाग लिया। इस महीने के अंत में मैं व्हीलचेयर क्रिकेट के नेशनल्स में भी हिस्सा लेने जा रहा हूं, लेकिन आर्मरेसलिंग ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया है। निरंजन की जिंदगी संघर्षों से भरी रही, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने कहा, मैं दिव्यांग हूं, मेरा जन्म बिना पैरों के हुआ था, इसलिए मेरे हाथ ही मेरी ताकत बन गए।÷ उन्होंने कहा, ÷मैंने ट्रैक्टर चलाया – क्लच, ब्रेक, एक्सेलेरेटर सब हाथों से संभाला। बाद में मैं डिलीवरी ड्राइवर की नौकरी करने लगा और अपने दम पर दुनिया को जाना। उसी दौरान मेरी मुलाकात वर्ल्ड चैंपियन अरविंद राजन से हुई, जिनका मुझ पर विश्वास मेरी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बना। उन्होंने मुझे कोच मनीष कुमार से मिलवाया और वहीं से मेरी नई यात्रा शुरू हुई।उन्होंने आगे कहा, मैंने 2021 में इस खेल की शुरुआत की और 2022 में हैदराबाद में अपने पहले नेशनल्स में भाग लिया -जहां मैंने बाएं हाथ से जीत हासिल की। उस जीत ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ा दिया।

नीरज चोपड़ा ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 में लेंगे हिस्सा, दो बार चोट के कारण रह चुके हैं बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस साल 24 जून को चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा शहर में होने वाले गोल्डन स्पाइक 2025 एथलेटिक्स मीट में हिस्सा लेंगे। इससे पहले वह 2023 और 2024 के संस्करणों से चोट के चलते हट गए थे, लेकिन इस बार वह तीसरी बार में किस्मत आजमाने उतरेंगे।

दो बार नहीं खेल पाए, अब कोच के देश में दिखेगा जलवा

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा पिछले दो वर्षों में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे, हालांकि वह 2024 में विशेष अतिथि के रूप में वहां मौजूद रहे थे। इस बार यह मुकाबला खास इसलिए भी होगा क्योंकि यह उनके दिग्गज कोच और पूर्व विश्व चैंपियन जान ज़ेलेज़नी के होमग्राउंड पर खेला जाएगा। ज़ेलेज़नी खुद इस टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं। नीरज ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं यह घोषणा करते हुए उत्साहित हूं कि मैं इस साल ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक मीट में हिस्सा लूंगा। यह एक ऐतिहासिक प्रतियोगिता है और इस बार यह और भी खास होगी। मेरे

कोच जान ज़ेलेज़नी ने यहां कई बार जीत दर्ज की है और अब वह टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड मीट का हिस्सा है गोल्डन स्पाइक

गोल्डन स्पाइक मीट 1961 से आयोजित हो रहा है और यह वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेबल प्रतियोगिता है, जो डायमंड लीग के बाद दुनिया की दूसरी सबसे अहम सिरीज़ मानी जाती है। इस बार नीरज का मुकाबला 2020 ओलंपिक रजत पदक विजेता और चेक गणराज्य के ही याकुब वाडलेच जैसे शीर्ष खिलाड़ियों से होगा।

इससे पहले दो बड़े मुकाबलों में उतरेंगे नीरज

गोल्डन स्पाइक से पहले नीरज 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 24 मई को बेंगलुरु में होने वाले पहले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में नजर आएंगे। उन्होंने दक्षिण कोरिया के गुमी में 27 से 31 मई के बीच होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है।

आईपीएल 2025: पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच धर्मशाला में मुकाबला बीच में ही रद्द

एजेंसी

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में धर्मशाला में खेले जा रहे पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मुकाबले को 10.1 ओवर के बाद अचानक रोकना पड़ा। जैसे ही पहली पारी के मध्य में तीन फ्लड लाइट टावर बंद हो गए, खिलाड़ियों को मैदान से बाहर बुला लिया गया। इसके तुरंत बाद स्टेडियम को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू हुई और मुकाबले को रद्द कर दिया गया।

सुरक्षा कारणों से कराया गया स्टेडियम खाली

स्टेडियम में सार्वजनिक घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम) से कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई, लेकिन पुलिस और मैदान संचालन टीम ने दर्शकों को धीरे-धीरे बाहर निकलने का अनुरोध किया। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पूरे स्टेडियम को सावधानीपूर्वक खाली कराया गया।

भारत-पाक सीमा पर तनाव के कारण फैसला

इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता

तनाव बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार, जम्मू (धर्मशाला से करीब 200 किलोमीटर दूर) में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमला हुआ है, जो भारत की 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में बताया जा रहा है।

दोनों टीमें होटल के लिए रवाना: जब यह सब हो रहा था, उस समय तक पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें पहले ही मैदान से बाहर निकल चुकी थीं। दोनों टीमों को उनके होटल रवाना कर दिया गया है और खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

एमपीएल 2025 : नए रंग-रूप और महिला क्रिकेट के साथ 27 मई से इंदौर में होगी भव्य शुरुआत

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) इस बार नए कलेवर में नजर आएगी। आगामी 27 मई से इंदौर के होलकर स्टेडियम में शुरू होने वाले एमपीएल में पहली बार महिला क्रिकेट मुकाबलों का भी आयोजन किया जाएगा। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट का उद्देश्य राज्यभर की उभरती प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। पुरुष लीग में कुल सात टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें ग्वालियर चीता, भोपाल लेपर्ड्स, जबलपुर रॉयल लायंस, रीवा जैगुआर्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल्स (नई टीम) और

बुंदेलखंड बुल्स (नई टीम) शामिल हैं। इस बार की खास बात यह है कि महिला प्रतियोगिता भी होगी। इसमें तीन टीमें भोपाल वुल्व्स, चंबल घड़ियाल्स और बुंदेलखंड बुल्स शामिल हैं। यह कदम महिला क्रिकेट को राज्य स्तर पर प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। एमपीएल के इस संस्करण को लेकर ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष महानारयमन राव सिंधिया ने कहा, हम एमपीएल के इस नए अध्याय को लेकर बेहद उत्साहित हैं। महिला लीग की शुरुआत न केवल इतिहास में एक नई मिसाल बनेगी, बल्कि युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर भी देगी। वहीं एमपीएल के सीईओ रवि पाटनकर ने कहा, हमारा उद्देश्य खिलाड़ियों को ऐसा मंच देना है, जहां वे अपने हुनर को निखार सकें और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की दिशा में कदम बढ़ा सकें।

महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप 2027 की मेजबानी करेगा ब्राजील, इन 8 शहरों में होंगे मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा ने ऐलान किया है कि 2027 में होने वाला महिला फुटबॉल विश्व कप पहली बार दक्षिण अमेरिका की सरजमीं पर आयोजित होगा और इसकी मेजबानी ब्राजील करेगा। इस टूर्नामेंट के सभी 64 मुकाबले 8 अलग-अलग शहरों के प्रतिष्ठित स्टेडियमों में खेले जाएंगे।

माराकाना से लेकर रेसिफे तक, इन शहरों में होगी विश्व कप की रौनक:

इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए जिन आठ स्टेडियमों को चुना गया है, उनमें सबसे प्रमुख है रियो डी जनेरियो का माराकाना स्टेडियम, जो फुटबॉल इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है। इसके अलावा मुकाबले इन शहरों में होंगे-

बेलो होरिज़ोंटे - मिनेइराओ स्टेडियम

ब्रासीलिया - नेशनल स्टेडियम

फोर्टालेज़ा - कास्टेलाओ एरिना

पोर्टो एलेग्रे - बेइरा-रियो स्टेडियम

रेसिफे - पर्नामबुको एरिना

साल्वाडोर - फोंटे नोवा एरिना

साओ पाउलो - इताकेइरा एरिना

'ब्राजील की ऊर्जा और रंगीन संस्कृति को महसूस करेगा विश्व' फीफाः फीफा अध्यक्ष जियानी इंफेंटिनो ने कहा, 'सांबा से लेकर फ्रेभो तक, खूबसूरत समुद्रतटों से लेकर आधुनिक शहरों तक–दुनिया 2027 में ब्राज़ील की ऊर्जा, रंग और गर्मजोशी को महसूस करेगी।' उन्होंने भरोसा जताया कि यह टूर्नामेंट मेज़बान शहरों के लिए यादगार अनुभव होगा और इसका सकारात्मक असर व्यापक होगा।

कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगी

फीफा महासचिव मैटियास ग्राफस्ट्रोम ने कहा, 'यह वर्ल्ड कप महिला फुटबॉल के इतिहास में एक ऐतिहासिक मोड़ होगा क्योंकि पहली बार यह टूर्नामेंट दक्षिण अमेरिका में हो रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह आयोजन पूरे महाद्वीप की अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

पीसीएल 2025 के बचे हुए मुकाबले यूएई शिफ्ट, भारत-पाक तनाव के बीच लिया गया बड़ा फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली।पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 10वें संस्करण के बचे हुए आठ मुकाबले अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाएंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह अहम फैसला लिया है। पीसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि शेष मुकाबलों की तारीख और स्थान की घोषणा जल्द की जाएगी।

रावलपिंडी मैच रद्द, खिलाड़ियों ने जताई चिंता

कराची किंग्स और पेशावर ज़ल्मी के बीच रावलपिंडी स्टेडियम में मुकाबला होना था, लेकिन एक ड्रोन के स्टेडियम परिसर में गिरने के बाद आपात बैठक बुलाकर मैच को

स्थगित कर दिया गया। इस बैठक में पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नक़वी और लीग में शामिल विदेशी खिलाड़ियों के बीच चर्चा हुई, जिसमें अधिकांश विदेशी खिलाड़ियों ने लीग को यूएई शिफ्ट करने की मांग की।

यूएई में पीसीएल को दोबारा मिली शरण

यह पहली बार नहीं है जब पीसीएल को यूएई में कराना पड़ा हो। लीग की शुरुआत 2016 में यूएई से हुई थी और शुरुआती दो सीजन वहीं खेले गए थे।

इसके बाद 2021 में कोविड के कारण भी कुछ मुकाबले यूएई में हुए थे। अब एक बार फिर लीग को सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पर भी पड़ सकता है असर

पीसीएल के बाद पाकिस्तान को 21 मई को बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टी 20 सीरीज़ की मेज़बानी करनी थी। पहला मुकाबला 25 मई को फैसलाबाद में खेला जाना था, लेकिन अब लीग के शेड्यूल में बदलाव होने से इस सीरीज़ पर भी असर पड़ सकता है। पीसीबी ने फिलहाल इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

आर्सेनल को हराकर पीएसजी ने चैंपियंस लीग के फाइनल में

एजेंसी

पेरिस । पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के दूसरे चरण में आर्सेनल को 2-1 से मात देकर कुल

स्कोर 3-1 के साथ दूसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। खेले गये मुकाबले में आर्सेनल के पास वापसी करने और मैच को पलटने के कई मौके मिले लेकिन पीएसजी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा ने उनके प्रयासों को विफल कर दिया। खिताबी मुकाबला पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) और इटैलियन क्लब इंटर मिलान के बीच खेला जायेगा।

राजस्थान रॉयल्स ने नितीश राणा, संदीप शर्मा की जगह लिए प्रिटोरियस और नांद्रे बर्गर को किया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने टीम में दो अहम बदलाव किए हैं। नितीश राणा और संदीप शर्मा के चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनके स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रिटोरियस और नांद्रे बर्गर को टीम में जोड़ा है। राजस्थान रॉयल्स ने चोटिल नितीश राणा की जगह लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को टीम में शामिल किया है। नितीश राणा ने आरआर के लिए इस सीज़न दो प्रभावशाली पारियां खेली थीं। पहली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ गुवाहाटी में 36 गेंदों पर 81 रन और दूसरी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ दिल्ली में 28 गेंदों पर 51 रन।

आईपीएल के बयान के अनुसार राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने नितीश राणा के स्थान पर लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को टीम में शामिल किया है, जो चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। 19 वर्षीय प्रिटोरियस एक आक्रामक बाएं हाथ के ओपनर बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं। उन्हें राजस्थान ने 30 लाख रुपये में साइन किया है। उन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है, लेकिन 2025 एसए20 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 12 मैचों में 397 रन बनाए थे, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 166.80 रहा था। पार्ल रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सनराइजर्स ईस्टर्न केप के

खिलाफ 51 गेंदों में 97 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी।इसके बाद उन्हें इंग्लैंड की हैम्पशायर टीम ने विटैलिटी ब्लास्ट के लिए भी साइन किया। 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप में वे दक्षिण अफ्रीका के टॉप स्कोरर भी रहे थे। तेज गेंदबाज़ संदीप शर्मा ने इस सीजन 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे, लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुभमन गिल का शॉट रोकने के प्रयास में उनकी उंगली में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा।

जेसन रॉय की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी, काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए खेलेंगे

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज़ जेसन रॉय एक बार फिर रेड-बॉल क्रिकेट में उतरने के लिए तैयार हैं। उन्हें इस हफ्ते वारविकशायर के खिलाफ एजबेस्टन में होने वाले काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले के लिए सरे की टीम में शामिल किया गया है।

चार साल बाद वापसी, पिछली बार 2020 में खेले थे रेड-बॉल मैच: 34 वर्षीय रॉय ने अब तक 87 रेड-बॉल मैचों में 36.46 की औसत से 9 शतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 143 (लंकाशर के खिलाफ, 2015) है। हालांकि, उन्होंने आखिरी बार 2020 की कोविड प्रभावित गर्मियों में बॉब विलिस ट्रॉफी में हैम्पशायर के खिलाफ यह फॉर्मेट खेला था।

टेस्ट में नहीं चल पाए थे रॉय

2019 विश्व कप में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद रॉय को टेस्ट टीम में मौका मिला था। उन्होंने आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट खेले लेकिन आठ पारियों में महज 13.75 की औसत से रन बना सके।

ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने उनकी तकनीक नाकाम साबित हुई और आखिरकार उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

सफेद गेंद प्रारूप में गिरती लोकप्रियता का असर

रॉय की वापसी उनके टी20 करियर की घटती चमक को भी दर्शाती है। 2023 में भारत में हुए वनडे विश्व कप में उन्हें इंग्लैंड की टीम से बाहर रखा गया था और इस साल के आईपीएल के लिए भी उन्हें नहीं चुना गया। वह 2020, 2022 और 2024 में निजी कारणों से आईपीएल से हट चुके हैं। आखिरी बार उन्होंने मार्च 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे खेला था।

सरे को बल्लेबाज़ों की कमी, रॉय से उम्मीदें

सरे टीम को इस मुकाबले में ओली पोप, जेमी स्मिथ और गस एटकिंसन जैसे ईसीबी-कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी झेलनी पड़ेगी, जिन्हें ज़िम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टेस्ट से पहले आराम दिया गया है। ऐसे में जेसन रॉय को मौका मिला है।

सरे की स्थिति और टीम में कुछ नए चेहरे

डिवीजन वन तालिका में सरे फिलहाल तीसरे स्थान पर है, जबकि वारविकशायर दूसरे और नॉटिंघमशायर पहले नंबर पर है। पिछली बार सरे ने समरसेट को तीन दिन में हराकर लय हासिल की है। टीम को इस मैच में अपने विदेशी खिलाड़ियों नाथन स्मिथ और कर्टिस पैटरसन से मजबूती से मिली है, साथ ही तेज गेंदबाज़ टॉम लॉज़ भी इस सीज़न पहली बार टीम में लौटे हैं।

लकीर के फकीर

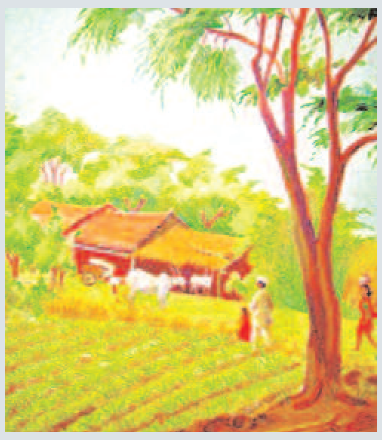

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया। उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत : उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत : ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाईं? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''

यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।

विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत : उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत : व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत : उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत : यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत : सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन : पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

सुरभि दास

ने लगाई पाकिस्तानी एक्ट्रेसेस की क्लास, लिखा- इसकी देश भक्ति अब जागी है, पहले तो इंडिया...

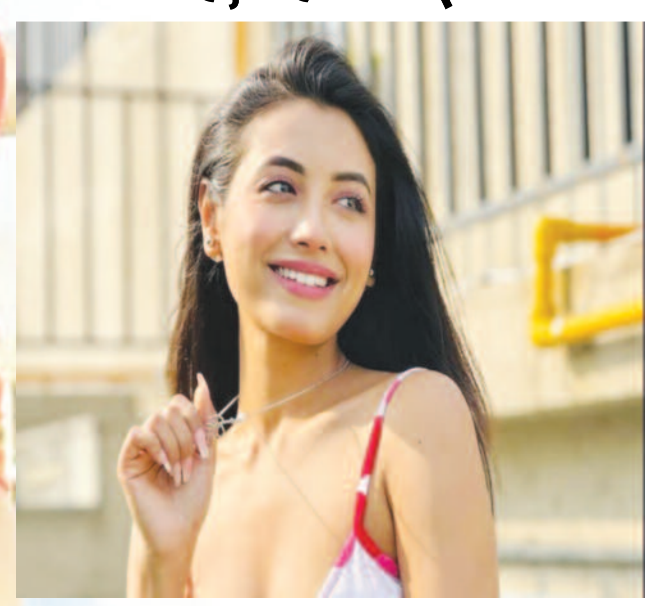

टीवी एक्ट्रेस सुरभि दास ने पाकिस्तानी एक्ट्रेसेस की क्लास लगाई है। दरअसल, पाकिस्तानी एक्ट्रेसेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर 'ऑपरेशन सिंदूर' की आलोचना की थी। यूं तो उनके अकाउंट्स पर इंडिया में बैन लगा हुआ है, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए उनके पोस्ट सुरभि तक पहुंच गए। ऐसे में उन्होंने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है।सजल अली ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की निंदा की तो सुरभि भड़क गई। एक्ट्रेस ने लिखा, ये लोग क्या बकवास कर रहे हैं भाई ? अब इनको याद आया कि मासूमों को नहीं मारना चाहिए। अरे भाई हमारे 26 लोगों को क्यों मारा फिर ?? वो लोग अपने परिवार के साथ समय बिताने कश्मीर गए थे। उनका क्या कसूर था ? अब बहुत बुरा लग रहा है इनको तब क्यों कुछ नहीं बोला किसी ने ?

सुरभि ने माहिर खान को खरीखोटी सुनाई। एक्ट्रेस ने लिखा, आधे टाइम तो ये इंडिया में ही रहती थी ताकि काम मिल जाए। अब अचानक से इसकी देश भक्ति जाग गई। शर्म आनी चाहिए। इंडिया में काम मांग रही थी। कहती थी, हम मर जाएंगे, लेकिन पाकिस्तानी फिल्म में काम नहीं करेंगे। बहन हम वहां क्रिकेट तक नहीं खेलते और तुम मुंह उठाकर यहां चली आती हो काम मांगने। शर्म आनी चाहिए क्योंकि तुम न घर की हो और न घाट की।हानिया आमिर के पोस्ट का जवाब देते हुए सुरभि ने लिखा, तुम तो बहन बोलो ही मत, वो जो बॉलीवुड गाने लगा लगाकर इंडियन ऑडियंस की भीख मांगती हो शर्म नहीं आती ?? हर दो दिन में तुम्हारा इंडियन ऑडियंस के लिए पोस्ट आता है। इंडियन फिल्मों में रोल पाने के लिए भीख मांगती हो और अब तुम्हारा इंडियन फिल्म्स में काम करने का सपना टूट गया तो तुम्हे गुस्सा आ रहा है ? तुम्हे तब गुस्सा क्यों नहीं आया था जब हमारे लोगों को मारा गया था।

पति नील से अलग होने पर

ऐश्वर्या शर्मा

ने तोड़ी चुप्पी, कहा- हां, मैंने किराए पर अलग घर लिया है, लेकिन..

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा ने आखिरकार पति नील भट्ट के साथ सेपरेशन की खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ दी है. हाल ही में ऐसी अफवाहें जोर पकड़ रही थीं कि ऐश्वर्या और नील के बीच सबकुछ ठीक नहीं है. इन अटकलों का मुख्य कारण दोनों का सार्वजनिक रूप से कम दिखना और सोशल मीडिया पर एक साथ तस्वीरें शेयर न करना था. हालांकि, ऐश्वर्या शर्मा ने अब इन सभी बातों को खारिज करते हुए अपनी शादीशुदा जिंदगी की सच्चाई बताई है. इस दौरान ऐश्वर्या ने ये भी कहा है कि वे दोनों अलग घरों में रहते हैं.टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में ऐश्वर्या शर्मा ने साफ तौर पर कहा कि वो और नील अपनी शादीशुदा जिंदगी में बहुत खुश हैं. वे लगातार अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करते हैं या अक्सर पार्टीज में साथ में दिखाई नहीं देते हैं, इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि उनके बीच किसी तरह की कोई समस्या चल रही है. ऐश्वर्या ने कहा कि उनकी खुशहाल शादीशुदा जिंदगी को लेकर बेवजह अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जिनमें कोई सच्चाई नहीं है.

एक साथ न दिखने के पीछे है खास वजह

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस ने आगे बताया कि उनका अक्सर साथ में न दिखना दोनों की तरफ से सोच-समझकर लिया गया फैसला है. उन्होंने स्पष्ट किया कि वे दोनों ही अपनी प्रोफेशनल जिंदगी में लगातार एक-दूसरे के साथ रहना पसंद नहीं करते हैं. ऐश्वर्या ने कहा कि वे दोनों कलाकार हैं, जिनके अपने अलग रास्ते हैं, दोनों अपने-अपने काम को महत्व देते हैं और एक-दूसरे के प्रोफेशनल फैसलों का सम्मान करते हैं. वो नहीं चाहते कि उन्हें एक साथ देखकर मेकर्स उन्हें सभी प्रोजेक्ट्स में एक साथ कास्ट करें.

अलग-अलग घरों में रहते हैं नील और ऐश्वर्या

सेपरेशन की अफवाहों पर और सफाई देते हुए ऐश्वर्या ने कहा कि हां, किसी भी आम कपल की तरह उनके बीच भी छोटे-मोटे मतभेद होते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी शादी खतरे में है. उन्होंने इन अफवाहों के फैलने का एक खास कारण भी बताया. ऐश्वर्या ने कहा कि उन्होंने अपने काम और शूटिंग के लिए मलाड में एक अलग जगह किराए पर घर लिया है और नील अलग घर में रहते हैं. इस वजह से ये अफवाहें वायरल हो रही हैं कि वो दोनों एक दूसरे से अलग होने जा रहे हैं. लेकिन इसमें कोई भी सच्चाई नहीं है. फिलहाल, वो और नील अपने-अपने करियर में बिजी हैं और उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो दोनों एक दूसरे के साथ बहुत खुश हैं.

5 करोड़ में बनी इस फिल्म ने की थी जबरदस्त कमाई, भर-भरकर थे डबल मीनिंग डायलॉग्स

2005 में एक ऐसी फिल्म आई जिसमें एडल्ट कॉमेडी भर-भरकर दिखाई गई और उस फिल्म का नाम था 'क्या कूल हैं हम'. फिल्म में तुषार कपूर और रितेश देशमुख लीड रोल में नजर आए थे और उनके काम को पसंद भी किया गया था. फिल्म में दिखाए जाने वाले एडल्ट सीन और डबल मीनिंग वाले डायलॉग्स ही लोगों को एंटरटेन करने में कामयाब हुए थे.फिल्म क्या कूल हैं हम को एकता कपूर के प्रोडक्शन हाउस में बनाया गया था. फिल्म का दूसरा और तीसरा पार्ट भी बना था जिसमें तुषार कपूर और रितेश देशमुख ही नजर आए थे. फिल्म ने कितनी कमाई की थी, इसे किसने बनाया था, आइए इसके बारे में जानते हैं.

'क्या कूल हैं हम' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

6 मई 2005 को रिलीज हुई फिल्म क्या कूल हैं हम का निर्देशन संगीत सिवान ने किया था और इसे प्रोड्यूस शोभा कपूर, एकता कपूर ने किया था. फिल्म में तुषार कपूर, रितेश देशमुख, ईशा कोप्पिकर और नेहा धूपिया लीड रोल में नजर आए.

इनके अलावा अनुपम खेर, राजपाल यादव, रज्जाक खान और सुष्मिता मुखर्जी जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आए. थे Sacnilk के मुताबिक, फिल्म क्या कूल हैं हम का बजट 5 करोड़ रुपये था, जबकि इसका वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.81 करोड़ रुपये था. फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी.

किस ओटीटी पर देख सकते हैं 'क्या कूल हैं हम' ?

तुषार कपूर और रितेश देशमुख की एडल्ट कॉमेडी फिल्म क्या कूल हैं हम को दर्शकों ने पसंद किया था. इसके दो और पार्ट्स 'क्या सुपर कूल हैं हम' (2012) और 'क्या कूल हैं हम 3' (2016) भी आए जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रहे. 'क्या सुपर कूल हैं हम' का निर्देशन सचिन यर्दी ने किया था और 'क्या कूल हैं हम 3' का निर्देशन उमेश घाडगे ने किया था. अगर आप इन तीनों फिल्मों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखना चाहते हैं तो इसे अमेजन प्राइम वीडियो पर सब्सक्रिप्शन के साथ देख सकते हैं.

कोई पुड़िया नहीं है...क्या रणवीर सिंह को सुपरस्टार बनाने के पीछे है नवाजुद्दीन सिद्दीकी का हाथ?

बॉलीवुड एक्टर और फिल्मों से जुड़े कुछ ऐसे राज होते हैं, जिन्हें खुलने में या सामने आने में काफी वक्त लग जाता है. हाल ही में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भी एक ऐसा ही किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे. नवाजुद्दीन अपनी फिल्म कोस्टाओ की रिलीज़ के बाद से लगातार चर्चा का हिस्सा बने हुए हैं. उन्हें फिल्मी दुनिया में 10 साल से ज्यादा का समय हो चुका है. उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों और सीरीज में काम किया है. हाल ही में नवाज ने रणवीर सिंह को उनकी पहली फिल्म के लिए ट्रेनिंग देने पर खुलकर बात की.पिंकविला को दिए गए इंटरव्यू के दौरान नवाजुद्दीन ने रणवीर सिंह को उनकी पहली फिल्म बैंड बाजा बाराज के लिए ट्रेनिंग देने पर बात की और इसका क्रेडिट लेने से भी इनकार किया. क्योंकि उनका मानना है कि एक्टिंग कभी भी सिखाई नहीं जा सकती. जब एक्टर से रणवीर को ट्रेनिंग देने को लेकर सवाल किया तो उन्होंने जवाब में कहा, कुछ वक्त के लिए किया था. उस वक्त को याद करते हुए कहा कि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि सिर्फ दो साल बाद ही वह रिकॉर्ड ब्रेकिंग वाली फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में काम करेंगे.

उसके अंदर काबिलियत थी - नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, ऐसा कभी नहीं सोचा था. मैं तो एक तरह से वर्कशॉप लेने वाला बंदा हो गया था कि कोई किसको एक्टर बनना है, लॉन्च होना है तो मैं हूं. वर्कशॉप करते थे हम लोग सब एक्टर्स के साथ. यह पूछे जाने पर कि क्या वह रणवीर सिंह के एक्टिंग टैलेंट का क्रेडिट लेंगे तो नवाजुद्दीन ने कहा, एक्टिंग कभी सिखायई नहीं जा सकती. कोई पुड़िया नहीं है. आपको खुद को पता लगाना पड़ता है. उसके अंदर खुद की काबिलियत थी. हां आपको रास्ता दिखाया जा सकता है कि इस तरफ से भी जाया जा सकता है, लेकिन जाना तो आपको ही पड़ेगा ना.

पहली ही फिल्म से छा गए थे रणवीर

रणवीर सिंह ने साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म बैंड बाजा बारात से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. फिल्म में अनुष्का शर्मा लीड रोल में थीं. दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. महज 15 करोड़ में बनकर तैयार हुई इस फिल्म ने दुनिया भर में 33 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था. इस फिल्म के बाद अब तक रणवीर सिंह ने कई दमदार किरदार बड़े पर्दे पर पेश किए हैं.